



तेरापंथीकृत ग्रंथ संग्रह.

—००८—  
श्री पुस्तकने यथायोग्य शुद्धरीने  
शा० खोमजी जीवराजे सम्यक्कृष्णायोने  
वाचवाने श्रद्धेन

मुद्रितम्

निर्णयसागर ठापरखानामां ठपावी  
प्रगट कऱ्हुंते.

संवत् १९३३ मागसर सुद्ध १ गुरुवासरे  
नवेम्बर सन १९४६.



श्री वर्द्धमानायनमः

अथ वेणीगसकृत

साध श्री जीपनजी स्वामीनुं चरित्र प्रारंभः



दोहा.

अरिहंतसिद्धनेत्रायरिया ॥ उवच्यायाअणगार ॥  
एपाचपदपरमेश्वरू ॥ जपतांजयजयकार ॥ १ ॥ सास  
वनायकसमरिचे ॥ महावीरमतिवत ॥ मुक्तगयामहोटा  
पुनि ॥ शकलसिरेसोनंत ॥ २ ॥ पांचेपदप्रणमीकरी ॥  
नावनक्तिजलिआण ॥ कर्मकाटणरेकारणे ॥ कहुंजीपु  
चरित्रवखाण ॥ ३ ॥ अरिहंतनीलईआझा ॥ बलीसुगु  
आझाश्रीकार ॥ गुणगावंगुणवतना ॥ तेसांनलतासु  
वकार ॥ ४ ॥ किहांउपनाकिहांजनमिया ॥ परनवप  
होताकिणगाम ॥ धुरसुंउत्पतित्यारीरुहुं ॥ तेसुणजोशु  
उपरिणाम ॥ ५ ॥

हाल पहेली द्विज करे सीता सतीरेलाल ए देशी

तिणकालेनेतिणसमेरेलाल ॥ इणडुसमआरामायरे  
सोनागी ॥ जंबूद्विपनरतखेत्रमेरेलाल ॥ मरुधरदेशमुख

दायरे ॥ सो० ॥ नावसुणोजीखूतणारेलाल ॥ १ ॥ रु  
 देराखोबुद्धधाररे ॥ सो० ॥ सुगुरुनेसमखांथकारेलाल ॥  
 वत्तेजेजे काररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ २ ॥ गामकटालियोदी  
 पतारेलाल ॥ कांतेकोरकहायरे ॥ सो० ॥ कमजराज  
 करेतिहारेलाल ॥ वखतसिंघसोहायरे ॥ सो० ॥ ना०  
 ॥ ३ ॥ साहबलुजीसोनतारेलाल ॥ दीपादेतसनाररे ॥  
 सो० ॥ तिहानीपनजीआवीअवतखारेलाल ॥ सिंहसु  
 पनदीगोश्रीकाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ४ ॥ संवतसतरव्या  
 सीसमेरेलाल ॥ आपाढमाससुक्लपक्षमांयरे ॥ सो० ॥ ती  
 र्वीतिथितेरससुणीरेलाल ॥ जन्मकव्याणिकथायरे ॥ सो०  
 ॥ ना० ॥ ५ ॥ अनुक्रमेमहोटादुआरेलाल ॥ एकपरण्या  
 नाररे ॥ सो० ॥ पठेशीलदोनुइयादखारेलाल ॥ कहे  
 चारित्रलेम्यांनाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ६ ॥ पठेवियो  
 गपडयोत्रीयातणुरेलाल ॥ सगपणमलताअनेकरे ॥ सो०  
 ॥ ठतानोगठटकावियारेलाल ॥ आयोवैराग्यविज्ञोपरे ॥  
 सो० ॥ ना० ॥ ७ ॥ संवतअठारआठवरसमेरेलाल ॥ ज्ञीथो  
 इव्यंसंयमनाररे ॥ सो० ॥ गुरुक्रियारुगनाथजीरेलाल ॥  
 पूरोओलख्योनहीआचाररे ॥ सो० ॥ ना० ॥ ८ ॥ का  
 लकेतोवित्यापठीरेलाल ॥ वांच्यासूत्रसिद्धंतरे ॥ सो० ॥  
 ठीकपड्यापशताव्यारेलाल ॥ एतोनदीसेसतरे ॥ सो० ॥

ना० ॥ ९ ॥ यांथापितायानकथादखारेलाल ॥ बली  
 थाथाकर्मिजाणरे ॥ सो० ॥ मूलरालियामांहेरेवेरेलाल  
 ॥ यांजांगीनगवंतथाणरे ॥ सो० ना० ॥ १० ॥ विवेकवि  
 कलबालकनणीरेलाल ॥ मूढतानहीशंकेलगाररे ॥ सो०  
 ॥ मतवाधणरेकारणेरेलाल ॥ याजांगीनगवंतकाररे ॥  
 सो० ॥ ना० ॥ ११ ॥ नित्यपिंमलाग्यावोरवारेलाल ॥  
 पोथीआंरागजगामोवामरे ॥ सो० ॥ पडिलेहांविनापडि  
 यांरेवेरेलाल ॥ ५हांराकिणविधसरसेकामरे ॥ सो० ॥  
 ना० ॥ १२ ॥ जंमउपकरणनेपातरारेलाल ॥ बलीबस्त्र  
 उपविध्यनेकरे ॥ सो० ॥ यत्रिकाराखेवेजाणीनेरेलाल ॥  
 यांबूमेवेविनाविवेकरे ॥ सो० ॥ ना० ॥ १३ ॥ बली  
 क्रियामाकाचायणारेलाल ॥ तेकह्योकवालगेजातरे ॥ सो०  
 ॥ समकितरत्नजिनजापिउरेलाल ॥ यांनेतेपणनाव्यो हा  
 थरे ॥ सो० ॥ ना० ॥ १४ ॥

दोहा ॥ विधसुकरीविचारणा ॥ वारवारविशेष ॥  
 शुद्धमारगलेणोसही ॥ परजवसामोवेख ॥ रखेजूतलागे  
 लामोनणी ॥ तोखपकरवीवारवार ॥ सूत्रसधलावांचवा  
 ॥ जेमसंकानरहेजिगार ॥ २ ॥ राजनगरनणताथकां ॥  
 उघडीअन्यंतरथाख ॥ हवेचारित्रलेईशुद्धपालणो ॥ ठो  
 डीआतमनुंवाक ॥ ३ ॥ मेवैराग्येंघरठोडियो ॥ न्यातीजा

तीरोवांण ॥ इणविधजन्मपूरोकियां ॥ मूलनहोवे क  
व्याण ॥ ४ ॥ वीरवचनविचारतां ॥ एनिश्चैनहीअणगा  
र ॥ खपकरीसमजावुएहने ॥ मलिपालुशुद्धआचार ॥ ५ ॥

ढाल बीजी आ अणुकंपाजिन आझामां एदेशी

एहवोविचारकियोतिणठामें ॥ गाढीवातहियामांधा  
री ॥ हरनाथजीटोकरजीनारमलजी ॥ समजीनेदुआपु  
जरेलारी ॥ नीखुचिरित्रसुणोजव्यजीवां ॥ एआकणी ॥  
१ ॥ मरुधरदेशमेंआव्यातेवारे ॥ मलियासोजतसेरमो  
जार ॥ गुरुनेकहेवीरवचनसंजालो ॥ आपांमेनहीठेगुद्धा  
चार ॥ जी० ॥ २ ॥ देवअरिहंतनेगुरुनियंथ ॥ केवली  
जाप्योधर्मततसार ॥ एतिनुहिंरत्नअमूलकजाणो ॥ या  
तिनामेंजेलमसर्दोलिगार ॥ जी० ॥ ३ ॥ उरहिवस्तुमेंजेल  
पडघायी ॥ रुडीवस्तुबिगडेठेविशेपो ॥ तोपुएयनेपापनो  
जेलकियार्थी ॥ सांसोदुएतोसूत्रमेंदेखो ॥ जी० ॥ ४ ॥  
शुद्धअपणहाथनआवी ॥ शुद्धकरणीथीपणआलगा  
पडिया ॥ आगमन्यायहजीशुद्धसर्दो ॥ तोराखुंमाथेगुरु  
धरिया ॥ जी० ॥ ५ ॥ जेपधाखांतोमूलनमान्यो ॥ जबनी  
खुमनमाविचाखोएम ॥ उतावलकियातोएनहीसमजे ॥  
धीरेसमजायलेस्यांधरीप्रेम ॥ जी० ॥ ६ ॥ गुरुनेकहेचो

मासोनेलांकरस्यां ॥ चरचाकरसुंदोनुरुडीरीत ॥ सूत्रवां  
 चीनेनिरणोकरस्यां ॥ खोटीश्रद्धागोडस्याविपरीत ॥ जी०  
 ॥ ७ ॥ रुगनाथजीकहेचोमासुंनेलोकियां ॥ बलीमहारा  
 चेलानेलेवेसमजाय ॥ जीखुकहेजमवाजनेराखो ॥ त्यांने  
 चरचानीखवरपडेनहीकाय ॥ जी० ॥ ८ ॥ इणविधठपा  
 यगणायेकिया ॥ पणचरचानकीवीचित्तलगाय ॥ कर्मघ  
 णानेबहुलसंसारि ॥ तेतोफिणविध थावेठाय ॥ जी० ॥  
 ९ ॥ बजीबीजीवारमव्यावगडीमां ॥ कहेयेवीरवचनवीत  
 रीयां ॥ निरणयकरतांनिश्चैनजाण्या ॥ जवजीखुतमकेतो  
 डनीसरिया ॥ जी० ॥ १० ॥ बगडीसुंविहारकियोतिणवे  
 ला ॥ वावलवाजवालागीताम ॥ थजयणाजाणीठत्रीमां  
 वेठा ॥ रुगनाथजीआयातिणठाम ॥ जी० ॥ ११ ॥ व  
 लीजोकयणाव्याव्यासहेरवारो॥तेकहेजीखुनेवारवार ॥ टो  
 लोठोडीमतनिकलोवारे ॥ धीरपराखोवातविचार॥जी०॥  
 १२ ॥ रुगनाथजीकहेवातसुणोहमारी ॥ नहीनजोलाइ  
 णडुसमकाल ॥ शुद्धआचारसाधुरोनचाले ॥ हवेजीखु  
 इणविधजापेंरसाल ॥ जी० ॥ १३ ॥

दोहा. ॥ जीखुवलतानापेजलुं ॥ मेंकिममानुथारी  
 वात ॥ निरणोकियोसूत्रवाचिने ॥ तिणमेंसंकानहीतीज  
 मात ॥ १ ॥ ठेलादिनलगेंचालसे ॥ तीर्थधर्मथगाध ॥



मेंचोखोसाधुपणोपालसुं ॥ अरिहंतवचनआराध ॥ ५ ॥  
 ठतरीमावेवायका ॥ मोहथाण्योसाक्षात् ॥ मनमांहीचिं  
 ताहुइ ॥ पणगरजनसरीअंसमात ॥ ३ ॥ उदयजाणवो  
 व्याइस्यो ॥ आंसुपचकरोकेम ॥ टोलातणाधणीवाजने ॥  
 आठीनजागेएम ॥ ४ ॥ किणरोएकजावेतेरे ॥ चिताहो  
 वेअपार ॥ महारापांचजाएपरा ॥ गणमांपडेविगाड ॥ ५ ॥

ढाल त्रीजी कामणगारी ठे कामनीरें ए देशी.

फेरबोव्यारुगनाथजीरे ॥ येजासोकतरीरुदूर ॥ आ  
 गोथारोनेपीठोमहारोरे ॥ हुंलोकलगावीसपूर ॥ चरित्र  
 सुणोनीखुतणुरे ॥ १ ॥ एआंकणी ॥ नीखुवलतांनापे  
 नलूरे ॥ जीवणोकैतोएककाल ॥ चोखोसाधुपणुंपालस्यां  
 रे ॥ नहीलौपाजिनवरपाल ॥ च० ॥ २ ॥ विहारकीयो  
 बगडीयकीरे ॥ दुआरुगनाथजीपणलार ॥ चरचाकरी  
 वरखुंबडेरे ॥ तेसानलजोनरनार ॥ च० ॥ ३ ॥ रुगना  
 थजीईशडीकहेरे ॥ एडुसमकालसाक्षात् ॥ चोखुंसाध  
 पणुंपलेनहीरे ॥ मानोहमारीवात ॥ च० ॥ ४ ॥ नीखुक  
 हेजिनेनापिठेरे ॥ सूत्रआचारांगमाय ॥ ढीजाजागलएम  
 नापसेरे ॥ हमणाद्युनचलाय ॥ च० ॥ ५ ॥ बलसंघय  
 एहीणाकरीरे ॥ पुरोनपालेआचार ॥ आयुचजिनजीश्म

जापियोरे ॥ इमकहेसेजेपधार ॥ च० ॥ ६ ॥ साचीसूत्र  
 तणीवारतारे ॥ मानेनहीजगार ॥ समजाव्यासमजेनही  
 रे ॥ जवखष्टदुआतेणिवार ॥ च० ॥ ७ ॥ नीखनजीआ  
 ठेठेइतिहारे ॥ तेरेजणादुआतैयार ॥ पाठीदिहालेवान  
 णीरे ॥ करवाआतमनुंउधार ॥ च० ॥ ८ ॥ थावकपण  
 तिणथवसरेरे ॥ जोधाणसेरमेंताम ॥ तेरेजाइयेपोमाकि  
 यारे ॥ तिणदियोतेरापंथनाम ॥ च० ॥ ९ ॥ पाखमपं  
 थदूरेकियोरे ॥ देखरह्याअरिहंत ॥ थनेरोपंथमानेनहीरे  
 ॥ जाणीयेंतेरापंथीतंत ॥ च० ॥ १० ॥ गयादेशमेवाढ  
 मेंरे ॥ केजवाढेसहेरमोजार ॥ थाझालेइथरिहतनी  
 रे ॥ पचख्यापापअढार ॥ च० ॥ ११ ॥ संवतअढारसं  
 तरोतरेरे ॥ थासाढणुइपुनेमजाण ॥ सयमजियोस्वा  
 मिजीयेंरे ॥ करीजिनवचनप्रमाण ॥ च० ॥ १२ ॥ हर  
 नाथजीहाजरहतारे ॥ टोरुजतीतीखासुविनीत ॥ परम  
 नक्तासीखपाटवीरे ॥ इहाराखीपूजनीपरतीत ॥ च० ॥ १३ ॥  
 दोहा ॥ चारित्रलीयोचूंपसु ॥ पाखमपंथनिवार ॥  
 नवियणरेमननावता ॥ दुआमहोटाअणगार ॥ १ ॥  
 उदेउदेपूजाकही ॥ श्रमणनियंथनीजाण ॥ तिणसुपूज  
 प्रगटथया ॥ एजिनवचनप्रमाण ॥ २ ॥ वलीवकचूली  
 यामांवारता ॥ त्रैपनापठीविचार ॥ अधिकपूजाअरिहंते

कही ॥ श्रमणनिग्रंथनीश्रीकार ॥ ३ ॥ तिणसुंपूजपूजा  
 विया ॥ दिनदिनअधिकदयाल ॥ उपकारकिधाअतीघ  
 णा ॥ मटघामोहजंजाल ॥ ॥ ॥ किहांकिहांविचखा  
 स्वामिजी ॥ किहांकिहांकियाउपकार ॥ थोडोसुंप्रगटक  
 ॥ तेसुणजोविस्तार ॥ ५ ॥

॥ ढाल चोथी आठे लालनी देखी ठे. ॥

हाडोतिदुंढाड ॥ वलीमरुधरदेशमेवाड ॥ आठेजाल ॥  
 एचारुंदेशमाथाविआजी ॥ १ ॥ पाखंमउठयाअनेक ॥  
 पूजेमेटयाआणिविवेक ॥ आ० ॥ सूत्रचरचानाजोर  
 सुंजी ॥ २ ॥ करतापरउपकार ॥ पाठाआव्यामारवाम ॥  
 आ० ॥ चरमउपकारहुउंघणोजी ॥ ३ ॥ चारनायानेबा  
 यांतात ॥ त्यांदिक्कालीधीपुज्यरेहाय ॥ आ० ॥ वैराग्येघर  
 ठेडियाजी ॥ ४ ॥ चांणोदआठेदेइजाण ॥ पीपार ताइपी  
 ठाण ॥ आ० ॥ ठेलादर्शनदियापूज्यजी ॥ ५ ॥ गामनगरक  
 रताउपकार ॥ आव्यासोजतसेरमोजार ॥ आ० ॥ राय  
 मलनीठत्रीमेउतखाजी ॥ ६ ॥ हुकुमचदआठोआयोता  
 म ॥ पूज्यनेवाधासीसनाम ॥ आ० ॥ वीनतितोविधसुं  
 करीजी ॥ ७ ॥ चोमासोकरोसिरियारीमांय ॥ पक्कीहाटें  
 बिराजोआय ॥ आ० ॥ पूज्येमानीलीधीवीनतिजी ॥ ८ ॥

बगमीकंटालियेहोय ॥ वीनतिघणीकीधीजोय ॥ आ० ॥  
 चोमासारीथरजमानीनहीजी ॥ ९ ॥ पुज्यआयासिरिया  
 रोचलाय ॥ दिआोचोमासोठाय ॥ आ० ॥ आइालेइपकीहा  
 टमाउतखांजी ॥ १० ॥ चारमलजीखेतजीउठेराम ॥  
 रायचदजीब्रह्मचारीताम ॥ आ० ॥ जीवोमुनीविरा  
 गीनगजीनक्तिमांजी ॥ ११ ॥ आवणमासमोजार ॥  
 आवश्यकअर्थेविचार ॥ आ० ॥ जसिजखिशीप्यनेवता  
 वताजी ॥ १२ ॥ गोचरीफखाठामठाम ॥ दर्शनदेवाका  
 म ॥ आ० ॥ आवणगुणपुनमलगेजी ॥ १३ ॥  
 दोहा ॥ ओपमातोआठीरुही ॥ श्रमणनिग्रंथनेओकार ॥  
 चोरासीअतीदीपती ॥ अनुयोगदारमोजार ॥ १ ॥ वलीदस  
 माअंगअधिकारमां ॥ कहोत्रीसउपमांतत ॥ श्रमणनि  
 ग्रंथनेसोनती ॥ जापीगयाजगवत ॥ २ ॥ वलीपदद  
 शदीपीओपमां ॥ बहुश्रुतनेओकार ॥ उत्तराध्ययनअव्य  
 नङ्ग्यारमें ॥ वीरेकह्योविस्तार ॥ ३ ॥ इणअनुसारेओ  
 लखो ॥ नीखुनेनलीनात ॥ ओपमागुणआठाघणा ॥  
 ल्यारोपारनकोइपावत ॥ ४ ॥ गुणवतगुरुरागुणगाविया ॥  
 तीर्यकरनामगोत्रबंधाय ॥ हवेउपमासहितगुणवरणबु ॥  
 तेसुणजोचितलाय ॥ ५ ॥

ढाल पांचमी हरियानेरंगजरियाजी निलाजिननि  
रखुनेएसुं ए देशी ॥

आदिनाथआदेसरजीजिनेश्वरजगतारणगुरु ॥ धर्म  
आद्यकाढीअरिहंतऽणहुसमेआरामांकरमकाटयाजी ॥ प्र  
गटयाआदिजिणदज्युंएअचरिजअधिकआवत ॥ १ ॥ सा  
धनीखुसुखदायाजीमननाथानवियणजीवने ॥ ए आंक  
णी ॥ स्यामवरणअतिसोहेजीमनमोहेनेमजिणंदज्युं ॥  
ज्यारीवाणीअमियसमाण नवियणरेमनजायांजी ॥ चि  
त्तलायांतीरयचारमांमुनीगुणरतनारीखाण ॥ साध० ॥  
॥ २ ॥ कालवादीआदिजाणीजी मतआणीमारगठ  
थापवा ॥ कुवख्याकेलव्याकुड पारखंमगोचापोचाजी ॥  
काइज्ञानकरीगिरवामुनी ॥ चरचाकरीकियाचकचूर ॥  
साध० ॥ ३ ॥ संखठज्वलश्रीकारीजी पयधारीदोनुदीप  
ती ॥ बगडेनहीदूधलगार ज्युंतपजपक्रियाकीधीजी ॥ क  
रलीवीआतमउजलीपयदशयतिधर्मधार ॥ साध० ॥ ४ ॥  
कुमुददेशनोघोडोजीअतीसोरोकरेसिरदारने ॥ नहीआणे  
एरलगार ॥ ज्युनवियणनेथेताखाजी ॥ उताखापारसंसारथी  
॥ सुखेजासेमुगतमोजार ॥ साध० ॥ ५ ॥ सूरसिरोम  
णीसाचोजी ॥ नहीकाचोजडतांकटकर्म ॥ सुवनित

अथव्यसवार ॥ ज्युंकरमकटकदलदीगोजी ॥ जश  
 लीथोजाजोजगतमा ॥ चढ्यासूत्रथग्वेश्रीकार ॥ सा  
 ध० ॥ ६ ॥ हाथीहथिणापुरवारोजी ॥ बलधारीदिन  
 दिनदीपतो ॥ वधेशावरसगुहमान ॥ ज्युंतैयालीसवर  
 सालगेंजाजाजी ॥ तपताजातेजतीखारह्या त्यांरापराक्रमप  
 णपरधान ॥ साधु० ॥ ७ ॥ वृखनसिधखंधनारीजी ॥ स  
 रदारीगायांगणमध्ये ॥ ठेठनारचहेनलीजांत ॥ ज्युंगण  
 नारठेठनिनायाजी ॥ चलायातीरथचुपसु ॥ सहुसाधामां  
 हेसोहंत ॥ साध० ॥ ८ ॥ सिंहमृगादिकनुंराजाजी ॥ थ  
 तीताजादाढातेजसु तेनेजीवनजीपेकोय ॥ ज्युकेशरी  
 नीपरेगुंज्याजी ॥ सदाधुज्यापांखमीयाकसुं ॥ थानेगंजस  
 ष्योनहीकोय ॥ साध० ॥ ९ ॥ वासुदेवबलजाणोजी ॥ व  
 खाण्योवीरचरित्तमा ॥ संखचक्रगदाधरणहार ॥ थाराहा  
 नदर्शनचारित्रतीखाजी ॥ नहीफीकात्यांकरतेजसुं ॥ पूज्ये  
 पांखमदिथ्योनिवार ॥ साध० ॥ १० ॥ आखानरत  
 नोराजाजी ॥ अतिताजासेन्यासजकरी ॥ आण्येवैरियां  
 रोथंत ॥ थेंपाखंमसहुथ्योलखायाजी ॥ हटायांबुद्धउत्पा  
 तसुं ॥ तत्ववतायातत ॥ सा० ॥ ११ ॥ सक्रेड्सिरदारीजी  
 वज्रधारीसुरमांसोजतो ॥ जखादिकनेजीपेजाण ॥ जिम  
 सूत्रवज्रसरिकारीजी ॥ बलधारीबुद्धउत्पातसुं ॥ पूज्येपा

डीपाखंभियारीहांण ॥ सां० ॥ १२ ॥ आदित्यउग्याआ  
 कासेंजी ॥ विणासेतिमिरतेजसुं ॥ अधिकोकरेउद्योत ॥  
 ज्युंअज्ञानअंधागेमेढायोजी ॥ बतायोमारगमोद्धरो ॥  
 घणाराघटमांधालीज्योत ॥ साध० ॥ १३ ॥ चंदसदासुख  
 कारीजीपरिवारिग्रहनाघणमध्ये ॥ सोमकारीसोचंत ॥  
 ज्युंचारतीरथसुखदायाजी ॥ मनजायांनवियणजीवने ॥  
 नीखुनलाजशवत ॥ सा० ॥ १४ ॥ लोकवणाआधारीजी  
 अतीनारीगानकरीनखा ॥ तेकोठागारकहाय ॥ ज्युंज्ञाना  
 विकगुणनरियाजी ॥ परवरियापुज्यप्रगटथयां ॥ आधार  
 नूतअथाय ॥ साध० ॥ १५ ॥ सर्ववृद्धांमांअतिसोहेजी ॥  
 मनमोहेदीसेदीपतो ॥ जवुसुदर्शनजाण ॥ ज्युंसंतामां  
 सोरदारीजी ॥ मतनारीनीखुनरतमां ॥ दुआअचरिजका  
 रीसुजाण ॥ १६ ॥ सीतानदीतिरेजाणीजी वखाणीवीर  
 सिद्धातमा ॥ पांचसोजोजनप्रवाह ॥ ज्युंतपज्योतेअतीती  
 खाजी ॥ नहीफीकारह्याजफावता ॥ सदाकालसुखदाय ॥  
 ॥ साध० ॥ १७ ॥ मेरुनीउपमाआढीजी ॥ नहीकाचीक  
 हीकपालजी ॥ तेवंचोवणुअत्यंत ॥ औषधअनेकठा  
 जेजी ॥ विराजेगुणत्यांमेंघणा ॥ ज्युंइवहुश्रुतबुद्धवंत ॥  
 साध० ॥ १८ ॥ स्वयनूरमणसमुद्देजी ॥ पुरोपावराजप  
 होलोकह्यो ॥ प्रनूतरतननरपूर ॥ ज्युंसागरजेमगंजीरां

जी ॥ सूरवीरांगुणकरीगाजतां ॥ सूत्रचरचामांसूर ॥ सा  
 ध० ॥ १९ ॥ एषदृशउपमांयागीजी एसाचीसूत्रमांकही  
 बहुश्रुतनेश्रीकार इणेअनुसारेजाणोजी पीठाणो करल्यो  
 पारखुं एनीखुगुणरानंमार ॥ साध० ॥ २० ॥ उपमा  
 अनेकगुणगजेजी ॥ विराज्यांगाधीवीररी ॥ पूज्यपाटला  
 यकगुणगाय समुद्रजेमअथागजी ॥ जलथागजिनजाण्यो  
 नही ॥ गुणपूराकेमकहाय ॥ साध० ॥ २१ ॥ पाटलायक  
 शीष्यजालीजी ॥ सुहालीप्रकृतिसुंदरु ॥ नारमलजीघेरगं  
 निर ॥ पदवीधिरकरीयापीजी ॥ कांश्चापीतेहअचारजे  
 जाणीसुविनितसुधीर ॥ साध० ॥ २२ ॥

दोहा ॥ चरमकव्याणकहुउंघणु ॥ तिणरोसुणोत  
 हुविस्तार ॥ सरियारिमास्वामिजीविराजियां ॥ हवेनाइ  
 वामासमोजार ॥ १ ॥ अल्पअशाताफेरातणी ॥ कांश्क  
 जणाणीजाण ॥ उरअधिकअशातानउपनी ॥ पूर्वलापु  
 एप्रमाण ॥ २ ॥ जेनेपूर्वपापप्रबलहुवे ॥ तेरीवेघणादिन  
 रात ॥ एवीअशातावेदनीयारेनही ॥ एषदवीधरपूज्य  
 विख्यात ॥ ३ ॥ हवेपंजोसणामोपरवडा ॥ तिनटंकहु  
 वेवखाण ॥ नरनारीआवेघणा ॥ सुणवासुंदरवाण ॥  
 ४ ॥ शुक्लपद्मसुहामणु ॥ मासनाइवोजाण ॥ चोथज  
 आवीचांदणी ॥ आयुनेडोआयोपीठाण ॥ ५ ॥ सत्य



योगीने स्वामीकहे ॥ थें आठाशीप्यसुनित ॥ साजदियो  
 थेंमुजजणी ॥ मेंसंयमपाव्योरुडोरीत ॥ ६ ॥ टोकरजीती  
 खाहूता ॥ विनयवंतविचार ॥ नक्तिकरीजारीवणी ॥ सु  
 विनीतदूथाश्रीकार ॥ ७ ॥ नारमलजी सुंजेजपघणी ॥  
 रहीजरुडी रीत ॥ जाणोपाठजनवतणी ॥ लगतोहुंती  
 प्रीत ॥ ८ ॥ एतिनारासांह्यथी ॥ मेपाव्योसंयमनार ॥  
 चित्तसमाधरहीगणी ॥ रहीज एकणधार ॥ ९ ॥ उत्तरा  
 ध्ययनपहेजाध्ययनमें ॥ जाप्योवीरजिणंद ॥ शीप्यसुविनी  
 तदुएसदा ॥ तोगुरुनेरेवेआणद ॥ १० ॥

ढाल, ठीपंथीडारेवात कहेने धुरवेहथरि॥ एदेशी.

देवेरेदेवेसीखामणस्वामजीरे ॥ सासणचलावणका  
 मरे ॥ साधजरेसाधश्रावकनेश्रावकारे ॥ घणासुणताति  
 णगामरे ॥ सुणजोरेसुणजोसीखसोहामी तणीरे ॥ १ ॥  
 एआकणी ॥ मुजनेरेमुजनेजाणताजिणविधिरे ॥ राख  
 तामुजपरतीतरे ॥ तिमहिजरेतिमहिजपरतीराखजोरे ॥  
 नारमलजीरीएहिजरीतरे ॥ सुणजो ॥ २ ॥ आझारे  
 आझालोपे एहनीरे ॥ दोषलाग्यांकाद्वेषणवाररे ॥ तिण  
 नेरेतिणने साधुमतसर्दजोरे ॥ मतगणजोतीरथमोजाररे  
 ॥ सु ॥ ३ ॥ आझारेआझाआराधेएहनीरे ॥ सदारहे

वेशुननीतरे ॥ सेवारेसेवाजक्तिकरजोएहनीरे ॥ अंजि  
 न मारगनीरीतरे ॥ सु० ॥ ४ ॥ मॅपदवीरेपदवीदीवीठे  
 एहनेरे ॥ नारलायकजाणीनारमलरे ॥ संकारे संकामू  
 लमराखजोरे ॥ एयामेअसलसाथारीचालरे ॥ सु० ॥ ५  
 शुद्धरेशुद्धसाधनेसेवजोरे ॥ अणाचारीसुरहेजोदूररे ॥ आ  
 ठेलीरेठेलीसीखामणधारजोरे ॥ ज्युंकरमकरोचकचूर  
 रे ॥ सु० ॥ ६ ॥ उंसनारेउंसनानेवलीपासठारे ॥ कु  
 शीलियापरमादिपीठाणरे ॥ आपठंदारेआपठंदाआपठंमे  
 रेवेसहिरे ॥ तिणेजागीनगवतआणरे ॥ सु० ॥ ७ ॥  
 यांपांचुनेरेपांचुनेप्रचुनिपेधियारे ॥ झातानिसीठविसाल  
 रे ॥ तियारीसंगरेसंगपरचोकरवोनहीरे ॥ आवांधी  
 नगवतपालरे ॥ सु० ॥ ८ ॥ आणदरेआणदआवकेअजिग्र  
 हलियोरे ॥ जिनमतथीजेन्यारोजाणरे ॥ तियांरीसेवारे  
 सेवाजक्तिकरवीनहीरे ॥ पेलावोलाव्यारापञ्चखाणरे ॥ सु०  
 ॥ ९ ॥ वीरेवीरजिणंदवखाणिउरे ॥ आणंदअजिग्रह  
 श्रीकाररे ॥ येएहिजरेएहिजरीत आराधजोरे ॥ जिमपा  
 मोनवजलपाररे ॥ सु० ॥ १० ॥ सघलारेसघलासाध  
 नेसाधवीरे ॥ राखजोहेतविशेपरे ॥ जिणतीणनेरेजिण  
 तिणनेमतमुंठजोरे ॥ विह्वादेजोदेखदेखरे ॥ सु० ॥ ११ ॥  
 कोइदोपजरेदोपलगावेगणमध्येरे ॥ बलीकर्मवगेंबोले

कूडरे ॥ काणजरेकाणमतराखजोतेहनीरे ॥ प्रायश्चित्तनलियेतोकरजोदूररे ॥ सु० ॥ १२ ॥ आदीधीरेदीधीसीखामणस्वामीजीरे ॥ एकांततारणनेतामरे ॥ उरजरेउरकारणत्यांनेकोनहीरे ॥ तिणसुंसीजेनिकेवलकामरे ॥ सु० ॥ १३ ॥

दोहा ॥ प्रथमवचनश्रीपूज्यना ॥ चरमवचनचमत्कार ॥ उपदेशतोआठोकह्यो ॥ तेसांजलतांसुखकारा ॥ १ ॥ शुद्धगतिजावेजेहना ॥ जैसाइरहेपरिणाम ॥ गंगानीरपरेनिरमला ॥ चित्तरहेएकणठाम ॥ २ ॥ परमजक्ताशीष्यआठिवे ॥ ठेठसुधीपूठघोवारंवार ॥ कांइअशाताआपरे ॥ स्वामीकहेनहीलिंगार ॥ ३ ॥ श्रीवीरमुगतविराजिया ॥ सौजपहोरकियोवखाण ॥ इणोडुसमआराइधकमें ॥ तिमहिंजजीखुजाण ॥ ४ ॥ वलीउपदेशदियोकिणविधें ॥ किणविधबोल्यावाण ॥ नव्यजीवालुमेसांजलो ॥ चित्तनेआणीठिकाण ॥ ५ ॥

ढालसातमी चतुरनरवातविचारोएह एदेशी

नारमलजीआर्देसाधांजणीरे ॥ श्रीपूज्यजीकेवेढेबोलाय ॥ चरमसीखामणमाहेरीरे ॥ सांजलजोसुखदाय ॥ नधिकरेजीखुदेउपदेश ॥ १ ॥ एआंकणीढे ॥ मेंतोजावत

दीसांपरनंवेरे ॥ संकानदीसेकांय ॥ मरणारोनयमाहरे  
 नहीरे ॥ हैयदेहर्षयथांय ॥ न० ॥ १ ॥ मेंचारित्रिदि  
 उधणाजणनणीरे ॥ समकितपमाइरुडीरीत ॥ आवक  
 आविकाकियाघणारे ॥ एकंततारणनीनीत ॥ न०॥३॥  
 मेंजोमाकीधीजुगतसुंरे ॥ समजाव्यांनरनार ॥ उंणायत  
 रहीनहीरे ॥ माहरामनहमोजार ॥ न० ॥ ४ ॥ थेंपण  
 रेजोनिर्मजारे ॥ मोहमतकरजोलिगार ॥ थरिहंतवचन  
 थाराधजोरे जिमनिश्चेखेवोपार ॥ न० ॥ ५ ॥ रायचंद  
 जीब्रह्मचारीनेश्मकेवेरे ॥ तुमेठोवालकबुद्धवान ॥ मोह  
 मतकरजोमाहरोरे ॥ राखजोरुमोप्यान ॥ न० ॥ ६ ॥  
 ब्रह्मचारीकहेवेस्वामिनेरे ॥ थापपधारोछुद्धगतिमांय ॥  
 पंमितमरणकरोनजोरे ॥ हुंमोहथाणुकिणन्याय ॥ न०  
 ॥ ७ ॥ वलीपूज्यवाणीइणविधवदेरे ॥ थेंथाराधजोथा  
 चार ॥ इयांजापानेएखणारे ॥ लोंपजोमतीलिगार ॥ न०  
 ॥ ८ ॥ जंमउपकरणलेतांमेलतारे ॥ परवतांपुजतांताम ॥  
 जयणाकिजोयुगतसुंरे ॥ जिमस्तीजेथात्मकाम ॥ न०  
 ॥ ९ ॥ शीप्यशीप्यणीउपकरणउपरेंरे ॥ ममतामकिजो  
 कोय ॥ ममतामोहकियांथकारे ॥ करमतणुंवधहोय ॥  
 ॥ न० ॥ १० ॥ पुदगलममताकोश्मतकरोरे ॥ इणमम  
 तासुंहु.खथाय ॥ समतासदाइराखजोरे ॥ जिमजावो

वेगामुगतगढमांय ॥ ज० ॥ ११ ॥ प्रथमनक्तशीप्यपाटवी  
 रे ॥ तवबोलेएवीवाय ॥ विरहपडेदर्शनतणुंरे ॥ तवपू  
 ज्यबोल्यासुखदाय ॥ ज० १२ ॥ र्येंसंयमआराधीसुरथ  
 सोरे ॥ मुजथीमहोटाअणगार ॥ महाविटेहखेत्रमध्येरे ॥  
 यारादेखजोदीठार ॥ ज० १३ ॥

दोहा ॥ सत्ययोगीकहेश्रीपूज्यने ॥ आपजासोजीम  
 रेमांहे ॥ स्वामिकहवेसुणोसाधजी ॥ महारेजीमतणीन  
 हीचाह ॥ १ ॥ पुजलिकसुखठेपावजा ॥ मेजोक्तयाअ  
 नंतीवार ॥ त्यारीवांठामूलकरुंनही ॥ माहरेजाबुंसुक्तमो  
 जार ॥ २ ॥ सकाममरणकरीस्वामिजी ॥ एफमितमर  
 णपीठान ॥ आलोयणाआठीररी ॥ दुइगयाद्युअसुजा  
 ण ॥ ३ ॥ सदानिर्मलथास्वामिजी ॥ पणमरणअंत  
 विशेष ॥ नरमाइकरेघणी ॥ परनवसामुंदेख ॥ ४ ॥ आ  
 लोयणाकिणविधकरे ॥ तिणविधनाहताजाण ॥ वचनअ  
 मुजकवागरे ॥ तेसुणलोचतुरसुजाण ॥ ५ ॥

॥ ढालआठमी हवेराणीपटमावती एदेशी ॥

अरिहंतसिद्धनीसांखसुं ॥ वमाशीप्यसुवनोत ॥ वजी  
 सत्ययोगीरीसांखसुं ॥ वचनवदेरुमीरीत ॥ सुणजोआ  
 लोयणस्वामितणी ॥ १ ॥ एआकणीठे ॥ चोरासीजाख

जोवायोने ॥ खमाबुंकरीखांत ॥ रागद्वेपनहीमाहरे ॥  
 तेदेखीरह्याथरिहंत ॥ सु० ॥ २ ॥ शीष्यसुविनीतदुष्टा  
 घणा ॥ केईकुशीष्यश्रविनीत ॥ कठणवचनकह्यातेहने ॥  
 खमाबुंरुढीरीत ॥ सु० ॥ ३ ॥ साधविधांसतियांमध्ये ॥  
 कहिकरनीविचार ॥ कठणसीखदीवीहुवे ॥ तेखमाबुवा  
 रंवार ॥ सु० ॥ ४ ॥ श्रावकनेवलीश्राविका ॥ केईकाने  
 करडादेख ॥ कठणवचनकियाहुवे ॥ तेखमाबुंविशेष ॥  
 सु० ॥ ५ ॥ चारतोर्येनेष्टुद्धचलावियां ॥ सीखदीवीसुख  
 दाय ॥ करडोकाठोलागोहूवे ॥ त्यांनेदेजोखमाय ॥ सु०  
 ॥ ६ ॥ मेंचरचाकीवीश्रुंपसुं ॥ घणासुंठामगाम ॥ कठणव  
 चनकह्याजाणीतेहने ॥ खमाव्यालेईलेईनामा ॥ सु० ॥ ७ ॥ जि  
 नमार्गनादेषीत्रेयणा ॥ तेकूडीकरेवकवाय ॥ वेदश्राव्यो  
 हुवेकिणउपरे ॥ तेसहुनेदेजोखमाय ॥ सु० ॥ ८ ॥ त्र  
 सयावरश्रावेजीवठेयणा ॥ त्यारीहिंसालागीहोय ॥ मन  
 वचनकायाकरी ॥ मिष्टाडुकडमोय ॥ सु० ॥ ९ ॥ क्रो  
 धमानमायाकरी ॥ लोननयवसहोय ॥ जेकोऽच्छुठलागोहु  
 ए ॥ मिष्टाडुकडमोय ॥ सु० ॥ १० ॥ कोऽथदत्तमुने  
 लागोहुए ॥ सुताजागताहोय ॥ ममताधरीहोवेमधुनथी  
 ॥ तेथालोयणखातेजोय ॥ सु० ॥ ११ ॥ शीष्यशीष्य  
 णीवस्त्रपात्रउपे ॥ धर्माकीधीदेख ॥ मनवचनका

री ॥ मिठाडुक्कडविशेष ॥ शु० ॥ १२ ॥ एहवीअलो  
 यणाशुणी ॥ आणेमनवैराग ॥ तेपणकर्मखपावेआपरा  
 ॥ पामेअखअथाग ॥ शु० ॥ १३ ॥

दोहा ॥ पांचेआश्रवमाहेलो ॥ लागोहुएकोइवार  
 ॥ व्रतसंन्यासास्वामिजी ॥ आलोयाअतीचार ॥ १ ॥ व  
 डाशीप्यसुवनीतरी ॥ छुगतीमलीजजोड ॥ जाहारेकांइरा  
 खीनही ॥ काटवाकरमकठोर ॥ २ ॥ थोडीअशाताफेरा  
 तणी ॥ ओरअसातानहीतिणवार ॥ पटशीप्यसेवासांच  
 वे ॥ एवांपुण्यसंच्यासार ॥ ३ ॥ आझावपरआदरी ॥  
 नीखुनलेजनाव ॥ जन्मसुधाखोजुगतिहुं ॥ जाणेतरेण  
 रोदाव ॥ ४ ॥ सखरीकरीसंलेपणा ॥ अणसणनुंअधि  
 कार ॥ नावधरिनिवियणसुणो ॥ आलशअंगनिवार ॥ ५ ॥

॥ ढालनवमी आवियो रावण एदेशी ॥

जाइवासुक्कपंचमिप्रगटी ॥ चोथजगतचउविहारठावे  
 अशाताअधकीटपातणीउपनी ॥ तोहिसुरकायरपणुना  
 होलावे ॥ कररहोजीवतुंनगतनीखुतणी ॥ १ ॥ एथांक  
 णी ॥ पारणुकियोपांचमप्रजातरो ॥ औपधअल्पसुंअहा  
 रलीयो ॥ तेपणअहारसमुनहीप्रगम्यो ॥ तिणेदिनत्रण  
 अहाररोल्यागकियो ॥ क० ॥ २ ॥ सातमआठमअहा

रत्नेयत्पुंसुं ॥ ततः कृणुत्यागतोकरलेवे ॥ पुञ्जस्वरूपतो  
 पूज्यपितृणिने ॥ आशावांशसद्गुमेददेवे ॥ क० ॥ ३ ॥  
 खरेमतेकहेखेतसीखातकर ॥ तरततोत्यागरोनाहीकेणो ॥  
 पूज्यकहेदेहपातलीपाठवी ॥ तेरसदिनतोअणसणले  
 णो ॥ क० ॥ ४ ॥ वीरधोशेवतोआवकसनमुखे ॥ वि  
 विधप्रकारेसुखडीआपे ॥ पूज्यकहेइहानहीमाहरे ॥ थिर  
 करीमोक्षसुंप्रीतथापे ॥ क० ॥ ५ ॥ नाइवासुक्कपखनव  
 मीतणेदिने ॥ पूज्यकहेअहारतोत्यागलेउं ॥ सत्ययोगी  
 कहेमुज्जहाथरोचाखिए ॥ चरमअहारथोडोआणदेउं ॥  
 क० ॥ ६ ॥ अल्पसोअहारलाव्यास्वामिखेतसी ॥ चाख  
 करततः कृणुत्यागकीधो ॥ एतोमनराखुंसुविनीतशीप्यत  
 णु ॥ पणइह्यासुंअहारत्यांनाहीलीयो ॥ क० ॥ ७ ॥ दश  
 मतणेदिनपरमजगताशीप्य ॥ पूज्यजीआहारव्योएमजापे  
 ॥ चालीसचावलदशमठरेआसरे ॥ वीनतीमान्नीनेतेहचा  
 खे ॥ क० ॥ ८ ॥ इग्यारसेतोपूज्यअहारत्यागोदियो ॥  
 अमलपाणीरोआगारराख्यो ॥ हवेमुज्जअहारलेतोमतजा  
 णाजो ॥ वचनअमुलकएमजारख्यो ॥ क० ॥ ९ ॥ सनमु  
 खपधारियांतावडोआवियो ॥ बारसवेलोथिरकरतायो ॥  
 सक्तिइसीरहीअहारकियाविना ॥ एअचरिजअधिकेआ  
 यो ॥ क० ॥ १० ॥ जीवणआर्धेअरजकींधीहाटनी ॥



तोहीपूज्यपकीहाटआयवेग ॥ सेणसोखाकिउविसराम  
 तिहांजियो ॥ स्वामितोमनमांहेअधिकसेग ॥ क० ॥ ११ ॥  
 सुखेसुतादेखीपूज्यपरमगुरु ॥ रिखरायचदआएएमबोले ॥  
 रुपातोकिजियेंदरिणदिजिये ॥ तामतोपूज्यजीनयन  
 खोले ॥ क० ॥ १२ ॥ पूज्यसुंवीनवेपराक्रमहीणापड्या ॥  
 ब्रह्मचारीविनयसुंएमबोले ॥ केसरनीनीपरेंवयणहीयढेध  
 रे ॥ तामतेआपरोतेजतोले ॥ क० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ बोलाव्याजारमलजीजणी ॥ बलीखेतसी  
 सुजाण ॥ यादकरताआविया ॥ चटकेउजाआण ॥ १ ॥  
 अरिहंतसिद्धप्रणमीकरी ॥ पोतेजकियापञ्चखाण ॥ ति  
 नअहाररात्यागजावजीवढे ॥ उंचेस्वरबोल्याइमवाण ॥ २ ॥  
 प्रथमनगताशीष्यइमकहेवे ॥ केमनराख्योअमलरोआगा  
 र ॥ स्वामिकहेआगारकिसोराखणो ॥ किस्तीकरवीदेहीनीता  
 र ॥ ३ ॥ बारसदिनबेळामध्ये ॥ दोयधंडोदिनजाण ॥  
 कखोसंथारोस्वामीजी ॥ मनमाउजमआण ॥ ४ ॥ खबर  
 थइअणसणतणी ॥ घणाआव्यादर्शनकाज ॥ वैराग्यव  
 ध्योअतीवणो ॥ कहेधनधनएमुनीराज ॥ ५ ॥

ढालदशमीनव्यजीवांतुमेजिनधर्म तुलखोएदेसी  
 कोइकहवेसंथारोसोजेस्वामीतणो ॥ तिहांजगेमारेहो

काचापाणोगपञ्चखाण ॥ कोइकहेकुशीलरात्यागठे ॥ घ  
 एठोडघाहोस्नानसमताआण ॥ नव्यजीवातुमेवादोनी  
 खुजावसुं ॥ १ ॥ एथांकणो ॥ कोइअग्रआरजनहीआद  
 रे ॥ कोइकरेहोठकायहणवारात्याग ॥ केइकारेलीजोत  
 रीखाणीनही ॥ इत्यादिकहोहुअथत्पंतवैराग ॥ न०  
 ॥ २ ॥ केइधर्मतणाधेपीहुंता ॥ तेपणअचरिजहोपाम्या  
 तेणीवार ॥ अनम्यापणआवीनम्या ॥ तिणेपणजाण्योहो  
 एमार्गततसार ॥ न० ॥ ३ ॥ परिकमणुकियापठेकहेपूज्यजी ॥  
 शीप्यनेकहेहोविधसुंकरोवखाण ॥ शीप्यकहेवखाणरोसुं  
 विशेषठे ॥ पूज्यबोल्याहोपाठाअमृतवाण ॥ न० ॥ ४ ॥  
 क्याइआर्यायेअणतलियोहोवे ॥ तिणठामेंहोजायकरो  
 वखाण ॥ मुजअणतणमें उठरंगसुं ॥ उपदेशहो  
 देवोहोमहोटेममाण ॥ न० ॥ ५ ॥ वखाणकियोविस्तार  
 सुं ॥ सुखेसुताहोपाठलीरातमाय ॥ जेतोजीआयासमाय  
 ककरवाजणी ॥ तिहांप्रणम्याहोपूज्यजीरापाय ॥ न०  
 ॥ ६ ॥ गुणग्रामकियात्यांअचोवणा ॥ धनधनकहेवेहो  
 आपमहोटाअणगार ॥ पूज्यकहेवपरिणामचोखामाह  
 रा ॥ तिणरीसंकाहोमतआणजोलिगार ॥ न० ॥ ७ ॥ आपें  
 पाणीपीवोपूज्यजी ॥ पहोरदिनहोजाजेरोआव्योजाण ॥  
 चरमशब्दचारुंकह्या ॥ अचरिजकारीहोबोल्याअमृतवा

ए ॥ ज० ॥ ७ ॥ साधुश्रावकमुणतांकह्यो ॥ सुंसव्रत  
 होकरावो सहरमांय ॥ सामाजावोसाधआवेअवे ॥ आ  
 रजियाहोआवेअवेचलाय ॥ ज० ॥ ए ॥ चोथोशब्दस्तमो  
 कह्यो ॥ धीरेबोल्याहोतिणरीविगतनकां॥ ज० ॥ १० ॥  
 नारमलजीस्वामिश्मवीनवे ॥ थानेहोइजोहोस्वामीतरणा  
 चार ॥ किणहीमांहेमनमतराखजो ॥ आपकियोहोघणा  
 जीवांरोउदार ॥ ज० ॥ ११ ॥ अवधिज्ञानउपनुंनजा  
 एयो ॥ तिणसुंपाठोपूठघोनहीजिगार ॥ इहांजाएयोमन  
 साधामेंगयो ॥ पाठोनहिकियोहोइणवातगेविचार ॥ ज०  
 ॥ १२ ॥ घणागामांराश्रावकश्राविका ॥ दरसनकरवाहो  
 आव्याबहुगठ ॥ चरमउठवकियोचूंपसुं ॥ इतडोदूथो  
 होसरियाजीमेंगठ ॥ ज० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ पालीसुंचाव्यापाधरा॥दोयसाधआयातिण  
 वार ॥ रिखवेणीदासनेकुशलजी ॥ देखीअचरिजपान्यानर  
 नार॥१॥ पगप्रणम्याश्रीपूज्यरा॥जबदियोमाथेहाथ ॥ सा  
 तापूठीपाठानिकल्या ॥ पणमुखसुंनकीधीवात ॥ २ ॥ इ  
 णडुसमआरातेहमे ॥ अवधवागरियोनहीजात ॥ पण  
 संयमआराध्योस्वामीजी ॥ तिणगुंकहीअत्पसीवात ॥  
 ॥ ३ ॥ हुवेवैमानीकदेवता ॥ तिणनेअवधउपजेआय ॥  
 ॥ नाषिगयाजिनराय ॥४॥ इणलेखे

ज्यजीतणे ॥ अथवज्ञानउपनुंथाय ॥ निश्चेतोजाणेके  
ली ॥ पणसंकानरहीकाय ॥ ५ ॥

ढालङ्ग्यारमी रामको सुजस घणु ए देशी  
दोऽसाधथायातिकेरे ॥ बोलेवेकरजोड ॥ दरशनदी  
दयालरोरे ॥ पुण्यामननाकोड ॥ नीखुनजोनावसुरे  
॥ १ ॥ एथाकणीठे ॥ रिखवेणीदाशइमवीनवेरे ॥ था  
होजोसरणाचार ॥ तुमसरणमुऊनवोनवेरे ॥ होजो  
सारवार ॥ नी० ॥ २ ॥ जेशोहीमारगजिनतणुरे ॥  
सोहीजमायोथाप ॥ दिनदिनथयिकादीपियारे ॥ टा  
याधणारासंताप ॥ नी० ॥ ३ ॥ स्तुतिथरिहंतसिद्धात  
णीरे ॥ संनलावीश्रीकार ॥ जाणेनक्तिकठेथीनीखुतणी  
॥ इणअवसरमोजार ॥ नी० ॥ ४ ॥ एटलेथावीतिनथा  
जियारे ॥ वखतुजीजुमादाइजीजाण ॥ अचरिजथ  
धिकउपनुरे ॥ पूज्येवातकहीतेमलियाण ॥ नी० ॥ ५ ॥  
वारतीरथनलेनावसुरे ॥ देखेदरिणदीदार ॥ नक्तिकरे  
नीखुतणीरे ॥ जाणीअवसरसार ॥ नी० ॥ ६ ॥ वेठा  
हुआजिणअवसररे ॥ ध्यानाशनश्रीकार ॥ जाणेकेजिन  
जी बिराजियारे ॥ नजाणीअशातालिगार ॥ नी० ॥ ७ ॥  
तेरे ॥ ८ ॥ जाणेदेवविमान ॥

इत्योरे ॥ पूज्यवेठाठोडगाप्राण ॥ जी० ॥ ७ ॥ सुक्क  
 पद्धसोहामणोरे ॥ मासजादरवामाय ॥ तेरसतिथीदिन  
 पाठलोरे ॥ आसरेदोढपुहोरगणाय ॥ जी० ॥ ८ ॥ प्रथ  
 मपदपरमेसरूरे ॥ त्यांराकव्याणकपांचप्रकार ॥ इणविध  
 कव्याणकत्यारादूअरे ॥ इणदुसमकालमोजार॥जी० ॥  
 १० ॥ सिरियारीमेस्वामिजीर्थेरे ॥ चावीकीधीठामठाम ॥  
 जन्मसुधाखोपुगतसुंरे ॥ इहांरोलीजेनितप्रतेनाम॥जी०॥  
 ॥११॥ साधतोनीखुसारखारे ॥ आखानरतरेमांय ॥ दु  
 आनेहोसेवलीरे ॥ आजनकोदेखाय ॥ जी० ॥ १२ ॥  
 सोधंतांतोपावेनहीरे ॥ नीखुसरखासाध ॥ करडोकामपड  
 सेचरचातणुरे ॥ तिणवेलाआवसेयाद ॥ जी०॥ १३ ॥  
 ॥ ढोहा ॥ त्यालीसवरसांलगे ॥ कांइकजाजेरोजाण  
 ॥ संयमपाव्योस्वामिजी ॥ समतारसधटआण ॥ १ ॥  
 दिनठिनअधिकादिपीया ॥ तेजप्रतापपीठाण ॥ जिनमा  
 र्गवताव्युंयुक्तसुं ॥ अखंमवरतावीआण ॥ २ ॥ आख्या  
 आदइडीतणो ॥ रह्योअधिकोतेज ॥ शरीरनिरोगोनिरम  
 लो ॥ दीवेउपजेहेज ॥ ३ ॥ कियाचोमासाचूंपसुं ॥ चा  
 तुरनेचालीस ॥ नव्यजीवाराजागरा ॥ घणामेटघारागनेरी  
 स ॥ ४ ॥ कियांकियांचोमासाकिया॥कियांकियाकियोऊ  
 पकार ॥ नामलेइनरणुकहुं ॥ तेसुणजोविस्तार ॥ ५ ॥

## ढालवारमी थेमनमोह्या महावीरजी एदेशी

ठचोमासाकिया केलवे ॥ सतरएकवीसेजाणजी ॥  
 पचवीसेअठतीसेथोगणपचासमें ॥ लीजोथठावनेपीठाण  
 जी ॥ सुणजोचोमासास्वामीतणा ॥ १ ॥ एथाकणी ॥  
 तिणठामेउपकारदूथोघणो ॥ मोकमसंघजीठाकुरजाण  
 जी ॥ दरशनकरतांडयालरा ॥ वलीसुणतांआवीवखा  
 णजी ॥ सु० ॥ २ ॥ सातचोमासातिरियारीकिया ॥ उग  
 णीसवावीसेउगणतीसेजोयजी ॥ उगणचालीसवायाली  
 एकावने ॥ सार्वेचरमकल्याणकहोयजी ॥ सु० ॥ ३ ॥  
 सातकियापालीमांपूज्यजी ॥ तेवीसेतेत्रीसेजाणजी ॥ चा  
 लीसेचुमालीसेबावने ॥ पचावनेथोगणशठेवखाणजी ॥  
 सु० ॥ ४ ॥ पांचचोमासाकियाखेरवे ॥ ठवीसेवत्रीसेवि  
 चारजी ॥ एकतालीउतालीचोपने ॥ तिहांकियोघणुउप  
 कारजी ॥ सु० ॥ ५ ॥ बगडीमेंपूज्यविधसुंकिया ॥ ती  
 नचोमासाश्रीकारजी ॥ सत्यावीसेनेत्रीसामेंजी ॥ तीजो  
 ठतीसेलेजोविचारजी ॥ सु० ॥ ६ ॥ नाथद्वारामेनीकाकिया ॥  
 तीनचोमासातेतीकजी ॥ त्यालीसेपचासेठपने ॥ जियांरी  
 रुढीराखजोठीकजी ॥ सु० ॥ ७ ॥ कंटालियामांयेंकीयाकिवा ॥  
 पूज्यकीयाचोमासादोयजी ॥ चोवीसाथठावीसावरसमां ॥

जिहांजन्मकल्याणकहोयजी ॥ सु० ॥ ८ ॥ पीपाडमेंपा  
 खंमीदुतायणा ॥ दोयदीयाचोमासाठायजी ॥ चोत्रीसे  
 पीसतालीसवरसमे ॥ वणुंदियोमिथ्यातमिठायजी ॥ सु०  
 ॥ ९ ॥ गढरणतनमरकिलोतिहा ॥ तलेटीमाधुपुरमो  
 जारजी ॥ एकतीसेथडतालीसेदोनुकिया ॥ तिहांअधिक  
 दुथ्योवपकारजी ॥ सु० ॥ १० ॥ दोयचोमासाकियापु  
 रसहरमे ॥ तिहांवपकारजाजेरोजाणजी ॥ शेतालीसे  
 सतावने ॥ तेगुणलेजोचतुरसुजाणजी ॥ सु० ॥ ११ ॥  
 अठारेवरसेवरलुकियो ॥ वीसेराजनगरविचारजी ॥ पेंती  
 सेंआमेटपाडुसेंतीसमे ॥ तेपनेसोजतसहरमोजारजी ॥  
 ॥ सु० ॥ १२ ॥ पन्नरेगाममेंकियापूज्यजी ॥ चुमाजीत  
 चोमासासारजी ॥ एतोपरमनगताशीव्यपाटवी ॥ घणा  
 रह्यापूज्यरेलारजी ॥ सु० ॥ १३ ॥

॥ दोहा ॥ आदहुआआदिसरु ॥ आदिनाथअरिहं  
 त ॥ तीजाआरातेहर्मा ॥ मुक्तगयामतवत ॥ १ ॥ त्यां  
 आदकाढीजिनधर्मनी ॥ जुगलियांवारोमिठाय ॥ संसा  
 रीनेधर्मनी ॥ दीवीरीतबताय ॥ २ ॥ आदकाढीअरिहं  
 तज्युं ॥ नीखुनलाजसाध ॥ इण्डुसमआरामथ्ये ॥ ली  
 आअरिहंतवचनआराध॥३॥ नव्यंजीवरांजागसुं॥कियोव  
 णोवद्योत ॥ मतिश्रुतराजोरसुं ॥ घणघटगालीजोत

॥ ४ ॥ उपकारकीधोअतिघणुं ॥ तेपूरोकेमकेवाय ॥  
पणथोढोसोप्रगटकहं ॥ तेसुणजोचित्तलाय ॥ ५ ॥

ढाल तेरमी पुज्यजीपधारोढोनगरीसेवियाएदेशी

सायसायवीश्रावकश्राविका ॥ एयाप्यातीरयचारहो  
॥ महामुनि ॥ जिनमारगजमायोमुनीवरयुक्तुं ॥ घणु  
पाखंमदियोनिवारहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ जलानेअवतल्याहो  
जीखुजरतखेत्रमां ॥ १ ॥ एथांकणी ॥ लोकालोकनवत  
त्वतणां ॥ बलीदयादानदिपायहो ॥ महा० ॥ यांराजेद  
यथातप्यनाप्या ॥ जिनवरज्युंदियाजमायहो ॥ महा० ॥ थें०  
॥ २ ॥ चारित्रदियोएकसोतीनआसरे ॥ सघलानेसंवेग  
चढायहो ॥ महा० ॥ केशपाखंममांहेसुंखांचने ॥ आ  
एयामारगमांयहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ३ ॥ जोडांकीवीसु  
निवरयुक्तुं ॥ सहसपचासआसरेगुणायहो ॥ महा० ॥  
निरणुन्यायवताव्योनिर्मलो ॥ जाणेनापगयाजिनराय  
हो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ४ ॥ समकित्तशुद्धस्वरूपवतावि  
उं ॥ निजगुणपरगुणन्यायहो ॥ महा० ॥ सावयनिर्वि  
द्यपीठाणन्याराकिया ॥ नहीदीसेकिणमतमांयहो ॥ महा०  
॥ थें० ॥ ५ ॥ आदोतिढूंढाडवलीकढदेसमें ॥ मरुधरदेश  
मेवाडहो ॥ ॥ घणारातदिवशरटेरामनामज्युं ॥



आपइशडोकियोउपकारहो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ६ ॥ प  
 रवचनकरेपरजावना ॥ शुद्धमार्गदेवेदेखायहो ॥ महा० ॥  
 ज्ञाताअंगमेंअरिहंतेआखीओ ॥ तीर्थकरनामगोत्रबंधाय  
 हो ॥ महा० ॥ थें० ॥ ७ ॥ इणजेखेआपरेअतिओपतो ॥  
 बंध्योदिशेतीर्थकरनामगोत्रहो ॥ महा० ॥ धर्मआदका  
 ढीअरिहंतआदिनाथज्युं ॥ कीयोअत्यंतउद्योतहो ॥  
 महा० ॥ थें० ॥ ८ ॥ आपइणजवेपणउत्तमथया ॥ प  
 रनवमेंपणशोजायहो ॥ महा० ॥ उत्कृष्टोअनुपममोह  
 ठे ॥ आपपोचसोतिणगतिमायहो ॥ महा० ॥ थें ॥ ९ ॥  
 जन्मकल्याणकंटालियेजाणजो ॥ दिक्कामदोठवबगमीमो  
 जारहो ॥ महा० ॥ चरमकल्याणिकसरियारीमेसोनतो ॥  
 एतीनुंइजोडविचारहो ॥ महा० ॥ थे० ॥ १० ॥ वीर  
 जिणंदरीगाधीवीराजिया ॥ सुवनीतसुधर्मास्वामहो ॥  
 महा० ॥ इणविधपूज्यरेपाटप्रगटथया ॥ नारमजजीशा  
 मीयारोनामहो ॥ महा० ॥ थे० ॥ ११ ॥ एचरित्रकि  
 योनीखुअणगाररो ॥ बगडीसहेरमोजारहो ॥ महा० ॥  
 सवतअढारसाठावरसमें ॥ फाणवद्यतेरसगरुवारहो ॥  
 महा० ॥ थें० ॥ १२ ॥ कोइअहूरआघोपाठोआयोदु  
 ए ॥ अतिकोउठोआयोदुएकोयहो ॥ महा० ॥ रिख

वेणीदाशर्जीकहेकरजोडीने ॥ मिष्ठामोडुकडंमोयहो ॥  
॥ महामुणी० ॥ येण॥ १३॥ इति श्रीनीलुचरित्र समाप्त

अथ श्री नव पदार्थना तेरधारप्रारंभ

नवपदार्थानुं स्वरूपकहेठे मूल दृष्टांत कुण आत्माजीव  
अरूपी निरवद्य नाव इव्यगुणपर्याय इव्यादिक आझा हे  
य तलाव तेमाप्रथम मूल द्वारकहेठे जीवते चेतन अजी  
वतेअचेतन पुण्यते गुजकर्म पापते अगुजकर्म कर्मोनेग्रहे  
ते आश्रव कर्मोनेरोकेते संवर देशथकी कर्मोनेतोडीने देश  
थकी जीवउज्ज्वलथायते निर्जरा जीवसंघाते कर्मबंधाणाते  
बंधसमस्तकर्मथीमूकावबुते मोक्ष इति प्रथम द्वारसमाप्त

बीजो दृष्टान्तद्वारकहेते जीवचेतनरा बे जेदठे एक  
सिद्ध बीजासंसारि सिद्धकर्मरहीतठे सत्सारीकर्मसहित  
ठे तिणरा अनेकजेदठे सुद्ध अने वादर त्रस ने थाव  
र संन्नि ने असंन्नि त्रणवेद चारगति पांचजात ठकाय  
चउदजेदजीवना चोवीसदंमक इत्यादिक अनेकजेद  
जीवरा लाणवा ते चैतनगुणओलखवाने शोनारोदृष्टात  
कहेते जेम सोनानाघरेणाजाजीजांजीने ओरओरआका  
रेघरेणाघडे यद्यपि आकारनुंविनाश थायते पणसोना  
नुं विनाशयतुनथीतेम कर्मोनाउदयथी ज

लटे पण चैतनगुणनुं नासनही अजीवअचेतन तिण  
रापांचनेद १ धर्मास्तिकाय २ अधर्मास्तिकाय ३ आका  
शास्तिकाय ४ काल ५ पुज्जतिणमांचारांरी पर्यायपल  
टेनही एक पुज्जकीपर्यायपलटे ते उलखवाने सोनारो  
दृष्टांत सोनारोघरेणु जांजीजांजीने थोरथोर घरणुंघडेय  
दआकारानुविणाश पण सोनानोविणासनही ज्युपुज्ज  
नुंपर्यायपलटे पण पुज्जनुं विणासनही पुण्यते छुन  
कर्म पापतेअछुनकर्म ते पुणपाप थोलखवानेपथ्यअप  
थ्यआहारनुंदृष्टांत कदेक प्राणीरे पथ्यआहारवधे अपथ्य  
गटे यदनिरोगपणुवधे ने सरोगपणुंगटे कदेक प्राणीरे  
अपथ्यआहारवधे अने पथ्यअहारगटे यदसरोगपणुंवधे  
अने निरोगपणुंगटे अने पथ्यअपथ्य अहार बेउ गटे यद  
प्राणीमरणपामे ज्युंजीवरे पुण्यपाप कदेकजीवरें पुण्यतो  
वधे अने पापतोगटे यदसुखतोवधे अनेडु खगटे कदेक  
जीवरे पापवधे अने पुण्यगटे यदसुखवधे अने डु.खव  
धे पुण्यपापदोनुहीघटे यदजीव मोखपामे कर्मनेग्रहेते  
आश्रव ते थोलखवाने त्रणदृष्टांत तलावरेनालो ज्युंजी  
वरे आश्रव हवेलीरे ॥ नावारे ठी  
इज्जुंजीवरेआश्रव ॥ ५ ॥  
नेआश्रवएक ॥ ५ ॥

वानेठिइएकज्युंजीवने आश्रवएक एकापणुंकह्यो हिवेक  
 र्मने आश्रवनुंछुदापणुं कहेबे कतेइएक एमकह्योबे क  
 र्मआवे ते आश्रव ते ओलखवाने त्रीजोकहणकहेबे पा  
 णीआवेतेनालो ज्युंकर्मआवेतेआश्रव मिनखआवेते बा  
 रणुं ज्युंकर्मआवेते आश्रव पाणीआवेतेठिइ ज्युंकर्मआ  
 वैते आश्रव इमकह्याथका कोइकर्मनेआश्रव एकसरदे  
 तेने दोयसरदावाने चोथोकहणकहेबे पाणीनेनालोदो  
 य ज्युंकर्मने आश्रव दोय मिनखने बारणो दोय  
 ज्युंकर्मने आश्रवदोय पाणीने ठिइदोय ज्युंकर्मने आ  
 श्रवदोय विशेष उलखवाने पांचमुकहण कहेबे पाणी  
 आवेतेनालो पिणपाणीनालोनही ज्युंकर्मआवेते आ  
 श्रव पिणकर्म आश्रव नही मिनखआवे तेबारणो पण  
 मिनख बारणोनही ज्युंकर्मआवे ते आश्रव पण कर्मआ  
 श्रवनही पाणीआवे तेठिइ पण पाणीठिइनही ज्युंक  
 र्मआवेते आश्रव पण कर्मआश्रवनही कर्मानेरोकेते सं  
 वर ते उलखवाने तिनदृष्टांत कहेबे.

तलावरेनालोरुंधे ज्युंजीवरे आश्रव रुंधेतेसंवर हवे  
 लीरेबारणोरुंधे ज्युंजीवरे आश्रवरुंधे तेसंवर नावारेठि  
 इरुंधे ज्युंजीवरे आश्रवरुंधेतेसंवर देशथकी कर्मतोडीने  
 देशथकीजीव उज्ज्वलोहोयते निर्झरा ते उलखवाने ति

नदृष्टांत तलावरोपाणी मोरियादिके करीने काढे ज्युंन  
 लानावप्रवर्त्ताइने जीवरूपतलावरो कर्मरूपीयो पाणीका  
 ढेते निर्झरा हवेलीनो कचरोबुद्धारी पुंजीनेकाढे ज्युंनला  
 नावेप्रवर्त्तावीने जीवरूपी हवेलीरो कर्मरूपीयो कचरो  
 काढेते निर्झरा नावारोपाणी उलेची २ नेकाढे ज्युंन  
 लानावप्रवर्त्तावे ने जीवरूपणीनावारो कर्मरूपीयो पाणी  
 काढे ते निर्झरा जीवसंघाते कर्मबंधाणा तेबंध ते उ  
 लाखवाने ठवोलरीपुठाकरीने

कहोस्वामीजीजीवनेकर्मरीत्यादठे एवातमिलेकेनमि  
 ले यद् गुरुकहेनमिले क्युंनमिले ए उपनोनथी युं न  
 मिले डुजेबोले कहोस्वामीजी पेलोजीवने पठेकर्म एवा  
 तमिलेकेनमिले एपणनमिले क्युनमिले ए संसारमे जी  
 वकर्मविनारह्यो कठेमुगतगयो पाठोआवेनही युंनमिले  
 तीजोबोलरुहो स्वामीजी पेलोकर्मनेपठेजीव एवातमि  
 लेकेनमिले गुरुबोल्यानमिले क्युनमिले एजीवविनाकर्म  
 कीया किएकीयाविना कर्महुवैनही युंनमिले चोथेबोले  
 कहोस्वामीजी जीवनेकर्मसाथेउपना एवातमिलेकेनमि  
 ले एपणनमिले क्युंनमिले युनमिले यानेउपजावणवा  
 लोकुण युंनमिले पाचमेबोलेकहोस्वामीजी जीवकर्मर  
 हीतइजठे एवातमिलेकेनमिले एपण नमिले तेक्युनमिले

युंनमिले एजीवकर्मरहीतजहुवेतो करणीकरवारी खपेकु  
 एकरे युंनमिले ठवेबोलेकहोस्वामीजी जीवने कर्मरोमिला  
 प किणविधदुओठे यदगुरुबोल्या थपह्वाणुपुवा अनाद  
 कालरा चट्याजायठे तिणवंधरा चारनेद प्ररुतिवध क  
 र्मेसनावरेन्याव थितवध कालविहररेन्याव थणुजागवं  
 ध रसविपाकरेन्यावें प्रदेशवधजीवकर्मलोलीनूतरेन्याव  
 ते वंधथोलखवाने तिनदृष्टांत तेजनेतिललोलिचूत ज्युं  
 जीवनेकरमलोलिचूत धृतनेदूधलोलीनूत ज्यु जीवने क  
 र्मलोलीनूत धातुनेमाटीलोलीनूत ज्युंजीवनेकर्मलोली  
 नूत समस्तकर्मसुमूकावे तेमोहू ते थोलखवाने तिनदृ  
 ष्टांत घाणियादिककरीने तेजखलरहितदुवे ज्युंजीवतप  
 संयमकरीने कर्मरहीतदुवेतेमोहू जेरणादिककरीने धीठा  
 ठरहितदुवे ज्युंजीवतपसंयमकरीने कर्मरहीतदुवेते मोहू  
 थग्नियादिकरो वषायकरीने धातुमाटीरहितदुवेज्युं जीव  
 तपसंयमेकरीने कर्मरहीतदुवे तेमोहू एवीजोदारसमाप्त  
 - हवेतीजोकुणदारकहेठे जीवचेतन तेठडव्यमेंकुणठे  
 थने नवपदार्थमेंकुणठे ठडव्यमेंतो एकजीव थने नव  
 पदार्थमें पांचतेकुण जीव १ आश्रव २ संवर ३ नि  
 जरा ४ ने मोहू ५ थजीवते थचेतन ते ठडव्या  
 में कोण थने नवपदार्थमेंकोण ठडव्यामेंतो पांच

र्मास्तिकाय अधर्मास्तिकाय आकाशास्तिकाय काल ने  
 पुञ्जल अने नवपदार्थमेंचार अजीव पुण्य पाप ने बंध  
 पुण्यतेजुंनकर्मते ते ठमेंकोण अने नवमें कोण  
 ठड्यमेंतो एकपुञ्जल नवपदार्थमें तिन अजीव पुण्यने  
 बंध पापते अजुनकर्म ठड्यमेंकोण ने नवपदार्थमेंको  
 ण ठड्यमेंतो एकपुञ्जल नवपदार्थमेंतीन अजीव पाप  
 ने बंध कर्मनेग्रहेते आश्रव ते ठड्यमेंकोण अने नव  
 पदार्थमेंकोण ठड्यमेंतो एकजीव अने नवपदार्थमेंदो  
 य जीव अने आश्रव कर्मनेरोकेते संवर ठड्यमेंकोण  
 अने नवपदार्थमेंकोण ठड्यमेंतो एकजीव अने नवप  
 दार्थमेंदोय एकजीवने बीजोसंवर देशयकीकर्मनेतोडी  
 देशयकीजीव उज्जलोहोयते निर्झरा तेठड्यमेंकोण  
 नवपदार्थमेंकोण ठड्यमेंतो एकजीव नवपदार्थमें दोय  
 जीव ने निर्झरा जीवसंघाते कर्मबंधाणाते बंध ते ठड्य  
 ममेंकोण अने नवपदार्थमेंकोण ठड्यमेंतो एकपुञ्जल  
 नवपदार्थमेंचार अजीव पुण्य पाप ने बंध समस्तकर्म  
 मूकावेतेमोह ते ठड्यमेंकोणने नवपदार्थमेंकोण ठड्य  
 ममेंएकजीव ने नवपदार्थमेंदोय जीव ने मोह चाले  
 तेकोण चलाववाने साजतेकोण चालेतेजीव ने पुञ्जल  
 साहज धर्मास्तिकायनो थिररहेतेकोण अने थिररहेवा

नीसाह्यजतेकोण थिररहेते जीव ने पुजल थने साह्यते  
 अधर्मास्तिकायनो वस्तुतेकोण थने जाजनतेकोण वस्तु  
 तेजीव ने थजीव जाजनते आकाशास्तिकाय वत्तते  
 कोण थने वत्तविते कोण वत्ततेकाल जीवउपरे वत्त  
 जोगवेतेकोण थने जोगथावेतेकोण जोगवेजीव थने जो  
 गथावेतेपुजल पुजलवेप्रकारे जोगथावे ते केईकतो ह  
 द्वादिकपणे जोगथावे थने केईककर्मपणे जोगथावे ते  
 कर्मरोकतातेकोण थने कीयाहुवेतेकोण कर्मकरेतोजीव  
 थने कीयाहुवेतेकर्म कर्मरोठपायतेकोण थने कर्मठप  
 नातेकोण कर्मरोठपायतोजीव थने उपनातेकर्म कर्म  
 नेलगावेतेकोण थने लागातेकोण कर्मलगावेतेजीव थने  
 लागातेकर्म कर्मनेरोकेतेकोण थने रोकियातेकोण कर्म  
 नेरोकेते जीव थने रोक्यातेकर्म कर्मनेतोढेतेकोण थने  
 त्रुटेतेकोण तोढेतेजीव थने त्रुटातेकर्म कर्मनेबांधेतेको  
 ण थने बंधाणातेकुण कर्मनेबांधेतोजीव ने बंधाणातेक  
 र्म कर्मासुंमूकावेतेकोण थने मूक्यागयातेकोण कर्मसुं  
 मूकावेतेजीव ने मूक्यागयातेकर्म एत्रीजोहारसमाप्त.

हवे चोथो आत्महारकहेवे जीव चेतनते आत्मावे  
 थनेरो नथी थजीव थचेतनते आत्मानही थनेरोवे  
 थनेवे पण आत्मानही





तेपुण्यनेपुण्यकहीजे पुण्यने अजीवकहीजे पुण्यने बंधक  
 हीजे पापते अशुनकर्म पापने पापकहीजे पापने बंध  
 कहीजे पापनेअजीवकहीजे कर्मनेग्रहेते आश्रवकहीजे  
 आश्रवने जीवकहीजे कर्मनेरोकेते संवरकहीजे संवरने  
 जीवकहीजे देशथकीकर्मने तोडीने देशथकी जीव उज्ज्व  
 लोद्गुए ते निर्द्धराकहीजे निर्द्धराने जीवकहीजे जीवस्त  
 घातेकर्मबंधेते बंधकहीजे बंधने अजीवकहीजे बंधनेपुण्य  
 कहीजे बंधने पापकहीजे समस्तकर्मनेमूकावे तेमोक्षक  
 हीजे मोक्षनेजीवकहीजे हिवे एहनीउलखाण कहेवे -

जीवनेजीव किणन्यायकहीजे गयेकाल अशंख्यातप्र  
 वेशी जीवदुवे ते वर्त्तमानकालें जीवठे आगमीककाले  
 जीवरोजीवजरहेसे इणन्याय जीवकहीजे अजीवने अ  
 जीव कुण न्यायकहीजे गयेकाल अजीवहूंतो वर्त्तमान  
 कालेअजीवठे अने आगमिककालें अजीवरहेसे इण  
 न्याय अजीवने अजीवकहीजे पुण्यने अजीव कोणन्या  
 यकहीजे पुण्यतो शुनकर्मठे कर्मतो पुज्जठे इणन्यायपु  
 ण्यने अजीवकहीजे पापनेअजीव किणन्यायकहीजे  
 पापतो अशुनकर्मठे कर्मतो पुज्जठे पुज्जते अजीवठे  
 इण न्यायपापने अजीवकहीजे आश्रवने जीवकीणन्या  
 यकहीजे आश्रवतो कर्मने ग्रहेने आश्रवतोकर्मरो

यत्ने ए आश्रवतो कर्मनोकर्त्ताते तोजीवते इणन्याय आ  
 श्रवने जीवकहीजे अविरतआश्रवने जीव किणन्यायक  
 हीजे अत्यागजावते जीवरा अत्यागजावरी आसावांठा  
 जीवरीते इणन्याय अविरतआश्रवने जीवकहीजे प्रमा  
 दआश्रवने जीव किणन्यायकही जे अण उच्चाहपणुंते  
 प्रमादाश्रवते ते अणउच्चाहपणु जीवरा परिणामते इ  
 ण न्याय प्रमादाश्रवने जीवकहीजे कपायाश्रवनेजीव  
 किणन्यायकहीजे ए कपायआत्मा कहीजे कषायते जी  
 वपरिणाम कहाते इणन्याय कपायआश्रवने जीवकही  
 जे योगाश्रवने जीव किणन्याय कहीजे एयोगात्माकही  
 ते योगते जीवरापरिणाम कहाते योगनामव्यापाररो  
 ते ते तीनुंहिंयोगारोव्यापारजीवरोते इणन्याय योगाश्र  
 वने जीवकहीजे संवरने जीवकिणन्यायकहीजे ए समा  
 इ पञ्चखाण संयम संवर विवेक वीवशग ए ठहुआत  
 माकहीते वली चारित्रआत्मा कहीते चारित्रते जीव प  
 रिणामकहाते इणन्याय संवरने जीवकहीजे निर्झराने  
 जीव किणन्याय कहीजे जलानाव प्रवर्त्तावीने कर्माने  
 तोडीदूरकरे देशयकी जीव उज्वलहुवेते जीवते इणन्या  
 ये निर्झरानेजीवकहीजे बंधने अजीव किणन्याय कहा  
 जे बंधतो शुनाशुजकर्मते कर्मते पुज्जलते पुज्जलते अजो

वठे इणन्याय बंधने अजीवकहीजे मोक्षनेजीव किण  
 न्यायकहीजे समस्त कर्मानेमूकावेते मोक्ष तेतोजीवठे  
 तिहांनेमोक्षकहीजे तेने निरवाण कहीजे तेने सिद्धज  
 गवांनकहीजे सिद्धजगवानतो जीवठे इणन्याय मोक्षने  
 जीवकहीजे ए पांचमुं द्वार समाप्तथयुं

हवेबरो रूपीअरूपीद्वारकहेठे जीव अरूपीठे अजीव  
 रूपी अरूपीदोनूठे पुण्यरूपीठे पापरूपीठे आश्रवअरूपी  
 ठे संवरअरूपीठे निर्झराअरूपीठे बंधरूपीठे मोक्षअरूपी  
 ठे हवेएनीओलखणाकहेठे जीवनेअरूपी किणन्यायक  
 हीजे बड्यमांजीवअरूपीकह्योठे इणन्यायजीवने अरू  
 पीकहीजे अजीवने अरूपीरूपी किणन्यायकहीजे धर्मा  
 स्ति अधर्मास्ति आकाशास्ति ने काल ए चार अजीवड्य  
 ने अरूपीकह्याठे एकपुज्ज अजीवड्यने रूपीकह्योठे  
 इण न्याय अजीवने रूपी अरूपीदोनूकहीजे पुण्यनेरू  
 पी किणन्यायकहीजे एपुण्यतोण्णकर्मठे कर्मपुज्जठे पु  
 ज्जतेरूपीठे इणन्यायपुण्यनेरूपीकहीजे पापनेरूपी कि  
 णन्यायकहीजे पापतो अण्णकर्मठे कर्मते पुज्जठे तेरू  
 पीठे इणन्यायपापनेरूपीकहीजे आश्रवने अरूपी किण  
 न्यायकहीजे रुसादिक नावलेइया अरूपीठे इणन्याय  
 आश्रवने अरूपीकहीजे मिथ्यात्वाश्रवने अरूपी किण

न्यायकहीजे मिथ्यादृष्टीने अरूपीकह्याते इणन्यायमि  
 ध्यात्वाश्रवने अरूपीकहीजे अविरत्याश्रवने अरूपीकिण  
 न्यायेकहीजे अत्यागजावळे तेअरूपीते इणन्यायें कहीजे  
 प्रमादाश्रवने अरूपी किणन्यायकहीजे अणउच्चाहपणुं ते  
 प्रमादाश्रवने ते अणउच्चाहपणुं जीवते जीवते अरूपीते  
 इण न्यायप्रमादाश्रवने अरूपीकहीजे कषायाश्रवने अरू  
 पी किणन्यायकहीजे श्रीगणगताष्टदशमे जीवपरिणामी  
 रा दशनेदामें कषायपरिणामीजीवकह्या अनेज्ञानदर्शन  
 चारित्र परिणामीकह्याते ज्ञानदर्शनचारित्र परिणामीजी  
 वते तिमकषायपरिणामीपणजीवते ए जीवपरिणामीराजे  
 दामें कषायपरिणामीकह्या, माटेकषायपरिणामीते नेकषा  
 याश्रवतेजीवते जीवतेअरूपीते इणन्यायकषायाश्रवने अं  
 रूपीकहीजे योगाश्रवने अरूपी किणन्यायकहीजे ए तीनु  
 ही योगारो उठाण कर्मबलवीर्य पुरुषाकार पराक्रम अ  
 रूपीते इणन्याय योगाश्रवनेअरूपीकहीजे सवरने अरू  
 पीकिणन्यायकहीजे अतारेपापस्थानकरो विरमणअरू  
 पीकह्याते इणन्याय संवरने अरूपीकहीजे निर्झराने अ  
 रूपी किणन्यायकहीजे कर्मतोडवारो उठाण कर्मबल  
 वीर्य पुरुषाकार पराक्रम अरूपीते इण न्याय निर्झरा  
 ने अरूपीकहीजे बंधनेरूपी किणन्यायेंकहीजे बंध तो



त्री. २६ अन्नाणी. २७ अहारता. २८ संसारता. २९  
 अति-६. ३० अकेवली ३१ उद्वस्थ. ३२ संयोगी. ३३  
 हिवेजीवरे अजीव उदयनिपन्नरात्रीसजेद पांचशरीर श  
 रीराराप्रयोग परिणम्याड्यव्यपांच वर्णवे गंधवे रसपांच  
 स्पर्शथाव एवंत्रीस उपशमजावरादोयजेद एकउपशम  
 बीजो उपशमनिपन्न उपशमतो एकमोहनीयकर्मरो अ  
 ने उपशमनिपन्नरादोयजेद एकतोउपशसम्यक्त्व बीजो  
 उपशमचारित्र ह्यायकजावरादोयजेद एकह्यायक बीजो  
 ह्यायकनिपन्नजाव ह्यायकतो आतकर्मरोह्यते ह्यायक  
 अने ह्यायक निपन्नरातेरजेद १ केवलज्ञान २ केव  
 लदर्शन ३ आत्मिकसुख ४ ह्यायकसम्यक्त्व ५ ह्याय  
 कचारित्र ६ अटलअवगाहना ७ अमूर्त्तिकपणु ८ अगु  
 रुलघुपणु ९ ह्यायकलब्धि १० दानलब्धी ११ ज्ञानलब्धी  
 १२ जोगलब्धि १३ उपजोगलब्धि वीर्यलब्धि ह्योपश  
 मरादोयजेद एकतो ह्योपशम बीजो ह्योपशमनिपन्न  
 ह्योपशमतो चारकरमरो ज्ञानावरणी दर्शनावरणी मो  
 हनी अने अंतराय ए चार ह्योपशमनिपन्नराबोल ब  
 त्रीसंढे ज्ञानावरणीकर्मरो ह्योपशम निपन्नदुवेतो चार  
 ज्ञान त्रणअज्ञान एक नणवुं एवं आतबोल पामिये  
 दर्शनावरणीकर्मरोह्योपशम निपन्नदुवेतो पांचइंडीत्र

एदर्शन एव आठ मोहनीयकर्मरो क्षयोपशम निपन्न  
 दुवेतो चारचारित्र एकदेशविरति त्रणट्टी एवं आठ अं  
 तरायकर्मरो क्षयोपशम निपन्नदुवेतो आठबोल पांचल  
 धि त्रणवीर्य एव ३२ परिणामिकरा दोयजेद एकतो  
 शादियापरिणामी एक अणआड्यापरिणामि अणआ  
 ड्या परिणामिरा दशजेदठे ठतोड्य सातमो लोक  
 आठमो अलोक नवमोनवि दशमो अनवि शाड्यापरिणा  
 मिरा अनेकजेद गाम नगर गढा पहाड पर्वत पताल  
 समुड् द्वीप छुवन विमान इत्यादि अनेकजेद आदिस्त  
 हितपरिणामिरा जाणवा वलीजीव आश्री जीवपरिणा  
 मिरादशजेदठे गतिपरणामि इडीयपरिणामि कषायपरि  
 णामि छेदयापरिणामि योगपरिणामि उपयोगपरिणामि  
 नाणपरिणामि दर्शनपरिणामि चारित्रपरिणामि वेदप  
 रिणामि जीवआश्री अजीवपरिणामिरा दशजेद बंधन  
 परिणामि गडपरिणामि संगणपरिणामि जेदपरिणामि  
 वर्णपरिणामि गंवपरिणामि रसपरिणामि स्पर्शपरिणा  
 मि अगुरुलघुपरिणामि शब्दपरिणामि जीवमांहे जाव  
 पांच अजीव पुण्य पापमांहे एकलपरिणामिजाव होय  
 आश्रवमां जावदोय उदय ने परिणामिक हे  
 उदयवर्जने



ह्वायके ह्वायोपशम परिणामिक मोक्षमा नाव दो एक  
ह्वायक बीजोपरिणामि इति अष्टमद्वार समाप्तः

हवे नवमो इव्यगुणपर्याय द्वारकहेठे इव्यतो जीव  
असंख्यात्प्रदेशी गुण आव ज्ञान दर्शन चारित्र तप वी  
र्य उपयोग सुख दुःख ए एक एक गुणरी अनन्ति अनन्ति  
पर्याय ज्ञानेकरी अनन्त पदार्थजाणे तिणसुं अनन्ति प  
र्याय दर्शनेकरी अनन्तापदार्थ सहेठे तिणसुं अनन्ति प  
र्याय चारित्रेकरी अनन्ताकर्मप्रदेशरोके तिणसुं अनन्ति प  
र्याय तपेकरी अनन्ताकर्मप्रदेशतोडीने जीववेशयकी उ  
ज्वलौहुवे तिणसुं अनन्तिपर्याय वीर्यनी अनन्तिशक्ति  
तिणसुं अनन्तिपर्याय उपयोगेकरी अनन्तापदार्थदेखेजा  
णे तिणसुं अनन्तिपर्याय सुखअनन्तो पुण्यप्रदेशसुं अनन्ता  
पुजलिकसुखवेदे तिणसुं अनन्तिपर्याय बली अनन्ता क  
र्मप्रदेशअजगाहुवासुं अनन्तो आत्मिकसुख प्रगटे तिण  
सुं सुखेरी अनन्तिपर्याय जाणवी दुःख अनन्तापापप्रदेश  
थी अनन्तो दुःखवेदे तिणसुं अनन्तापर्याय अजीवइव्यमां  
एकतो धर्मास्तिकाय बीजो अधर्मास्तिकाय त्रीजोआकां  
शास्तिकाय चोथुंकाल पांचसुं पुजजास्तिकाय अने गुण  
ते आपआपरो एकेकगुणरी अनन्तिअनन्ति पर्याय एपां  
१ इव्यगुणपर्याय जुइजुइ कहेठे. इव्यतो एकधर्मा

स्तिकाय, गुणचालवारोसाह्य पर्याय अनेतापेदार्थने सा  
 ह्य तिणसुंअनंतापर्याय इव्यतो अधर्मास्तिकाय गुण  
 स्थिरराखवाने, साह्य पर्यायअनंतापदार्थाने स्थिररहे  
 वानुं साह्य तिणसुं अनंतापर्यायजाणवा, इव्यतोएक  
 आकाशास्तिकाय गुणजाजन पर्यायअनंता पदार्थनो  
 जाजनतिणसुं अनंतापर्याय इव्यतोकाल गुणवत्तेमल  
 पर्यायअनंतापदार्थउपरेवत्तेतिणसुं अनतिपर्याय इव्यतो  
 पुज्जास्तिकाय गुण गलेनेमिले पर्यायअनंतागलेने अन  
 तामिले तिणसुं अनतिपर्याय पुण्यइव्यतो शुनकर्म  
 एजीवरे शुनपणे उदयआवे अनंताजीवनेसुनकरे  
 एसुं अनंतिपर्याय पापइव्यतोअशुनकर्म गुणजीवरे अ  
 शुनपणे उदयआवे पर्यायअनता अशुनकर्मना प्रवे  
 जीवरे अशुनपणे उदयआवे अनंतोजीवोइत्करे नि  
 एसुं अनतिपर्याय इव्यतो आश्रव गुणकर्मानेप्रवृत्तुं  
 पर्यायअनंता कर्मप्रदेशग्रहेतिणसुं अनंताप्राये इव्य  
 तोसवर, गुणकर्मारोरोकवानुं पर्यायअनंताकर्मप्रदेशे  
 तिणसुं अनंतिपर्याय इव्यतो निर्जरा गुणकर्मानेनोइद  
 रो पर्यायअनंताकर्मनेतोडीने अनतागुणवत्तुंइद  
 एसुं अनंतिपर्याय इव्यतोबंध गुणजीवरे बांधवाराख  
 वारो पर्यायअनंता कर्मप्रदेशेकरी बांधे बांधवाराखेति

एतुं अनन्तिपर्याय इव्यतोमोक्ष गुणआत्मिकसुख पर्याय  
यअनन्ताकर्मप्रदेशअलगाद्गुण आनन्तात्मिकसुखप्रगट्या  
तिणसुं अनन्तापर्यायते इति नवमद्वारसमाप्तः

हिवेदशसुंइव्यादिकरी उलखाणाद्वारकहेते जीवते  
चेतन ते पांचबोलेकरी ओलखीजे इव्यथकी क्षेत्रथकी  
कालथकी जावथकी गुणथकी तेमां इव्यथकीतो अनं  
ताइव्य क्षेत्रथकी लोकस्थितिप्रमाण कालथकी आदि  
अंतरहीत जावथकी अरूपी गुणथकी चेतनगुण अ  
जीवते अचेतन पांचबोलेकरीउलखीजे इव्यथकीतो अ  
नन्ताइव्य क्षेत्रथकी लोकालोकप्रमाण कालथकी आदि  
अंतरहीत जावथकी रूपीअरूपीदोनं गुणथकी अचेतनगु  
ण पुण्यतेगुणकर्म तेपांचबोलाकरीने ओलखीजे इव्यथ  
कीतो अनन्ताइव्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकी आदि  
अंतरहीत जावथकीरूपी गुणथकी जीवरेगुणपणे उद  
यआवे पापते अगुणकर्म पांचबोलाकरीओलखीजे इ  
व्यथकीअनन्ताइव्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकीआदि  
अंतरहीत जावथकीरूपी गुणथकीजीवरे अगुणपणेउद  
यआवे कर्मानेग्रहेते आश्रव तेपांचबोलाकरीओलखीजे  
इव्यथकी अनन्ताइव्य क्षेत्रथकीजीवांकने कालथकीराश  
नेद एकेकआश्रवआदहीनही अंतहीनही ते अनव्य

आश्री एकेक आश्रवनी आदिनही पणअंतरे ते नय  
 आश्री एकेकआश्रवनी आदिपणने अने अंतपणने ते  
 पडवाईआश्रीजाणवुं तेहनीस्थिति जयन्यतो अंतरमुद्द  
 ने अने उत्कृष्टीदेशउणो अर्धपुंजनपरावर्त्त नावयकीअरु  
 पी गुणयकी कर्मग्रहवानुंगुण आवताकर्मनेरोकेनेसंव  
 पांचांबोलांकरीने ओलखीजे इव्यथकी असंख्यानाइय  
 क्षेत्रयकीजीवांकने कालयकी आदिअंतसहीन नावय  
 कीअरुपी गुणयकी कर्मनेरोके देशयकीजीवनजज्ञोद्गो  
 वेते निर्जरा पांचाबोलांकरीओलखीजे ते निर्जराग जेद  
 एकतोअकामनिर्जरा बीजीसकामनिर्जग अकामनिर्जग  
 अनंताइव्य अने सकामनिर्जराराअसंख्यानाइय क्षेत्र  
 यकीजीवाने कालयीआदिअंतसहीन नावयकीअरुपी  
 गुणयकी देशयकीकर्मतोडीने देशयकीजीवनजज्ञोद्गोवेते  
 गुण जीवसंघातेकर्मबंधाणाते बंधने पात्रवांजाअरीओल  
 खीजे इव्यथकी अनंताइव्य क्षेत्रयकीजीवांकने कालय  
 की आदिअंतसहित नावयकीअरुपी गुणयकीकर्मनेबंध  
 वारो समस्तकर्मासुं मूकावेतेमोह ते पांचांबोलांकरीओ  
 लखीजे इव्यथकी अनंताइव्य क्षेत्रयकी जीवांकने क  
 लयकीवेजेद एकेकसिधारीआदिपणनहीन अंतपणन  
 एकेकसिधारीआदिने पण अतनही नावयकीअरुपी

गुणकी आत्मिकसुख हवे इव्य क्षेत्र काल नाव गुणनी उ  
 त्खाणकहेवे धर्मास्तिकाय इव्यथकीतो एक इव्य क्षेत्रथ  
 तीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतरहीत नावथकी अ  
 रूपी गुणथकी चालवानुं साह्य अधर्मास्तिकाय इव्यथी  
 एक इव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतरहि  
 न नावथकीअरूपी गुणथकी थिररहेवानुसाह्य आकाशा  
 स्तेकाय इव्यथकीतो एक इव्य क्षेत्रथकी लोकालोकप्रमा  
 णे कालथकी आदिअंतरहीत नावथकी अरूपी गुणथ  
 कीनाजनगुण काल इव्यथकीतो अनंता इव्य क्षेत्रथकी  
 अढाईपप्रमाण कालथकी आदिअंतरहित नावथकी  
 अरूपीगुणथकी वर्त्तमानगुण पुज्जलास्तिकाय इव्यथकीतो  
 अनंता इव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाण कालथकी आदिअंतस  
 हित नावथकीरूपी गुणथकी गलेने मिले जीवास्तिका  
 य इव्यथकीतो अनंता इव्य क्षेत्रथकीलोकप्रमाणे का  
 लथकी आदिअंतरहित नावथकी अरूपी गुणथकी चै  
 तनगुण इतिदशमधारसमाप्त

हवे इग्यारमुं आझाधार कहेवे जीवचेतन आझामां  
 हेपणठे अने आझाबाहेरपणठे तेकिणन्याय सावयरुत  
 व्यआश्री आझानेबाहेरठे अने निरवय रुतव्यआश्री आ  
 झामांहेवे अजीव अचेतनते आझामांहेपणनही ने आ

झावारपण नही तेकिन्याय अजीवतो आझाअणआ  
 झा उंजखेनही तेकेम वीतरागनी आझा अनाझापाले जो  
 पेनही पुण्य पाप ने बंध एत्रण आझामांहेपणनही ने आ  
 झावाहेरपणनही एपणअजीवठे आश्रवना पांचजेद १  
 मिथ्यात्व २ अविरत ३ प्रमाद ४ कपाय एचारआझावा  
 हरठे अने योगाश्रवना वेजेद एक सावद्ययोग बीजो  
 निरवद्ययोग तेमांसावद्ययोगतो आझावाहेरठे अने नि  
 रवद्ययोगतो आझामांहेठे संवरआझामांहेठे ते किण  
 न्यायेंठे कर्मानेरोके ने आत्मावशकरे एवीतरागनीआ  
 झाठे निर्जरा आझामांहेठे तेकिन्यायें आझामांहेतो  
 जे कर्मतोडवानुं उपाय ए करणीवीतरागनी आझामांहे  
 ठे इणन्याय मोक्ष आझामांहेठे तेकिन्याय कर्मासुंमू  
 कावीने सकलकर्मरहित हुवेते वीतरागनीआझामांहेठे  
 इणन्याय मोक्षआझामांहेठे इतिएकादसम द्वार समाप्त

हिवेवारमो ज्ञेय द्वारकहेठे जीवनेजीवजाणवो अजी  
 वनेअजीवजाणवो पुण्यनेपुण्यजाणवो पापनेपापजाण  
 वो आश्रवनेआश्रवजाणवो सवरनेसंवरजाणवो निर्ज  
 रानेनिर्जरजाणवो बंधनेबंधजाणवो मोक्षनेमोक्षजाण  
 वो एनवपदार्थजाणवा योग्यकह्या श्यामे आदरवाय  
 ग्यतीनठे एकसंवर बीजोनिर्जरा ने त्रीजोमोक्ष बाकीर

ठगंमवा योग्यते जीवनेठगंमवायोग्य किणन्याय आप  
राजीवरोतो जाजनकरवो उरकिणहीजीवउपर ममता  
नहीकरवी इणन्याय जीवने ठगंमवायोग्यकह्यो अजीवने  
ठगंमवायोग्य किणन्याय किणहीं अजीवउपर ममतान  
करवी इणन्यायअजीवनेठगंमवायोग्य पुण्यपापठगंमवा  
योग्यतेकिणन्यायपुण्य पापतोकर्मठे ते कर्मतोतोडीने दू  
रकरणा इणन्याय पुण्यपापनेठगंमवायोग्यठे आश्रवने ठो  
डवायोग्यते किणन्यायठे आश्रवते कर्मग्रहवानोवपायठे  
कर्म आववानुंवारणुं ते वारणोरुंधणु अने आत्मावसक  
रणो इणन्याय आश्रवने ठगंमवायोग्यठे बंधनेठगंमवायो  
ग्य किणन्याय बंधतोशुजा शुनकर्मठे ते कर्मतोडीनेदूरां  
करणा इणन्याय बंधनेठगंमवायोग्यठे इति द्वादशम द्वार.

हिवेतैरमुं तलाव द्वारकहेठे तलावरूपीजीवजाणवुं  
अतलावतेतलाव बाहेजरूप अजीवजाणवो निकलता  
पाणीरूप पुण्यपापजाणवु नालारूपआश्रवजाणवुं बंधां  
रूपसंवरजाणवो मोरीरूपनिर्जराराजाणवो माहेलापाणी  
रूपबंधजाणवो रीतातलावरूप मोक्षजाणवो इतित्रयो  
दशम द्वार इति स्वामिजीश्री १००८ श्री निपनजीरु  
त तेरांद्वारनुं विचार समाप्तः

॥ श्रीजिनायनम ॥

अथ

॥ श्रीचण्डीसजिनस्तुतिप्रारंभः ॥

प्रथम श्रीरूपनजिनस्तवनं

रागप्रजाति

वेकरजोडीप्रणमुंसदा ॥ युगध्यादेध्यादिजिणंदा ॥ क  
रमरिपुगजवपरे ॥ मृगराजमुणंदा ॥ प्रणमुंप्रथमजिणं  
दने ॥ जयजयजिणचंद ॥ १ ॥ एध्याकणी ॥ अनुकूल  
प्रतिकूलसमसही ॥ तपविविधतपदा ॥ चेतनतननिन्न  
लेखवी ॥ ध्यानसुक्कध्यावदा ॥ प्र० ॥ २ ॥ पुदगलसु  
खथरिपेखिया ॥ दु खहेतुजयाला ॥ विरक्तचित्तविगटघो  
इस्यो ॥ जाण्याप्रत्यक्षजाला ॥ प्र० ॥ ३ ॥ सवेगसरो  
वरजूलतां ॥ उपशमरसलीनो ॥ निंदास्तुतिसुखडु ख ॥  
समजावसुचीनो ॥ प्र० ॥ ४ ॥ वासीचंदनसमपणे ॥ स  
मचित्तजिनध्यायां ॥ इमतनसारतजीकरी ॥ प्रभुकेवल  
पाया ॥ प्र० ॥ ५ ॥ हुंबलेहारीयाहरी ॥ वाहावाहा  
जिनराया ॥ वाइदशाकदध्यावसि ॥ मुज्जमनउमाह्यां ॥  
प्र० ॥ ६ ॥ संवतउंगणीसेनाइवे ॥ दशमीदीत्यवार ॥  
रूपनजिनंदरटवेकरी ॥ दुउहर्षथपार ॥ प्र० ॥ ७ ॥



## अथ अजितजिनस्तवन.

अहोप्रभुअजितजिणोसरआपरो ॥ ध्यावुंध्यानहमेस  
 हो ॥ अहोप्रभुअसरणसरणतुहीसही ॥ मिटेशकलकले  
 सहो ॥ अहोप्रभुतुमहीदायकशिवपंधना ॥ १ ॥ अहो  
 प्रभुउपशमरसनरीआपरी ॥ वाणीसरसरसाजहो ॥  
 अहोप्रभुमुंक्तिनिसरणीमहामनोहर ॥ सुण्यामिटेशमजा  
 जहो ॥ अ० ॥ २ ॥ अहोप्रभुउजयबंधणआपआखि  
 या ॥ रागवेपविकराजहो ॥ अहोप्रभुहेतुएनरकनिगोद  
 ना ॥ राच्यामूरखवाजहो ॥ अ० ॥ ३ ॥ अहोप्रभुरम  
 णीराखशणीसमीकही ॥ विषयवेलमोहजाजहो ॥ अ  
 होप्रभुकामनेजोगकिंपाकशा ॥ दास्यादीनदयाजहो ॥  
 अ० ॥ ४ ॥ अहोप्रभुविविधउपदेशदेइकरी ॥ तेंताखा  
 नरनारहो ॥ अहोप्रभुनवसिंधुपोतेतुहीसही ॥ तुंहीजगत  
 आधारहो ॥ अ० ॥ ५ ॥ अहोप्रभुसरणोआयोतुजसा  
 हेवा ॥ वसीरह्याहीयामायहो ॥ अहोप्रभुआगमवयण  
 अंगीकरी ॥ रह्योध्यानतुजध्यायहो ॥ अ० ॥ ६ ॥ अ  
 होप्रभुसंवतओगणीसेनेजाइवे ॥ दसमीआदित्यवारहो ॥  
 अहोप्रभु आपतणागुणगावीया ॥ वत्थो जयजयकार  
 हो ॥ अ० ॥ ७ ॥

## अथ संजवजिनस्तवन.

संजवसाहेबसमरीये ॥ ध्यायोहोजिणनिर्मलध्यान  
 के ॥ एकपुंजलदृष्टउथापीने ॥ कीधोहेमनमेरुसमानके  
 संजवसाहिवसमरिये ॥ १ ॥ एथांकणी ॥ तनचचलता  
 भेटने ॥ दुआहेजगथीउदासीनके ॥ ध्यानसुक्कथिरचित्त  
 करी ॥ उपशमसुखमेंहोइरह्यालीनके ॥ सं० ॥ २ ॥ सु  
 खइंझादिकनासहु ॥ जाएयाहोप्रभुअनीतअसारके ॥ नो  
 गनयंकरकहुकफल ॥ पेखेयाहेंडुरगतदातारके ॥ सं० ॥  
 ॥ ३ ॥ सुधासंवेगरसेकरी ॥ पेख्याहेंपुजलमोहपासके  
 अरुचअनादरआणीने ॥ आत्मध्यानेकरताविलासके ॥  
 सं० ॥ ४ ॥ संगठांडीमनवशकरी ॥ इइयदमनकही  
 डुरदंतके ॥ विविधतपेंकरीस्वामीजी ॥ घातीकर्मनोकी  
 धोअंतके ॥ सं० ॥ ५ ॥ हुंतुजसरणेआवियो ॥ कर्म  
 विदारणतुंप्रभुवीरके ॥ तंतनमनवचनवशकिया ॥ डुक  
 रकरणीकरणमहाधीरके॥सं० ॥ ६ ॥ संवतअगणीसने  
 जाइवे ॥ सुदिइग्यारसआणविनोदके ॥ संजवसाहिवस  
 मरिया ॥ पामेहेमनअधिकप्रमोदके ॥ सं० ॥ ७ ॥

## अथ अजिनंदनजिन स्तवन.

तीर्थकरहोचोथाजगनाणठांडिग्रहवासकरीमतिनिर्म

॥ विषयविटंबनाहोत्यजियाविषफलजाण ॥ अजिनंदन  
 उंनितमनरली ॥ १ ॥ एथांकणी ॥ ५ करकरणीहोकीधी  
 प्रापदयाल ॥ ध्यानशुधारससमदममनगली ॥ संगठां  
 योहोजाणीमायाजालके ॥ अ० ॥ १ ॥ वीररसेकरीहोको  
 ॥ तपस्याविशाल ॥ अनित्यअशरणथमुननावेंथगदली  
 नगजूतोहोजाण्योआपकपाल ॥ अ० ॥ ३ ॥ आत्म  
 मंत्रीहोसुखदातासमपरिणाम ॥ एहीजअमित्रअमुनना  
 कलकली ॥ एहवीनावनाहोजायाजिनगुणधाम ॥ अ०  
 ॥ ४ ॥ लीनसंवेगेहोध्यायाशुक्लध्यान ॥ द्वायकश्रेणीच  
 ॥ दुआकेवली ॥ प्रभुपायाहोनिरावरणमुनाण ॥ अ० ॥  
 ॥ ५ ॥ उपशमरसनीहोवागरीप्रभुवाण ॥ तनमनप्रेम  
 यायाजनसाजली ॥ तुमवचधारीहोपान्थापरमकल्याण  
 ॥ अ० ॥ ६ ॥ जिनअजिनंदनहोगायातनमनधार ॥  
 संवतओगणीसेनेजाइवे ॥ अगदलीसुदिश्र्यारसहोदुओ  
 हर्षअपार ॥ अ० ॥ ७ ॥

॥ अथ सुमतिजिनस्तवन ॥

सुमतिजिणोसरसाहेबसोनता ॥ सुमतिकरणसंसार ॥  
 सुमतिजंप्याथीसुमतिवधेघणी ॥ सुमतिसुमतदातार ॥  
 सु० ॥ ३ ॥ एथांकणी ॥ ध्यानशुधारसनिर्मलध्यायिने ॥

पायाकेवलनाण ॥ वाणसरसरजनवहुताखा ॥ तिमर  
 हरणजगनाण ॥ सु० ॥ १ ॥ फिटिकसिंहासणजिनजी  
 फावता ॥ तरुअशोकउदार ॥ ठत्रचामरनामंडलनलक  
 ता ॥ सुरडंडुनिजणकार ॥ सु० ॥ २ ॥ पुष्पविष्टिवरसुर  
 धवनीदीपता ॥ साहिवजगसिणगार ॥ अन्नंतज्ञानदर्शन  
 सुखबलघणुं ॥ एडवादशगुणश्रीकार ॥ सु० ॥ ४ ॥ वा  
 णीगुधारसचपशमरसनरी ॥ डुर्गतिमूलखपाय ॥ शिव  
 सुखनाअरिशब्दादिककह्या ॥ जगतारकजिनराय ॥ सु०  
 ॥ ५ ॥ अंतरजामीरेसरणेआपरे ॥ दुंआयोअवधार ॥ ध्या  
 नतुमारोनिशदिनसांजरे ॥ सरणागतसुखकार ॥ सु० ॥ ६ ॥  
 संवतआगणीसेरेसुदपखनाइवे ॥ वारसमंगलवार ॥ सुम  
 तिजिणेसरसाहिवसमरिया ॥ आणंदहर्षअपार ॥ सु० ॥ ७ ॥

अथ पदमप्रजजिनस्तवन.

निलेपपद्मजिसाप्रभु ॥ पद्मप्रभुपीठाण ॥ संयमलीयोत्ति  
 णसर्मे ॥ पायांचोथोनाण ॥ पद्मप्रजनितसमरिये ॥ १ ॥  
 एआंकणी ॥ ध्यानशुक्लप्रभुध्यायने ॥ पायांकेवलसोय ॥  
 दीनदयालतणीदिशा ॥ कंहुणीनआवेकोय ॥ पद्म०  
 ॥ १ ॥ समदमउपशमरसनरी ॥ प्रभुतुमतणीवाणि ॥ त्रि  
 भुवनतिलंकतुंहीसही ॥ तुंहीजनकसमान ॥ पद्म० ॥

॥३॥ तुंप्रचुकत्पतरुसमो ॥ तुंचिंतामणीसोय ॥ समरण  
 करताआपरो॥मनवांठितहोय॥पद्म०॥४॥ सुखदाइसद्गुज  
 गजणी॥तुंहीदीनदयाल ॥सरणेआयोतुजसाहिवा॥तुंहीप  
 रमरूपाज ॥ पद्म० ॥ ५ ॥ गुणगातांमनगहगहे ॥ सुख  
 संपत्तजाण ॥ विघ्नमिटेसमरणकिर्या ॥ पामेपरमकव्याण॥  
 पद्म० ॥ ५ ॥ संवतओगणीसेनेजाइवे ॥ सुदिबारसदेख॥  
 पद्मप्रनरटयालादणुं ॥ हूओहर्पविशेष ॥ पद्म० ॥ ७ ॥

### अथ सुपार्श्वजिनस्तवन.

सुपारससातमांजिणंदए ॥ त्यांनेसेवेसुरनरवृंदए ॥ सेव  
 कपूरणआसए ॥ नजिर्येंनित्यस्वामिसुपासए ॥ १ ॥ ए  
 आंकिणी ॥ जिनप्रतिबोधणकामए ॥ प्रचुवागरिवाणअ  
 मामए ॥ संसारथीहुआठदाशए ॥ ज० ॥ २ ॥ पाम्या  
 कामनोगथीठडेगए ॥ वलीउपजेपरमसंवेगए ॥ एहवातु  
 मवचनसरसविलासए ॥ ज० ॥ ३ ॥ घणीमीठीचक्रीनी  
 खीरंए ॥ वलीखीरसमुड्नोनीरए ॥ एहथीतुमवचनअ  
 धिकविमासए ॥ ज० ॥ ४ ॥ सांजलनेजनवृंदए ॥ रोम  
 रोममेपामेंआनंदए ॥ जियांरीमिटेनरकादिकत्रासए ॥  
 ज० ॥ ५ ॥ तुंप्रचुदीनदयालए ॥ तुंहीअसरणसरणनि  
 हाजए ॥ हुंहुंतुमारोदासए ॥ ज० ॥ ६ ॥ संवत

योगणीसेसोयए ॥ जाइवामुदितेरसजोयए ॥ पोचीम  
ननीआसए ॥ ज० ॥ ४ ॥

अथ चंद्रप्रजजिनस्तवन.

होप्रभुचदजिनेसरचंद्रजिस्या ॥ वाणीशीतलचंदसीनिहा  
लहो ॥ प्रभुउपशमरसजिनसांजले ॥ मिटेकर्मभ्रममोह  
जालहो ॥ प्रभु० ॥ १ ॥ एआकणी ॥ होप्रभुसुरतमु  
झासोजती ॥ वारुरूपअनूपविशालहो ॥ प्रभुइंद्रमुचिजि  
ननिरखतां ॥ तेतोतृप्तनहुएनिहालहो ॥ प्रभु० ॥ २ ॥  
अहोवीतरागप्रभुतुहीसही ॥ तुमध्यानध्यावेचित्तरोकहो  
॥ प्रभुतुमतुल्यतेहुएध्यानथी ॥ मनपायापर्मसंतोकहो ॥  
प्रभु० ॥ ३ ॥ होप्रभुलीनपणेतुमेध्याविया ॥ पामेइंझा  
दिकनीरुद्धिहो ॥ वलेविविधजांतसुखसंपदा ॥ जहेआ  
मोसहीआदिलब्धिउहो ॥ प्रभु० ॥ ४ ॥ नरेंद्रपदपामेसही ॥  
चरणसहीतध्यानतनमनहो ॥ वलेअहमिंद्रपदपावेसही ॥  
निश्चजकियाथारोजजनहो ॥ प्रभु० ॥ ५ ॥ होप्रभुसर  
णेआयोतुजसाहेबा ॥ तुमध्यानधरुंदिनरयणहो ॥ प्रभु  
तुममिलवामुजमनउमह्यो ॥ तुमसरणाथीसुखचेनहो ॥  
प्रभु० ॥ ६ ॥ संवतयोगणीसेनेजाइवे ॥ सुदितेरसबुध  
वारहो ॥ प्रभुचंद्रजिनेश्वरसमरिया ॥ दुआआनंदहर्ष  
अपारहो ॥ प्रभु० ॥ ७ ॥

जेजेश्रेयवस्तुसंसारमें तेतेआपकरीअंगीकाररे ॥ श्रेयांस  
 जिनेसिरप्रणमुनितवेकरजोडरे ॥ १ ॥ समितिगुप्तिडधर  
 गणा ॥ धर्मसुक्कध्यानउदाररे ॥ एश्रेयवस्तुशिवदायनी ॥  
 आपआदरीहर्षअपाररे ॥ श्रे० ॥ २ ॥ तनचचलतामेट  
 ने ॥ पद्मासनआपविराजरे ॥ उत्कृष्टोध्यानतिणोकियो ॥  
 आतत्वनश्रीजिनराजरे ॥ श्रे० ॥ ३ ॥ इंद्रीयविषयवि  
 कारथी ॥ नरकादिकेरुलियोजीवरे ॥ कामनेनोगकिंपा  
 कस्या ॥ रहियेदूरथीदूरसदीवरे ॥ श्रे० ॥ ४ ॥ संयमत  
 पजपशीलए ॥ शिवसाधनमहासुखकाररे ॥ अनित्यअ  
 सरणअनंतए ॥ धखोनिर्मलध्यानउदाररे ॥ श्रे० ॥ ५ ॥  
 स्त्रीयादिकनासंगते ॥ आलिवनडु खवाताररे ॥ अशुद्ध  
 आलिजनठांडने ॥ धखोध्यानआलंवनसाररे ॥ श्रे० ॥ ६ ॥  
 सरणेआयोतुजसाहिबा ॥ वारंवारकरुंनमस्काररे ॥ उ  
 गणीसेपुनमनाइवे ॥ मुजवर्त्याजयजयकाररे ॥ श्रे० ॥ ७ ॥

अथ श्री वासुपुज्यजिनस्तवन.

द्वादशमाजिनवरजजिये ॥ रागदेषमद्वरमायातजिये  
 लालवरणतनढवीजाणी ॥ प्रभुवासपुज्यनजलेप्राणी ॥ १  
 विनीताजाणीवेतरणी ॥ शिवसुंदरवरवाहोंसधणी ॥ काम  
 ज्या ॥ ५५ ॥ प्र० ॥ १ ॥ अंजनमंजणसुअ

लगा ॥ वलीपुष्पविलेपननहीवलगा ॥ कर्मकाटयाध्या  
 नमुझाधारी ॥ प्र० ॥ ३ ॥ इत्यकीअधिकाओपे ॥ करु  
 णागरकदेहिंनहीकोपे ॥ वरसाकरदूधजिसीवाणी ॥ प्र०  
 ॥ ॥ ॥ स्त्रीस्नेहपासादूरदंता ॥ कह्यानरकनिगोदतणार्प  
 था ॥ इहजवपरजवडु खदाणी ॥ प्र० ॥ ५ ॥ गजकुं  
 नदलमृगराजहणी ॥ पणदोहलीनिजआत्मादमणी ॥  
 इमसुणीबहुजीवचेत्याजाणी ॥ प्र० ॥ ६ ॥ जाइवापुन  
 मओगणीसो ॥ करजोमनमुवासुपुज्यइसो ॥ प्रभुगातारो  
 मरायवलसाणी ॥ प्र० ॥ ७ ॥

### अथ श्री विमलजिनस्तवन.

सरणोतिहारेहोविमलप्रभु ॥ सेवकनीअरदाश ॥  
 आयोसरणतिहारेहो ॥ विमलकरणप्रभुविमलनाथजी ॥  
 विमलआपमलरहीत ॥ विमलध्यानधरताहुएनिर्मल ॥  
 तनमनलगीप्रीत ॥ साहेबसरणतिहारेहो ॥ १ ॥ विम  
 लध्यानप्रभुआपध्यायां ॥ तिणसुंदुआविमलजगदीस ॥  
 विमलध्यानवलीजेकोइध्यासी ॥ होसीविमलसरीस ॥  
 ॥ सा० ॥ २ ॥ विमलग्रहेवासेइव्यजिनइथा ॥ दिह्यालि  
 याजावेसाथ ॥ केवलउपनाजावेजिनेसर ॥ जावेविमल  
 आराय ॥ सा० ॥ ३ ॥ नामथापनाइव्यविमलथी ॥



कार्यनसरेकोय ॥ नावविमलथीकार्यसुधरे ॥ नावजप्यां  
 शिवहोय ॥ सा० ॥ ४ ॥ गुणगीरवागंजीरधीरतुं ॥ तुंमे  
 टणजमत्रास ॥ मेंतुमवयणआगमसिरधाखां ॥ तुंमुज  
 पूरणआस ॥ सा० ॥ ५ ॥ परमदयालरुपालसाहेब ॥  
 शिवदायकतुजगनाथ ॥ निअलध्यानकरेतुजओलखि ॥  
 तोमिलेतुजसंघात ॥ सा० ॥ ६ ॥ अंतरजामीआपठ  
 जागर ॥ मेंतुमसरणोलीय ॥ संवतओगणीतेंनाइवेपुंनम  
 वंठीतकार्यसिद्ध ॥ सा० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीअनंतजिनस्तवनं.

अनंतनाथजिनचउढमा ॥ जिनरायारे ॥ इव्यचोथेगुण  
 ठाण ॥ स्वामिसुखदायारे ॥ नावेजिनहुएतेरमे ॥ जि  
 न० ॥ एटलेइव्यजिनजाण ॥ स्वामि० ॥ १ ॥ जिनच  
 क्रिसुरजुगजियां ॥ जि० ॥ वासुदेववलदेव ॥ स्वा० ॥ पं  
 चमुगुणपावेनही ॥ जि० ॥ यांरीरीतअनादिस्वमेव ॥ स्वा०  
 ॥ २ ॥ टीकालोवीतिणसमे ॥ जि० ॥ आयासातमेंगुं  
 णठाण ॥ स्वा० ॥ अंतरमुहूर्त्ततिहारही ॥ जि० ॥ ठठेंव  
 हुस्थितिजाण ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ आठमांथीदोयश्रेणीठे  
 ॥ जि० ॥ उपशमरूपकपिठाण ॥ स्वा० ॥ ४ ॥ उपश  
 मजायअग्यारमे ॥ जि० ॥ मोहदबावतोजाण ॥ स्वा०

॥ ४ ॥ श्रेणीउपशमजिननवीलहे ॥ जि० ॥ रूपकश्रेणी  
 धरिखंत ॥ स्वा० ॥ चारित्रमोहखपावतां ॥ जि० ॥ चढी  
 यांध्यानअत्यंत ॥ स्वा० ॥ ७ ॥ नवमेआदिसंज्वलचठा ॥  
 जि० ॥ अंतसमेएकलोच ॥ दशमेसुक्ष्मात्रते ॥ जि० ॥  
 सागारउपयोगसोज ॥ स्वा० ॥ ६ ॥ एकादशमोअोलं  
 धीने ॥ जि० ॥ बारमेमोहखपाय ॥ स्वा० ॥ त्रिक्रमएक  
 समयेहएया ॥ जि० ॥ तेरमेकेवलपाय ॥ स्वा० ॥ ४ ॥  
 तीर्थथापीयोगरुंधीने ॥ जि० ॥ चवदमाथीसिद्धपाय ॥  
 स्वा० ॥ आगणीसपुनमजाइवे ॥ जि० ॥ अनंतरट्याह  
 रखाय ॥ स्वा० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीधर्मजिनस्तवन.

धर्मजिनधर्मतणाधोरी ॥ त्रकटमोहपासनाख्यात्रोडी ॥  
 तीरणधर्मआत्मसंजोडी होप्रभुधर्मदेवप्यारा ॥ १ ॥ सु  
 कलध्यानअमृतरसलीना ॥ संवेगरसेकरीजिनजीना ॥  
 प्यालाप्रभुउपशमनापीना ॥ हो० ॥ २ ॥ पुजलसुखअ  
 रिजाएयास्वामी ध्यानधिरचित्तआत्मधामी ॥ जोडीजुग  
 केवलनीपामी ॥ हो० ॥ ३ ॥

ला ॥ १५ ॥

॥

प्याप्रभुचारतीरथतायो

कार्यनसरेकोय ॥ नावविमलथीकार्यसुधरे ॥ नावजप्यां  
 शिवहोय ॥ सा० ॥ ४ ॥ गुणगीरवागंजोरधीरतुं ॥ तुंमे  
 टणजमत्रास ॥ मेंतुमवयणआगमसिरधाखां ॥ तुंमुज  
 पूरणआस ॥ सा० ॥ ५ ॥ परमदयालरूपालसाहेब ॥  
 शिवदायकतुंजगनाथ ॥ निश्चलध्यानकरेतुजओलखि ॥  
 तोमिलेतुजसंघात ॥ सा० ॥ ६ ॥ अंतरजामीआपठ  
 जागर ॥ मेंतुमसरणोलीध ॥ संवतओगणीसेनाइवेपुनम  
 वठोतकार्यसिद्ध ॥ सा० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीअनंतजिनस्तवनं.

अनंतनाथजिनचउठमा ॥ जिनरायारे ॥ इव्यचोथेगुण  
 ठाण ॥ स्वामिसुखदायारे ॥ नावेजिनहुएतेरमे ॥ जि  
 न० ॥ एटलेइव्यजिनजाण ॥ स्वामि० ॥ १ ॥ जिनच  
 किसुरजुगलियां ॥ जि० ॥ वासुदेवबलदेव ॥ स्वा० ॥ पं  
 चमुगुणपावेनही ॥ जि० ॥ चांरीरीतअनादिस्वमेव ॥ स्वा०  
 ॥ २ ॥ दीक्षाजीवीतिणसमे ॥ जि० ॥ आयासातमेंगुं  
 णठाण ॥ स्वा० ॥ अंतरमुदूर्चतिहारही ॥ जि० ॥ ठठेव  
 दुस्वितिजाण ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ आठमांथीदोयश्रेणीठे  
 ॥ जि० ॥ उपशमरूपकपिठाण ॥ स्वा० ॥ ४ ॥ उपश  
 मजायअग्यारमे ॥ जि० ॥ मोहदबावतोजाण ॥ स्वा०

॥ ४ ॥ श्रेणीउपशमजिननवीजहे ॥ जि० ॥ रूपकश्रेणी  
 परित्वंत ॥ स्वा० ॥ चारित्रमोहखपावता ॥ जि० ॥ चढी  
 यांध्यानअत्यंत ॥ स्वा० ॥ ५ ॥ नवमेंथादिसंज्वलचठा ॥  
 जि० ॥ अंतसमेएकलोन ॥ दशमेसुक्षमात्रते ॥ जि० ॥  
 सागारउपयोगसोन ॥ स्वा० ॥ ६ ॥ एकादशमोअोलं  
 धीने ॥ जि० ॥ बारमेंमोहखपाय ॥ स्वा० ॥ त्रिक्रमएक  
 समयेहएया ॥ जि० ॥ तेरमेंकेवलपाय ॥ स्वा० ॥ ७ ॥  
 तीर्थयापीयोगरुंधीने ॥ जि० ॥ चउदमांथीसिद्धयाय ॥  
 स्वा० ॥ योगणीसपुनमनाइवे ॥ जि० ॥ अनंतरटयाह  
 रवाय ॥ स्वा० ॥ ८ ॥

### अथ श्रीधर्मजिनस्तवन.

धर्मजिनधर्मतणाधोरी ॥ त्रकटमोहपासनाख्यात्रोडी ॥  
 तीरणधर्मआत्मसुंजोडी होप्रभुधर्मदेवप्यारा ॥ १ ॥ सु  
 कलध्यानअमृतरसलीना ॥ संवेगरसेकरीजिनजीना ॥  
 प्यालाप्रभुउपशमनापीना ॥ हो० ॥ २ ॥ पुजलसुखअ  
 रिजाएयास्वामी ध्यानधिरचित्तआत्मधामी ॥ जोडीजुग  
 केवलनीपामी ॥ हो० ॥ ३ ॥ जाएयाशब्दादिकमोदजा  
 ला ॥ रमणीसुखकंपाकसमकाला ॥ हेतुनरकादिकहुःख  
 आला ॥ हो० ॥ ४ ॥ थाप्यांप्रभुचारतीरथतायो ॥ आत्मोप

र्मेजिनआज्ञामायो ॥ आज्ञाबाहिरअधर्मदुःखदायो ॥ हो०  
 ॥ ५ ॥ विर्तधर्मधर्मजिनअख्याता ॥ अविरतिकहीअधर  
 मडुखदाता ॥ सावयनिरवयजूवांजूवांकयाखाता ॥ हो० ॥  
 ॥ ६ ॥ बहुजिनतारीमुक्तिपाया ॥ योगणीसैंआसोजधुरदि  
 नआया ॥ धर्मजिनरटवेसुखपाया ॥ हो० ॥ ७ ॥

अथ श्रीसांतिजिनस्तवन.

शांतिकरणप्रभुशांतिनाथजी ॥ सुखदायकशिवकंद  
 की ॥ बलिहारीहोसांतिजिणंदकी ॥ १ ॥ उपशमवाणी  
 सुधारसीअनुपम ॥ भेटणमिथ्यात्वमंदकी ॥ व० ॥ २ ॥  
 कामजोगरागद्वेषकटुकफल ॥ विष्वेलमोहअंधकी ॥ व०  
 ॥ ३ ॥ राक्षणीरमणीवेतरणी ॥ पापपुतलीअसुचडुरगं  
 धकी ॥ व० ॥ ४ ॥ विविधउपदेशवेइजिनताखां ॥ हुं  
 बलिहारीजाठंविश्वानंदकी ॥ व० ॥ ५ ॥ परमदयालु  
 बालकपानिधि ॥ तुजजयमालाआनंदकी ॥ व० ॥ ६ ॥ उं  
 गणीसैंआसोजविदिएकम ॥ शांनलतासुखकंदकी ॥ व० ॥ ७

अथ श्रीकुंथुजिनस्तवन रागप्रजाती.

कुंथुजिनेसरकरुणासागर ॥ त्रिभुवनतिरटीकोरे ॥  
 प्रभुजीकोसमरणकरनीकोरे ॥ १ ॥ अद्भुतरूपअनूपम  
 कुंथुजिन ॥ दर्शनजगप्रीयकोरे ॥ प्र० ॥ २ ॥ उपशम

वाणीसुधारसत्वनूपम ॥ बालहोजनविरवेकोरे ॥ प्र० ॥ ३ ॥  
 अनुकंपादोयश्रीजिननापी ॥ मर्मएसमदृष्टीकोरे ॥ प्र०  
 ॥ ४ ॥ असंयतीरोजीवणोवठे ॥ तेसावद्यतहतीकोरे ॥  
 प्र० ॥ ५ ॥ निरवद्यकरुणाकरीजिनताखां ॥ धर्मवेजि  
 नजीकोरे ॥ प्र० ॥ ६ ॥ उगणीसेआसोजवदीएकम ॥  
 सरणोसाहेवजीकोरे ॥ प्र० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीअरजिनस्तवन रागशोरठ

अरीजिनक्रमअरीनांहंता ॥ जगतउद्धारणजिहाज ॥  
 महनेप्याराजागोठोजीअरिहजिनराज ॥ महनेवालाला  
 गोठोजी ॥ अरेंहमहाराज ॥ १ ॥ वारुंरेजिनेसररूपअनू  
 पम ॥ तुंसुगुणसीरताज ॥ महा० ॥ २ ॥ परितहउप  
 सर्गरूपअरिहया ॥ पायाठोकेवलथाज ॥ महा० ॥ ३ ॥  
 नयणनधापेनिरखतांजी ॥ इंडाणीसुरराज ॥ महा० ॥ ४ ॥  
 वाणीविशालदयालपुरुषनी ॥ जूपट्टपाजावेनाज ॥ महा०  
 ॥ ५ ॥ सरणोआयोस्वामरेजी ॥ अविचलसुखरेकाज ॥  
 महा० ॥ ६ ॥ अगणीसेआसोजवदीएकम ॥ आनंद  
 उपनुंथाज ॥ महा० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीमल्लीजिनस्तवन रागप्रजाती.

नीजवरणमल्लीजिनेसर ॥ ध्याननिर्मलध्यायो ॥ अथ

कालमाहेप्रभु ॥ परमज्ञानपायो ॥ मल्लीजिनेसरसमरना  
 म ॥ सरणसरणध्यायो ॥ १ ॥ कल्पपुष्पमालाजेम ॥  
 सुगंधतनसुंहायो ॥ सुरवधुवरनयणत्रमर ॥ अधिकहिं  
 लपटायो ॥ म० ॥ २ ॥ स्वपरचक्रविविधविघने ॥ मिट  
 ततुजपत्तायो ॥ सिंहनादथकीर्जेंद्रजेमदूरजायो ॥ म०  
 ॥ ३ ॥ बाणीविमलनिर्मलसुधा ॥ रससंवेगठायो ॥ न  
 रसुरासुरत्रिय समजसुणतहरखायो ॥ म० ॥ ४ ॥ ज  
 गदयालतुंहीक्रपाल ॥ जनकज्युंसुखदायो ॥ वृहजनाथ  
 स्वामसाहिब ॥ सुजशतिलकपायो ॥ म० ॥ ५ ॥ जप्त  
 जापखप्तपाप ॥ तप्ततहिंमिटायो ॥ मल्लीदेवत्रिविधसेव  
 ॥ जगअठेरोपायो ॥ म० ॥ ६ ॥ श्योगणीसेआसोजरुझा ॥  
 त्रीजसुदिनध्यायो ॥ कुंजनदनंकरथानंद ॥ हरपथीमेंगा  
 यो ॥ म० ॥ ७ ॥

अथ श्री मुनीसुव्रतजिन स्तवन शोरठ.

सुमित्रानंदनश्रीमुनिसुव्रत ॥ तीरथनाथजिनजाणी ॥  
 चारित्रलेइकेवलउपजायो ॥ उपशमरसंनीवाणीरा ॥ प्र  
 भुजीआपप्रबलवढजागी ॥ १ ॥ त्रिभुवनदायकसागिरा  
 प्र० ॥ आ० ॥ एआंकणी ॥ चोत्रीसथतिशयपेंत्रीसवा  
 णी ॥ निरखत सुरइंझाणी ॥ उपशमरसंनीवाणी ॥

सांजलीहरखसुंथांखनराणीरा ॥ प्र० ॥ आ० ॥ १ ॥ शब्द  
 रूपरसगंधनेफरस ॥ तेप्रतिकूलनैद्रुएतुमथागे ॥ पांच  
 दरशनथासुंपगनहीमंडे ॥ तिमथ्युनशब्दादिकजागेरा ॥  
 प्र० ॥ आ० ॥ ३ ॥ सुररुतजलस्थलपुष्पपुजवर ॥  
 तेवांमीचितदीनो ॥ तुजनिश्वात्सुगंधमुखपरिमल ॥ म  
 ननमररसजीनोरा ॥ प्र० ॥ आ० ॥ ४ ॥ पंचेडी  
 यनरसुरत्रीये, तुमसुतेकिमद्रुएखदायो ॥ एकेडीथन  
 लतजेप्रतीकूजपणुं ॥ वाजेगमतोवायोरा ॥ प्र० आ०  
 ॥ ५ ॥ रागद्वेपदूरदंततेदम्या ॥ जीत्याविषयविकारो ॥  
 दीनदयालथायोतुजसरणे ॥ तुगतिमतिदातारोरा ॥ प्र०  
 ॥ आ० ॥ ६ ॥ श्रीगणीसंथासोजत्रीजरुल ॥ श्रीमुनिसुव्रत  
 गायां ॥ सहरलामणुंरूडीरीते ॥ आनंदश्चधिकोपायांरा  
 ॥ प्र० ॥ आ० ॥ ७ ॥

### अथ श्री नमिजिनस्तवन.

नमिनाथश्चनाथरानाथोरे ॥ नित्यनिमणकरुंजोमी  
 हाथोरे ॥ कर्मकाटणवीरविख्यातो ॥ प्रभुनमिनाथजी  
 मुजप्यारारे ॥ १ ॥ प्रभुध्यानसुधारसध्यायारे ॥ पदकेव  
 लजोडीपायारे ॥ गुणउत्तमउत्तमथाया ॥ प्र० ॥ २ ॥  
 वागरीप्रभुवाणविशालोरे ॥ १५ ॥ ७२ नित्यपिकर



रे ॥ जगतारकदिनदयालो ॥ प्र० ॥ ३ ॥ थाप्यांतीर्य  
 चारजिणंदारे ॥ मिथ्यातिमिरहरणनेमुणंदारे ॥ त्यानेसे  
 वेसुरनरचंदा ॥ प्र० ॥ ४ ॥ सुरअनुत्तरविमाननासेवेरे  
 प्रश्नपूढ्यांचत्तरजिनदेवेरे ॥ अवधिज्ञानकरीजाणलेवे ॥  
 प्र० ॥ ५ ॥ तिहांवेठांतेतुमध्यानध्यावेरे ॥ तुमयोगमु  
 षाचित्तचावेरे ॥ तेपणआपरीनावनानावे ॥ प्र० ॥ ६ ॥  
 योगणीसेआसोजवदारोरे ॥ कृष्णत्रीजगायांगुणसारोरे  
 दूआध्यानंदहरपथपारो ॥ प्र० ॥ ७ ॥

### अथ श्रीनेमजिनस्तवन.

रिछनेमिस्वामितुंजगतार ॥ अंतरजामी ॥ तुंतोरणसुंफ  
 खोजिनस्वाम ॥ अद्भूतवातकरीतेंअमाम ॥ रि० ॥ १ ॥  
 राजमतीठांडीनेजिनराय ॥ शिवसुंदरसुंप्रीतलगाय ॥  
 रि० ॥ २ ॥ केवलपायाध्यानवरध्याया ॥ इडसुचीनिर  
 खतहरपाय ॥ रि० ॥ ३ ॥ नेरइयापणपामेमनमोद ॥  
 तुजकल्याणसुरकरतविनोद ॥ रि० ॥ ४ ॥ रागरहीत  
 शिवसुखसुंप्रीत ॥ कर्महणेवलीद्वेपरहीत ॥ रि० ॥ ५ ॥  
 अचरिजकारीथारोरेचरित्र ॥ हुंप्रणमुंकरजोडीनित ॥ रि०  
 ॥ ६ ॥ योगणीसेवदचोयकुमार ॥ नेमजंप्यापायोसु  
 खसार ॥ रि० ॥ ७ ॥

## अथ श्रीपार्श्वजिनस्तवन.

लोहकचनकरेपारसकाचो ॥ तेकरकंदोकुणलेवे ॥ पार  
 सतुप्रचुसाचोपारस ॥ आपसमोकरदेवे ॥ होपारसदेव  
 नुमारादर्शन ॥ जागनलासोइपावेहुंवारीजावं ॥ जीवम  
 गनहुइजावे ॥ १ ॥ तुजमुखकमलपारसचमरावल ॥ क  
 नकक्रांततनसोहे ॥ हंससेणजाणोपंकजसेवे ॥ देखत  
 जिनमनमोहे ॥ हा० ॥ २ ॥ फिटकसिंघासणसिंघआ  
 करो ॥ बेठवेशनादेवे ॥ वनभृगआवेवाणीसुणवा ॥ जा  
 एकसिंहनेसेवे ॥ हो० ॥ ३ ॥ चंदसमोतुजमुखमहा  
 सीतल ॥ नयणचकोरदूरखावे ॥ इंदनरेंडसुरासुररमणी ॥  
 निरखतप्रपत्तनेपावे ॥ हो० ॥ ४ ॥ आपनिरागीपाख  
 डीतरागी ॥ आपसमेंडमगेहरी ॥ वैरजावपाखंडीराखे ॥  
 पिणआपत्यारानहीवैरी ॥ हो० ॥ ५ ॥ जिमसूरजखंध  
 चोथउपरे ॥ वैरजावनहीआणो ॥ तिमतुपणप्रचुपाखंडी  
 आने ॥ खंदचोतसरिखाजाणो ॥ हो० ॥ ६ ॥ परमंद  
 यालकपालपारमप्रचु ॥ सवतयोगणीसेगाया ॥ आसो  
 जरुलतिथचोथलाडणु ॥ आनंदअधिकोपाया ॥ हो० ॥ ७ ॥

अथ श्रीमहावीरजिनस्तवन. रागसोरठ.

चरमजिणंदचोवीरमारे ॥ अगहण्यमहावीर ॥ वि

कटतपवरध्यानकरे ॥ प्रभुपायानवजलतीर ॥ नहीएसो  
 दूसरोमहावीर ॥ १ ॥ परिसहउपसर्गजीतवाप्रभु ॥ सू  
 रवीरजिमस्तधीर ॥ नही० ॥ संगमेंडुखदियाआकरारे ॥  
 पणसुप्रश्नजरदयाल ॥ जगउद्धारदुवेमोयकीरे ॥ एहु  
 वेइणकाल ॥ नही० ॥ २ ॥ देशअनार्यजिनसह्यार ॥  
 उपसर्गविविधप्रकार ॥ ध्यानसुधारसजीनतारे ॥ मनमें  
 हर्षअपार ॥ नही० ॥ ३ ॥ इणीपरेकर्मखपायने ॥ प्र  
 भुपायाकेवलज्ञान ॥ उपशमरसमाहिवागरीप्रभु ॥ अधि  
 कअनोपमवाण ॥ नही० ॥ ४ ॥ पुजजसुखअरिशिवत  
 णारे ॥ नरकतणादातार ॥ ठांडिरमणाकिंपाकवेज ॥  
 संवेगसंयमधार ॥ नही० ॥ ५ ॥ निंदास्तुतिसुखडुःखेरे ॥  
 मानअनेअपमान ॥ हर्षशोकमोहपरहृत्कारें ॥ पामें  
 पदनिरवाण ॥ नही० ॥ ६ ॥ इणिपरेबहुजनतात्याप्र  
 भु ॥ प्रणमुंचरमजिणंद ॥ अयोगणीसेआसोजचोथरुझ ॥  
 पायोपरमानंद ॥ नही० ॥ ७ ॥

इति श्रीजीपनजी स्वामी तद्विष्य नारीमलजी स्वामी,  
 तद्विष्य रिपरायचंदजी, तद्विष्य जीतमलजीरुत चतु  
 विंशतिजिनस्तुति समाप्त.

## अथ अणकंपारी चोपाई प्रारंभः

॥ दूहा ॥ पोतेहणावेनही, परजीवांराप्राण ॥ हणे  
 तिणनेनलोजाणेनही, एनवकोटीपचपाण ॥ १ ॥ अ  
 नयदानदयाकही, श्रीजिणआगममांहि ॥ तोपिणध्वंध  
 उठावियो, जैनीनामधराय ॥ २ ॥ त्यांअनयदाननहि  
 ओलप्यो, दयारीपवरनकाय ॥ नोलांलोगांआगलें, कू  
 डाचोचलगाय ॥ ३ ॥ कहैसाधवचावैजीवने, औरांनेक  
 हैतुवचाय ॥ नलोजाणेवचीयांथकां, पिणपूठघापलटे  
 जाय ॥ ४ ॥ ढालपहिली ॥ चतुरनरगोडोकुगुरनोसंग ॥  
 एवेशी ॥ इणसाधारांनेपमेंजी. बोलेएहवीवाय ॥ मेंपी  
 यरठाठकायनाजी, जीववचायांजाय ॥ चतुरनरसमजोझा  
 नविचार ॥ १ ॥ एहवीकरेपरूपणा, पिणबोलेबंधनहो  
 य ॥ पलटजायपूठघांथकां, तेनोलानेपवरनकोय ॥ च०  
 ॥ २ ॥ पेटडुपेसोआवकांजी, जुदाहुवेजीवकाय ॥ सा  
 धआयातिणअवसरेंजी, हाथफेखासुखयाय ॥ च० ॥ ३ ॥  
 साधपधाखांदेपनेजी, गिरसतबोल्यावाय ॥ थेहाथफेरो  
 पेटऊपरे, सोआवकजीवाजाय ॥ च० ॥ ४ ॥ जदक  
 हेहाथनफेरणोजी, माधानेकलपेनाय ॥ थेंकहेताजीवव  
 चावणा, ॥ ५ ॥ भोकाय ॥ च० ॥ ७ ॥ गोसा

लानेवीरवचावियोजी, तिणमेंकहोढोधर्म ॥ सोश्रावक  
 नहीवचावीया, ज्यांरीसरधारोनिकळ्योनर्म ॥ च० ॥ ६ ॥  
 गोसालारेकारणोजी, लब्धफोरीजगनाथ ॥ सोश्रावकमर  
 तादेपने, येकायनफेरोहाथ ॥ च० ॥ ७ ॥ धर्मकहोन  
 गवंतने, तोपोतेकांयढोडीरीत ॥ सोश्रावकनहीवचावीया,  
 त्यांरीकुणमानसीपरतीत ॥ च० ॥ ८ ॥ गोसालानेवचावि  
 धामें, धर्मकहोसाक्षात ॥ सोश्रावकमरतादेपने, येकायन  
 फेरोहाथ ॥ च० ॥ ९ ॥ इमकह्यांजावनकपजै, जबकूडीकरेव  
 कवाय ॥ हिवेसाधकहेतुमेसांनलोजी, गोसालारोन्याय  
 ॥ च० ॥ १० ॥ साधानेंलवधनफोरणीजी, सूत्रजगोती  
 मांय ॥ पिणमोहकर्मवसरागथी, तिणसुंजियोगोसालो  
 वचाय ॥ च० ॥ ११ ॥ ठलेस्याहुंतीजदवीरमेंजी, हुंता  
 आगेईकर्म ॥ ठदमस्थचूकातिणसमेजी, मूरपयापेधर्म ॥  
 च० ॥ १२ ॥ ठदमस्थचूकपखोतिकोजी, मूढेआणेबो  
 ल ॥ पिणनिरबधकोयमजाणज्योजी, अकलहियारीपो  
 ल ॥ च० ॥ १३ ॥ ज्यूआणंदश्रावकनेघरेंजी, गोतम  
 बोल्याकूर ॥ परियाठदमस्थचूकमें, सुधदुयगयावीरहजू  
 र ॥ च० ॥ १४ ॥ इमथवसठदेमोहथावियोजी, नहिटा  
 लशक्याजगनाथ ॥ एतोन्यायनजाणियोजी, ज्यारेमांहेमू  
 लमिथ्यात ॥ च० ॥ १५ ॥ गोसालानेनहीवचावता, तो



वकवेहेगोकरेनही, पंपीमेलेमालारेमांह ॥ वेपोपूरोअं  
 धारोएहने, एचोडेजूलाजाह ॥ च० ॥ २६ ॥ पंपीमा  
 लामांहेमेजतांजी, संकेनहीमनमांय ॥ आवकनेवेगोकी  
 यामें, धर्मनसरधेकांय ॥ च० ॥ २७ ॥ इतरीसमऊपडे  
 नही, त्यामेंसमकितपावेंकेम ॥ ठकियामोहमिथ्यातमें,  
 बोलेमतवालाजेम ॥ च० ॥ २८ ॥ कहेसाधानेऊंदरतुं  
 डावणोजी, मिनकीवांसेजाय ॥ आवकवेगोकरेनही, ओ  
 किणविधमिलसीन्याय ॥ च० ॥ २९ ॥ मूसादिकनेव  
 चावताजी, मिनकीनेडु खथाय ॥ आवकनेवेगोकियाजी,  
 नहीकिणरेअंतराय ॥ च० ॥ ३० ॥ मूसादिकरेकारणे  
 जी, मिनकीनसाडेडराय ॥ आवकमरेमुपआगले, वेगो  
 नकरेहाथसंजाय ॥ च० ॥ ३१ ॥ आपरतपवातमिले  
 नहीजी, तावडाठाहडीजेम ॥ जांश्रिजिणमारगथोल  
 प्यो, त्यांरेहिरदेवेसेकेम ॥ च० ॥ ३२ ॥ कहेजायलागे  
 तोढांढापोलने, सायकाढिउघाडेडुवार ॥ आवकनेवेगोक  
 रेनही, आसरधाकरेडुवार ॥ च० ॥ ३३ ॥ ढांढादिक  
 नेपोजताजी, पपघणीठेतांहि ॥ सोआवकहाथफेखाव  
 चे, त्यांरीकांयनआणोमनमाहि ॥ च० ॥ ३४ ॥ कहे  
 ढांढापोलवचावसां, आवकरेनफेरांहात ॥ एहअज्ञानी  
 जीवरी, कोईमूरखमानेवात ॥ च० ॥ ३५ ॥ कहेगामा





जजरितमंङ्गायरे ॥ हिवेंतिणअवसरएकदेवता, त्याने  
 उपसर्गदीधोआयरे. ॥ जीवमोहअणकंपानआणीयें ॥  
 मिनकास्यालकांधेवेहसाण्यां, गलेपहेरीठेरुंढमालरे. ॥  
 लोहीराधसुंलिप्योसरीरने, हार्थेखडगदीसेविकरालरे ॥  
 जी० ॥ १ ॥ लोगधडधडलागाधूजवा, उरदेवरह्यामन  
 प्यायरे ॥ अरणकश्रावकमिगीयोनही, तिणकावसगदी  
 धोठायरे ॥ जी० ॥ २ ॥ तिणसाघारीअणसणकीयो,  
 धर्मध्यानरह्योचितध्यायरे ॥ सगलांनेजाण्याकुबतामो  
 हकुरणानआणीकायरे ॥ जी० ॥ ४ ॥ अरणकनेमगाव  
 वा, देवविधविधबोलेवायरे ॥ तुधरमनठोडसी, तारोजा  
 जडुबाउंजलमार्यरे ॥ जी० ॥ ५ ॥ उंचीउपाडनीचीना  
 खने, करसुंतगजारीधातरे ॥ कालीबोलीअमावसरा  
 जण्या, मानरेतुअरणकवातरे. ॥ जी० ॥ ६ ॥ ज्ञान  
 वरणाणम्हारावरतने, इणरोकीयोविघननयायरे ॥ हुंतोसे  
 वकहुंजगवानरो, मोनेनसकेदेवडिगायरे. ॥ जी० ॥ ७ ॥  
 लोगविलविलकरतादेखने, अरणकरोनविगखोनूररे ॥ मो  
 हकुरणनआणोकेहनी, देवउपसर्गकीधोदूररे ॥ जी० ॥ ८ ॥  
 देवधिनधिनअरणकनेकहे, तुंतोजीवादिकनोजाणरे ॥ सु  
 धर्मासनामधेताह्रा, इंडकीधावणावखाणरे ॥ जी० ॥ ९ ॥  
 अर्थकश्रावकनागुणदेखने, एतोआयादेवारीदायरे ॥ दो

यकुंडलरीजोडीआपने, देवआयो जिणदिसजायरे ॥ जी०  
 ॥ १० ॥ नमीरायरिपिचारितलियो, तेतोवागमेंउतखोआ  
 यरे ॥ इंध्यायोतिणनेपरपवा, तेतोकिणविधबोलेवाय  
 रे ॥ जी० ॥ ११ ॥ थारीअगनकरीमिथलावलै, एकतासुंसा  
 ह्मोजोयरे ॥ अंतेउरवलतांमेलसी, आतोवातसिरेनही  
 तोयरे ॥ जी० ॥ १२ ॥ सुपवपरायोसारालोकमें, विलपादेखपु  
 त्ररतनरे ॥ ज्योतुदयापालणनेऊठिथो, तोतुकरनेयाराजत  
 नरे ॥ जी० ॥ १३ ॥ नमीकहेवसुंजीवुंसुपे, ह्यारीपलपलसफ  
 लीजातरे ॥ आतोमिथलानगरीदाजतां, ह्यारोवलेनहीतिल  
 मातरे ॥ जी० ॥ १४ ॥ ह्यारेहरपनहीमिथलारह्यां, बलीयान  
 हिसोगजिगाररे ॥ मेंतोसावजज्याणत्यागीतिका, रहीव  
 लीनचावेअणगाररे ॥ जी० ॥ १५ ॥ नमीरायरिपिआ  
 णीनही, मोहअणकंपारीवातरे ॥ समजावराखेमुगते  
 गया, करीआवक्रमारीधातरे ॥ जी० ॥ १६ ॥ ओतोकेसव  
 केरोबंधवो, ओतोनामेगजसुकमालरे ॥ तिणदिय्यालेई  
 काउसगकियो, सोमलआयोतिणकालरे ॥ जी० ॥ १७ ॥  
 माथेपालवाधीमाटीतंणी, माहिघाव्यालालअंधाररे ॥ क  
 ष्टसह्योवेदनाअतिघणी, नेमकरुणानआणीजिगाररे ॥  
 जी० ॥ १८ ॥ श्रीनेमजिणोसरजाणता,  
 मालरीधातरे ॥

नमेव्यासाथरे ॥ जी० ॥ १९ ॥ श्रीवीरजिणंदचोवीश  
 मा, जिणकलपीमोटाअणगाररे ॥ ज्यानेदेवमिनपत्रिजं  
 चना, उपसर्गऊपनाअपाररे ॥ जी० ॥ २० ॥ संगमदे  
 वतानगवानने, डुपदीवाअनेकप्रकाररे ॥ अनारजलोका  
 वीरने, स्वानादिकदीधालाररे ॥ जी० ॥ २१ ॥ चोसठइंइम  
 होठवअविद्या, दिप्यारेदिननेलाहोयरे ॥ पिणकष्टपस्यो  
 श्रीवीरने, नआयाउपसर्गटालणकोयरे ॥ जी० ॥ २२ ॥  
 डुखवेतादेखीनगवानने, अलघानकीवाआयरे ॥ समदिष्टी  
 वेवहुंताघणा, पणठोडावणरीनकाढीवायरे ॥ जी० ॥ २३ ॥  
 वेवांजाण्योश्रीवर्द्धमानरे, उदैआयादिसेठेकर्मरे ॥ अणकं  
 पाआणीविचमेंपडधां, ओतोजिणजाप्योनहीधर्मरे ॥ जी०  
 ॥ २४ ॥ धर्महुंतोतोआधोनकाढतां, वलेवीरनेडुपीयाजा  
 णरे ॥ परिसावेणआयातेहने, देवअलगाकरताताणरे ॥  
 ॥ जी० ॥ २५ ॥ आतोमठगलागलमंमरही, सारादीप  
 समझांमांहिरे ॥ नगवतकहताजोइंइने, तोथोहरामेंदे  
 तामिठायरे ॥ जी० ॥ २६ ॥ पडतीजाणोअंतरायतो,  
 अचितपवाढतपूररे ॥ एहवीशक्तिघंणीठेइंइनी, तिणथी  
 कर्मनहोवैदूररे ॥ जी० ॥ २७ ॥ चुलणीपियानेपोसामधे, देव  
 दीधांठेडुपआयरे ॥ कुणकुणहवालतिणमेंकिया, तेसां  
 नलजोचितलायरे ॥ जी० ॥ २८ ॥ तीनवेटारानवसूजा

कीया, तिणरामूहढाआगेजायरे ॥ तेलउकालनेमाहितव्या  
 बलवजतासुंठकायरे ॥ जी० ॥ २९ ॥ समापरिणा  
 मेवेदनाखमी, जांणेआपणासंच्याकर्मरे ॥ करुणानथा  
 णीथंगजातरी, तिणठोड्योनहिजिणधर्मरे ॥ जी० ॥ ३० ॥  
 मतिमारणरोकह्योनही, तेतोसावजजाणीवायरे ॥ करु  
 णानथाणीमरतादेपने, सेतोरह्योधर्मध्यानमायरे ॥ जी०  
 ॥ ३१ ॥ वेवकहेतुधर्मनठोमसो, थारेदेवगुरसमठेमायरे ॥  
 तिणनेमारुंविधआगली, थारामुंहमाआगेजायरे ॥ जी०  
 ॥ ३२ ॥ जदतुआरतध्यानध्यायने, पडसीमाठीगत  
 मेंजायरे ॥ इमसुणनेचुलणीपीयाचलगयो, मानेरापण  
 रोकरेउपायरे ॥ जी० ॥ ३३ ॥ थोतोपुरपथनार  
 जकहेजिसो, जालरापुंज्युंनकरेघातरे ॥ थोतोचडाव  
 चावणकठिथो, इणरेथानोआयोहाथरे ॥ जी० ॥  
 ॥ ३४ ॥ आणकंपाआणीजणणीतणी, तोजागावरतनेने  
 मरे ॥ देखोमोहअणकपाएहवी, तिणमेंधर्मकहीजेकेम  
 रे ॥ जी० ॥ ३५ ॥ चूलणीपीयानेसूरादेवना ॥ चूलस  
 तकनेसकडालरे ॥ यांच्यारारामाखामीकरा, देवतलीया  
 तेलउकालरे ॥ जी० ॥ ३६ ॥ जेबेटानेमरतादेखने, ना  
 णीमोहअणकंपाएमरे ॥ उठघोमातत्रियादिकराखवा,  
 तोजागावरतनेनेमरे ॥ जी० ॥ ३७ ॥ मातत्रियादिकने

रापतां, नागावरतनेबंधियाकर्मरे ॥ तोसाधजायविचमें  
 पढया, त्यांनेकिणविधहोसीवर्मरे ॥ जी० ॥ ३७ ॥ चे  
 डानेकूणकरीवारता, निरावलिकाजगोतोसाखरे ॥ मान  
 वमुवादोयसंग्राममें, एकाकोडनेएसीलाखरे ॥ जी० ॥  
 ॥ ३८ ॥ जगवतअणकंपाआणीनही, पोतेनगयानमेव्या  
 साधरे ॥ यानेपहिलापणवरज्यानही, तेतोजीवारीजा  
 णविराधरे ॥ जी० ॥ ४० ॥ एमांतोदयाअणकंपाजाण  
 ता, तोवीरविष्टीजेजायरे ॥ सगलारेसाताउपंजावता, ए  
 तोओरामेदेतामिटायरे ॥ जी० ॥ ४१ ॥ कूणकजगतज  
 गवानरी, चेडोबारेवरतधाररे ॥ इंडीरआयातेसमकिती,  
 तेकिणविधलोपताकाररे ॥ जी० ॥ ४२ ॥ ज्ञानदर्शन  
 चारित्रमाहिलो, किणरेवधतोजाणेउपायरे ॥ करेअण  
 कंपातबजीवरी, वीरवीगरबुलायाजायरे ॥ जी० ॥ ४३ ॥  
 समंदपालसुखामेजिलरह्यो, संसारविपेसुखलागरे ॥ ति  
 णचोरनेभरतोदेखने, उपनोउतकष्टोपरमवैरागरे ॥ जी०  
 ॥ ४४ ॥ चारित्रलियाकर्मकाटवा, जाणेमोपतणोउपा  
 यरे ॥ करुणानआणीचोररी, बुडावणरीनकाढीवायरे ॥  
 जी० ॥ ४५ ॥ साधआवकनीएकरीतळे, तुमेछवोसूतररोन्या  
 यरे ॥ देखोअंतरमाहेविचारने, कूडीकायकरोबकवायरे  
 ॥ ४६ ॥ इहा ॥ अणकंपानेआदरी, कीजोघणाजतन ॥

जिणवरनाधर्ममाहिजी, समकितपायरतन ॥ १ ॥ गाय  
 नेसआकथोरनो, एच्यारुंहीदूध ॥ ज्युंअणकंपाजाण  
 जो, मनमेंआणोसूध ॥ २ ॥ आकदूधपीवायकां, जुदा  
 हुवेजीवकाय ॥ ज्युंसावजअणकपाकियां, पापकर्मबंधा  
 य ॥ ३ ॥ जोलेहीमतनूलजो, अणकपारेनाम ॥ कीजो  
 अंतरपारिपा, ज्युसीजेआतमकाम ॥ ४ ॥ अणकंपाने  
 आगन्या, तीर्थकरनीहोय ॥ सावजनिरवजउलखे, ते  
 तोविरलाजोय ॥ ५ ॥ ढाल ॥ ३ ॥ धिगधिगठेनागश्री  
 ब्राह्मणीने एदेशी ॥ मेघकुमरहाथीराजवमें, जिणनादी  
 दयादिलआणी ॥ ऊचोपगराख्योसुसलोनमाखो, आक  
 रणोश्रीवीरवखाणी ॥ आअणुकंपाजिनआगन्यामें ॥ १ ॥  
 कष्टसह्योतिणपापसुंढरते, मनदिदसेठीराखीतिएकदा  
 बलताजीवदावानलवेखी, सुंढसुंगिरगिरवारेनजगा ॥  
 आ० जि० ॥ २ ॥ परतससारकियोतिणतामे, ऊपनोअंनिद  
 रेघरेआई ॥ जगवतयागलदीहालीधी, पहेअंनि  
 नातामाई ॥ आ० जी० ॥ ३ ॥ मांडलोएकअंनिअंनि  
 घणाजीववचीआतिहांआई ॥ तिणवविदंनंरमंनवाज्यो  
 समकितआयाविनासमजनकाई ॥ आ० म० ॥ ४ ॥ नेम  
 कुमरपरणीजणचाव्या, पसुपंखीदेखइअंनिआली ॥  
 नाकाभासरे

॥ ५ ॥ परणीजणासुपरणामफिरीया, राजमतीनेकनी  
 ठिटकाई ॥ कर्मतणेबंधसुनेममरिया, तोडीआवचवारी  
 सगाई. ॥ आ० जि० ॥ ६ ॥ आपसुंमरताजीवजाणीने, कड  
 वातुंबारोकीयोआहारो ॥ कीडगारीअणकंपाआणी, धि  
 नधिनयमैरुचिअणगारो ॥ आ० जि० ॥ ७ ॥ फोरवीलब्धि  
 अणकंपाआणी, गोसालानेवीरबचायो ॥ ठलेस्याठन्नम  
 स्थजहुंता, जदमोहकर्मवसरगजआयो. ॥ आ० सा० ॥ ८ ॥ गो  
 सालोअसंयतीकुपात्रतिणने, साजसररीरनोदीयो ॥ धर्मजा  
 एतांतोजगतडुखीयो, वलेवीरओकामकदेनकीयो. ॥  
 आ० सा० ॥ ९ ॥ तेजोलेस्यामेलीगोसालेबाढ्यां, ॥ दोए  
 साधनस्मकरीकाया ॥ लब्धधारीसाधुहुंताघणा, मोटा  
 पुरुषत्यानेकयुंनवचाया. ॥ आ० सा० ॥ १० ॥ जिण  
 रिपिंअणकंपाकीधी, रेणादेवीसाहमोतिणजोयो, ॥ सेल  
 पजपहेवोवताखो, देवीआयतिणपडगमेंपोयो. ॥ आ० सा०  
 ॥ ११ ॥ जगताहिरणगवेपीसुलसा, अणकंपाआणीवि  
 लपीजाणी ॥ ठववेटादेवकीराजाया, सुलसारेघरेमेत्या  
 आणी. ॥ आ० सा० ॥ १२ ॥ जगनरेपामैहरकेसीआया अ  
 सणादिकल्यांनेनहिदीयो ॥ जपदेवताअणकंपाकीधी, रु  
 द्रमंताब्राह्मणकीधी ॥ आ० सा० ॥ १३ ॥ मेघकुमरगरन  
 मांहेहुंता, सुखरेताहीकियाअनेकउंपायो ॥ धारणीराणी

अणकंपाआणी, मनगमताअसणादिकपायो ॥ आ० सा०  
 ॥ १४ ॥ किसनजीनेमवांदणनेजातां, एकपुरुषनेडुखि  
 थोजाणी ॥ साजदीयोअणकंपाकीवी, एकईंठवठायठ  
 णरेघरआणी. ॥ आ० सा० ॥ १५ ॥ डुखियादोरादलिईदे  
 खी, अणकंपाउणरीफिणआणी ॥ गाजरमूलादिकसचि  
 तपवावे, वलेपावेकाचोअणगलपाणी ॥ आ० सा० ॥ १६ ॥  
 आपसुंमरताजीवजाणीने, टलजायसाधसंकोचीकाया ॥  
 आपहणेनहिपापसुंडरता, अणकंपाआणमेलेनहीठाया  
 ॥ आ० जि ॥ १७ ॥ कपाडीजोमेलेठाया, असंयतीरी  
 वेयावच्चलागे ॥ आअणकंपासाधकरेतो, त्यांरापाचूहीम  
 हाव्रतनागे. ॥ आ० सा० ॥ १८ ॥ सोसाधविषमकालठ  
 नाले, पाणीविनाहोयजुदांजीवकाया ॥ अणकंपाआणी  
 असुधवहिरावे, ठकायरापीहरसाधवचाया ॥ आ० सा० ॥  
 ॥ १९ ॥ गजसुकमालनेनेमरीआग्या, कावसगकीयोम  
 साणमेंजाई ॥ सोमलआयपोरातिरठविया, सीसनधुणो  
 दयादिलआई ॥ आ० जि० ॥ २० ॥ व्याधअनेककोढादिक  
 सुणने, तिणकपरवैदचलाईनेआवे, ॥ अणकंपाआणीसा  
 जोकीयो, गोलीचूरणदेरोगगमावे. ॥ आ० सा० ॥ २१ ॥ ल  
 बधधारोरापेलादिकथी, सोलहीरोगसररिसुजावे ॥ वले  
 जाणेइणरोगसुसाधमरसी, अणकंपाआणीनहीरोगमा



वे ॥ आ० सा० ॥ ११ ॥ जो अणकंपासाधुकरेतो, उपदेशदे  
 वैरागचढावे ॥ चोपेचितपेलोहाथजोढेतो, च्यारूहीआहा  
 ररात्यागकरावे ॥ आ० जि० ॥ १३ ॥ गिरसतनूलोकजारवन  
 में, अटवीनेवलेऊजरजावे ॥ अणकंपाजाणीसाधमारग  
 वतावे, तोचारमहीनारोचारतजावे ॥ आ० ॥ १४ ॥ अट  
 वीमेवलेअत्यंतडुपीदेखी, चारूहीसरणासाधधरावे ॥ मा  
 रगपूढेतोमुंनजसाजे, बोलेतोनिननिनधर्मसुणावे ॥ आ०  
 जि० ॥ १५ ॥ दूहा ॥ दयादयासहुकोकहे, तेदयाधर्मठेठीका ॥  
 दयाओलपनेपालसी, त्यांनेमुंगतनजीक ॥ १ ॥ दयातोप  
 हिलोवरतठे, साधआवककरोधर्म ॥ पापरुकेज्यासुंआव  
 तां, नवानलागेकर्म ॥ २ ॥ ठकायहणेहणावेनही, ह  
 णतांजलानजाणेताय ॥ मनवचनेकायाकरी, एदयाकही  
 जिणराय ॥ ३ ॥ दयाचोखेचितपालिया, तिरेघोररुदर  
 संसार ॥ आहीजदयापरुपतां, नलेजीवउतरेपार ॥ ४ ॥  
 पिणएकनामदयालोकीकरो, तिणराजेदअनेक ॥ त्यांमें  
 नेपधारीनूलायणासुणजोआणविवेक ॥ ५ ॥ ढाल ४  
 थो ॥ दरवेलायलागीनावेलायलागी, दरवठेकठोनेनावेकूवो  
 एजेदनजाणेमूलमिथ्याती संसारनेमुगतरोमारगजूवो ॥  
 नेपधरनेनूलारोनिरणोकीजो ॥ १ ॥ कोईदरवेलायव  
 लतानेराखे, दरवेकूवेपडताने नेकाएवचायो ॥ एतोवप

कारकियोइएनवरो, विवेकविकलत्यानेखवरनकायो ॥ जे  
 ॥ २ ॥ घटमेंज्ञानघालिनेपापपचखावे, तिणपरतोराय्यो  
 नवकुवामायो ॥ नार्वेलायसुबलतानेकाढेरिखेसर, तेपि  
 णगहिलांजेदनपायो ॥ जे० ॥ ३ ॥ सूनेचित्तसूत  
 रवांचेमिथ्याती, दरवनेजावरानहीनिवेमा ॥ परवार  
 सहितकुपंथमेंपडिया, त्यांनरकासुसनमुपदीयामेरा ॥  
 जे० ॥ ४ ॥ गिरसतनेश्वोपददर्शने, अनेकउपायकरजीव  
 बचायो ॥ एसंसारतणोउपकारकियामें, मुगतरोमारग  
 मूढवतायो ॥ जे० ॥ ५ ॥ करेजतरमंतरऊडाऊपाटा,  
 सरपादिकरोजैरदेवेउतारी ॥ काढेढाकणसाकणनूतज  
 पादिक, तिणमाहेधरमकहेसांगधारी ॥ जे० ॥ ६ ॥ एह  
 वाकिरतवसावजजाणी, त्रिविधेंत्रिविधेसाधांत्यागजकी  
 यो ॥ जेपधारीलोकांसुमिलनेअज्ञानी, जीवजीवावणरो  
 सरणोलीयो ॥ जे० ॥ ७ ॥ एजीववचावणोमुखसुकहेपि  
 ण, कामपड्यांबोलेफिरतीवाणो ॥ जोलानेजरममेंपाड  
 विगोवा, तेपणडूवेढेकरकरताणो ॥ जे० ॥ ८ ॥ कीडी  
 मांकादिकलटागजाया, ढांदारापगहेतेचीथ्याजावे ॥ जे  
 पधारीकहैमेंजीववचावां, तोचुणचुणजीवांनेकायनैउठावे  
 ॥ जे० ॥ ९ ॥ जोआपोचोमासोउपदेसदेवेतो, दसवी  
 सजीवानेदोरासमजावे ॥ १० ॥ ११ ॥

हे, तोलाखांगमेजीवतेहिजबचावे॥ जे० ॥ १० ॥ सोवररेथ्यां  
तरेकोईलेवेसंथारो, तोतुरतथ्याजसठोडदेवणजावे ॥ सो  
पगलांगयांजीवलाखांबचेठे, त्यांजीवांनेजायक्युंनजीवा  
वे ॥ जे० ॥ ११ ॥ धरठोडतोजाणोसोकोसांकपरे,  
तोसांगपहिरावणसतावसुंजावे ॥ एककोसगयाजीवको  
डावचेठे, त्यांजीवनेजायक्युंनहीबचावे ॥ जे० ॥ १२ ॥  
जबतोकहेमांहरोकलपनहीठे, मेतोसंसारसुंदुवान्यारा ॥  
कबहीकहंमेंजीवजीवाया, एवाणीनबोलेइकणधारा ॥  
॥ जे० ॥ १३ ॥ साधुतोआपणावरतरापणने, त्रिविधेत्रिवि  
धेजीवनहीसंतावे ॥ संसारमाहिजीवपचरह्याठे, तिण  
सुंतोसाधदुवानिरदावे ॥ जे० ॥ १४ ॥ जीवणोमरणो  
त्यांरोनचावे, समजतादेपेतोसाधसमजावे ॥ ज्ञानादि  
कणुणघटमाहिघाले, मुगतनगरनेसंतपहुचावे ॥ जे०  
॥ १५ ॥ गिरसतरापगहेठजीवआवे, तोजेपधारीकहेमें  
तुरतवतायां ॥ तेपणजीववचावणकार्जे, सरवहोजीवा  
रोजीवणोचावा ॥ जे० ॥ १६ ॥ अवरतीजीवारोजीव  
णोचावे, तिणधरमरोपरमारथनहिपायो ॥ सरधाअगि  
नानीरीपगपगअटके, तेन्यायसुणजोनवियणचित्तव्यायो  
॥ जे० ॥ १७ ॥ गिरसतरेतेलजायेमूणफूटां, कीडयांरा  
दरमांहिरेजाआवे ॥ विचमेजीवआवेतिणसुंवहता, तेल

चुहोचुहोअगनमेंजावे ॥ जे० ॥ १८ ॥ जोअगनऊठेतो  
 जागेठे, तसथावरजीवमाखाजावे ॥ गिरसतरापगहेते  
 जीववतावे, तेतेलढुल्लेतेवासणक्युनवतावे ॥ जे० ॥ १९ ॥  
 एपगसुंमरताजीववतावे, तेजसुमरताजीवनहीवतावे ॥  
 आपोटीसरधाकवाडीदीसे, पणअन्यंतरअंधारेनजरन  
 आवे ॥ जे० ॥ २० ॥ जेपधारीविहारकरतामारगमे,  
 त्यानेश्रावकसाहमामिलीयाआयो ॥ मारगठोडनेकज  
 रपडिया, तसथावरजीवानेचीथतांजायो ॥ जे० ॥ २१ ॥  
 श्रावकानेकजाममेंपडियाजाणे, तसथावरजीवानेमरता  
 देवे ॥ गिरसतरापगहेतेजीववतावे, तोमारगवतावणाइ  
 णलेपे ॥ जे० ॥ २२ ॥ एकपगहेतेजीववतावेअज्ञानी,  
 ठालेवादलअंधरजिमगाजे ॥ श्रावकउजारमेंमागरपूठे,  
 जदसुनसाजेबोलताकायलाजे ॥ जे० ॥ २३ ॥ एकपग  
 हेतेजीववतावे, त्यामेथोडासाजीवानेवचताजाणो ॥  
 श्रावकानेउजारसुंमारगधाव्यां, घणाजीववचेतसथावर  
 प्राणो ॥ जे० ॥ २४ ॥ थोडीदूरवतायाथोडोधर  
 मढुवेतो, घणीदूरवतायाघणोधर्मजाणो ॥ घणीदूररो  
 नामलियांबकऊठे, तेपोटीसरधाराएएहनाणो ॥ जे० ॥  
 ॥ २५ ॥ कोईआंधोपुरुषगामांतरजातां, आंधविनाजीव  
 किणविथजोवै ॥ कोडीमांकादिकर्चीथतोजावे, तसथाव

रजोवांराघमसाणहोवे ॥ जे० ॥ २६ ॥ जेपधारीसहेजे  
 साधेहीजातां, आंधारापगसुंमरताजीवानेदेखे, एपगपग  
 जीवांनेनहीवतावे, तोपोटीसरधाजाणजोइणलेपे ॥ जे०  
 ॥ २७ ॥ त्यांनेवतायवतायनेजीववचावणा, पुजपुंजने  
 करणादूरो ॥ इणधरमकरसुंतोपोतेहीलाजे, तोबीजोकुण  
 मानसीउमतकुरो ॥ जे० ॥ २८ ॥ इत्यांसुंलीयासहित  
 आटोठे, गिरसतरेंदुजेमारगमायो ॥ आतपतीरेतवना  
 लारीतिणमें, पढतप्रमाणहोयजुदाजीवकायो ॥ जे० ॥  
 ॥ २९ ॥ गिरसतनहिदेपेआटोढुलतो, तेजेपधखारीनि  
 जरांआवे ॥ एपगहेठेजीववतावेअज्ञानी, तोआटेढुलता  
 जीवकुंनहीवतावे ॥ जे० ॥ ३० ॥ इत्यादिगिरसतरे  
 अनेकउपधसुं, तसथावरजीवमूवाअनेमरसी ॥ एनेपग  
 हेठेजीववतावे, त्यांनेसघलीहीगोमवतावणापमसी ॥  
 आ० ॥ ३१ ॥ किणहीकठोरेजीववचावे, किणहीकठोर  
 शंकामनआणो ॥ समऊपमचाविणसरधापरूपे, पीपल  
 बाधीमूरखजिमताणो ॥ आ० ॥ ३२ ॥ पगपगजावअट  
 कतादेपे, कदासरवआरेदुवाअज्ञानीथूलो ॥ कूरकपटक  
 रीमतकुसलेरापणने, पिणबुधवतवातनमानेमूलो ॥ आ०  
 ॥ ३३ ॥ गिरसतरोनवठणोजीवणोमरणो, चांठजावता  
 यांलागेपापकरमो ॥ रागद्वेपरहितरहिणोनिरदावे, एह

वोनि केवलश्रीजिणधरमो ॥ आ० ॥ ३४ ॥ समोसरण  
 एकजोजनमान्दलामें, नरनाखांनावृंदआवेनेजावे ॥ अरि  
 हंतआगलवाणीसुणवा, जगवतजिनजिनधर्मसुणावे ॥  
 आ० ॥ ३५ ॥ चारकोसमांहीतसथावरहोता, मरगया  
 जीवठराणोआया ॥ नरनाखारापगसुंविनाउपयोगें, प  
 णजगवतकठेहीनदीसेवताया ॥ आ० ॥ ३६ ॥ नंदण  
 मिणहारडेमकोडुयने, वीरवांदणजातांमारगमायो ॥ ति  
 णनेचीयमाखोसेणकनेवठेरे, वीरसाधसांहमामेलक्यांन  
 वचायो ॥ आ० ॥ ३७ ॥ गिरसतरापगहेठेंजीवआवेतो  
 साधमनेवचावणोकठेहीनचाव्यो ॥ जरीकरमांलोकांने  
 निसटकरणें, ओपिणघोचोकुघरांघाल्यो ॥ आ० ॥ ३८ ॥  
 साधारोनामतोअजगोमेली, आवकारीचरचामुखव्यावे ॥  
 साधसाधसुंमरताजीववतावे, ज्युंआवकआवकनेजीवव  
 तावे ॥ आ० ॥ ३९ ॥ सिद्धातराबलविनबोलैअहानी,  
 आवगारेसंजोगसाधाज्युंवतायो ॥ एगालांरागोलामुखसुं  
 चलावे, तेन्यायसुंणजोनवियणचित्तल्यायो ॥ आ० ४०  
 साधसुंमरताजीवदेखीने, संजोगीसाधुदेषीजोनहीवतावे  
 तोअरिहंतरीआगन्यालोपावे, पापलागेनेविराधकथावे ॥  
 आ० ॥ ४१ ॥ साधुतोसाधुनेजीववतावे, तेपोतारोपाप  
 टालणरेकाजे ॥ आवकआवकनेजीवनहीवतावे, तोकि

वपराईसोजणा, भरताराप्यांहोल्यांनेहोकोपाय ॥ न० ॥  
 ॥ ७ ॥ सोजणझुरनपकालमे, अनविनाहोमरेऊयरमा  
 य ॥ कोईएकमारेतसकायने, सोजिणानेहोमरताराप्यां  
 जिमाय ॥ न० ॥ ८ ॥ किणहिककालेअनविना, सो  
 जणाराहोछुदाहुवेजीवकाय ॥ सेजेकलेवरमृवोपरियो,  
 कुसलेंराप्याहोल्यांनेएहपवाय ॥ न० ॥ ९ ॥ वलेम  
 रतांदेपीसोरोगला, ममाईवीणहोतेतोसाजानथाय ॥ को  
 ईममाईकरएकमिनपरी, सोजिणारेहोसाताकीवीवचाय  
 ॥ न० ॥ १० ॥ जमीकंदखवायांपाणीदीयां, त्यांमे  
 थापेहोपापनेधर्मदोय ॥ तोअगनलगायहोकोपावियां, इ  
 त्यादिकहोसगलेंमीसरहोय ॥ न० ॥ ११ ॥ जोधरम  
 कहेवचियातको, हिसातिणराहोलागाजाणोकर्म ॥ तो  
 सातोईसारिपालेखवे, कहेदेणोहोसगलेपापनेधर्म ॥ न०  
 ॥ १२ ॥ जोसातामेंमिश्रकहेनही, तोकिमथावेहोइण  
 बोळारीपरतीत ॥ थापथापेआपउथापे, तोकुणमानेहो  
 आसरथाविपरीत ॥ न० ॥ १३ ॥ जोसातोहीमेंमिसर  
 कहिये, तोनहिलागेहोगमतीलोकांमेंवात ॥ मिलतीक  
 ह्यांविणतेहनी, कुणकरेहोकूडारोपपपात ॥ न० ॥ १४ ॥  
 एकदोयबोलांमेमिसरकहे, सगलामेंहोकहतांलजेमूढ ॥  
 एवोउलटोपंथजालियो, त्यांरेकेडेहोबूढेकरकररूढ ॥

ज० ॥ १५ ॥ सोसोमिनपसगलेंवच्या, थोमीवणीहोदु  
 इसगलेघात ॥ जोधरमवरोवरनलेपवे, तोउथपगईहोमू  
 लापाणीरीवात ॥ ज० ॥ १६ ॥ वातउथपतीजाणने,  
 कदाकहेदेहोसगलेपापनेधर्म ॥ पिणसमदिष्टीसरधेनही  
 एतोकाढघोहोपोटीसरधारोजर्म ॥ ज० ॥ १७ ॥ अस्सं  
 तीरोमरणोजीवणो, वठाकीवांहोनिसचैरागनेधेप ॥ ओ  
 धंरमनहीजिणजापीयो, सांसोदुवेतोहोअंगउपंगदेप ॥  
 ज० ॥ १८ ॥ काचतणादेपीमिणकला, अणसमज्या  
 होजाणेरतनअमोल ॥ तेनिजरेपड्यांसमझानीने, करदी  
 धांहोत्यांरोकोड्यांमोल ॥ ज० ॥ १९ ॥ मूलाखवायां  
 मिसरकहे, आसरधाहोकाचमिणियांसमाण ॥ तोपिण  
 जालीरतनअमोलज्युं, न्यायनसूजेहोचालाकरमांराना  
 ण ॥ ज० ॥ २० ॥ जीवमारेफूवबोलनें, चोरीकरनेंहो  
 परजीववचाय ॥ वळेकरेश्चकारजएहवो, मरताराख्याहो  
 मैथुनसेवाय ॥ ज० ॥ २१ ॥ धनदेरापेपरप्राणने, को  
 धादिकहोअठारइसेवाय ॥ एहीजकामांपोतेकरी, परजी  
 वानेहोमरतांरापेताह ॥ ज० ॥ २२ ॥ हिंसाकरीजीवरा  
 पियां, तिणमेंहोसीहोधरमनेपापदोय ॥ तोइमअठारेही  
 जाणज्यो, एचरचामेंहोविरलोसमजेकोय ॥ ज० ॥ २३ ॥  
 जोएकणमेंमिसरकहे, सतरांमेंहोजापावोलेअोर ॥ कधी



सरधारोन्यायमिलेनही, जवउलटोहोकरकठेजोर ॥ न०  
 ॥ १४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहोंनगवतवे  
 ण ॥ ऊंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुद्धनस्रजेहोफूटाअंतर  
 नेण ॥ न० ॥ १५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजंचना, हो  
 मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोओपापमोटको, जी  
 धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ न० ॥ १६ ॥ कोईनाह  
 रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोयणाजीवअनेक ॥ जोगि  
 णेदोयानेसारणा, त्यारीविगरोहोसरधावातविवेक ॥ न०  
 ॥ १७ ॥ पहिलाकहतांहोजीववचावणा, तिणलेपेहोबो  
 ल्येसुधनकाय ॥ जीववचियांरोधर्मगिणेनही, पिणथापे  
 होपिणमेंफिरजाय ॥ न० ॥ १८ ॥ देवलधजातेहनीपे  
 रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणगाम ॥ त्यांनेपापंभीजिणक  
 ह्या, जगरोकओहोनहीचरचारोकाम ॥ न० ॥ १९ ॥  
 जोएकणमेअधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो  
 कीयातोडडपडे, त्यांराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ न०  
 ॥ २० ॥ वलेसरणोलेईसेणकतणो, सावजबोलेहोतिण  
 रीपवरनकाय ॥ जोरीदावैपेलानेवरजीयां, तिणमांहेहो  
 जिणधर्मवताय ॥ न० ॥ २१ ॥ कहेसेणकपरहोवजावी  
 यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥ जिणमोपहेतेधर्मजा  
 णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥ न०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोसमकिती, धर्मविनाहोकिमकर  
 सीएकाम ॥ इमकहीकहीनोलालोकने' फंदमेंनापेहोसे  
 एकरोलेनाम ॥ ज० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखआगले,  
 आमीतांमोहोमाडेपाचाताण ॥ आपठादेउटंकामेजता,  
 कुणपालेहोश्रीजिणवरआण ॥ ज० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी  
 तणोकोईनामले, नरमावेहोअणसमजांअजाण ॥ तेस  
 क्रइंदसमदिष्टीदेवता, जिणजगताहोएकाअवतारीजाण ॥  
 ॥ ज० ॥ ३५ ॥ तेनोरआयाकोणकतणी, जुधकोयोहो  
 तिणसावजजाण ॥ एकोडयसीजापऊपरे, मनरारा  
 होकीयाधमसाण ॥ ज० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरहोफे  
 रावीयो, ॥ एतोजाणोहोमोटाराजारीरीत ॥ जगवंतन  
 सरायोतेहने, तोकिमआवेहोतिणरीपरतीत ॥ ज०  
 ॥ ३७ ॥ परहोफेखोहणोमती, इतरिउेहोसूतरमेंवात ॥  
 कोइधरमकहेसेणकतणे, तेतोबोलेहोचोडेजूमिथ्यात ॥  
 ज० ॥ ३८ ॥ लोकांसुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याहो  
 कूडीत्रकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकलां, साचहुवेतोसू  
 त्रमेंदेवैवताय ॥ ज० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर  
 णिया ॥ उठवादिकहोउरीसीतजाजाण एहवेकारणको  
 ईऊपने, श्रेणकराजाहोफेरिनगरमेंआण ॥ ज० ॥ ४० ॥  
 तेतोरुकीयानहीक्रमआवता, नहीकटीयाहोतिणराआग

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकठेजोर ॥ ज०  
 ॥ १४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहीनगवतवे  
 ण ॥ ऊंधोपंथकुगुरांचजावियो, शुद्धनसूजेहोफूटायंतर  
 नेण ॥ ज० ॥ १५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजचना, हो  
 मकरेहोजुधजीपणसंयाम ॥ एकतोओपापमोटको, जी  
 धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ ज० ॥ १६ ॥ कोईनाह  
 रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोधणाजीवअनेक ॥ जोगि  
 णेदोयानेसारपा, त्यांरोविगरोहोसरधावातविवेक ॥ ज०  
 ॥ १७ ॥ पहिलांकहतांहोजीववचावणा, तिणजेपेहोबो  
 ल्येसुधनकाय ॥ जीववचियारोयर्मणिणेनही, पिणथापे  
 होपिणमेफिरजाय ॥ ज० ॥ १८ ॥ वेवलधजातेहनीपे  
 रे, फिरताबोलेहोनरहेएकएवाम ॥ त्यांनेपापंमीजिणक  
 ह्या, जगरोकव्योहोनहीचरचारोकाम ॥ ज० ॥ १९ ॥  
 जोएकणमेश्रधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एजेपा  
 कीयातोजडपडे, त्यांराघटमेंहोपोटीसरधारीथाप ॥ ज०  
 ॥ २० ॥ वलेसरणोलेईसेणकतणो, सावजबोलेहोतिण  
 रीपवरनकाय ॥ जोरीदावैपेलांनेवरजीया, तिणमांहेहो  
 जिणधर्मवताय ॥ ज० ॥ २१ ॥ कहेसेणकपरहोवजावी  
 यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥ जिणमोपहेतेधर्मजा  
 णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥ ज०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोसमकिती, धर्मविनाहोकिमकर  
सीएकाम ॥ इमकहीकहीनोलालोकने' फदमेंनापेहोसे  
एकरोलेनाम ॥ ज० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखआगले,  
आमीमांमोहोमाडेपाचाताण ॥ आपठाडेउटकामेलता,  
कुणपालेहोश्रीजिणवरआण ॥ ज० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी  
तणोकोईनामले, जरमावेहोअणसमजाअजाण ॥ तेस  
क्रइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताहोएकाअवतारीजाण ॥  
॥ ज० ॥ ३५ ॥ तेनोरआयाकोणकतणी, जुअकोधोहो  
तिणसावजजाण ॥ एककोडअसीजापऊपरे, मनयांरा  
होकीवायमसाण ॥ ज० ॥ ३६ ॥ सेणकराथपरहोफे  
रावीयो, ॥ एतोजाणोहोमोटाराजांरीरीत ॥ जगवतन  
सरायोतेहने, तोकिमआवेहोतिणरीपरतीत ॥ ज०  
॥ ३७ ॥ परहोफेखोहणोमती, इतरीवेहोसूतरमेंवात ॥  
कोइधरमकहेसेणकतणो, तेतोबोलेहोचोडेफूवमिथ्यात ॥  
ज० ॥ ३८ ॥ लोकासुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याहो  
कूढीवकवाय ॥ मिअकहेतेपणअटकला, साचहुवेतोसू  
त्रमेंदेवैवताय ॥ ज० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर  
णियां ॥ उठवादिकहोउरीसीतलाजाण एहवेकारणको  
ईकपने, श्रेणकराजाहोफेरिनगरमेंआण ॥ ज० ॥ ४० ॥  
तेतोरुकीयानहीक्रमआवता, नहीकटीयाहोतिणराआग

सरधारोन्धायमिलेनही, जबउलटोहोकरऊठेजोर ॥ ज०  
 ॥ १४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहीजगवंतवे  
 ए ॥ ऊंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुद्धनसूजेहोफूटाअंतर  
 नेण ॥ ज० ॥ १५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजचना, हो  
 मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोओपापमोटको, जी  
 धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ ज० ॥ १६ ॥ कोईनाह  
 रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि  
 णेदोयानेसारपा, त्यांरोविगरोहोसरधावातविवेक ॥ ज०  
 ॥ १७ ॥ पहिलाकहताहोजीववचावणा, तिणजेपेहोबो  
 ल्येसुधनकाय ॥ जीववचियांरोधर्मगिणेनही, पिणथापे  
 होपिणमेफिरजाय ॥ ज० ॥ १८ ॥ देवलधजातेहनीपे  
 रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणगाम ॥ त्यानेपापंभीजिणक  
 ह्या, जगरोकव्योहोनहीचरचारोकाम ॥ ज० ॥ १९ ॥  
 जोएकणमेंअधर्मकहे, दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एजेपो  
 कीयातोडपडे, त्यांराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ ज०  
 ॥ २० ॥ वलेसरणोलेईसेएकतणो, सावजबोलेहोतिण  
 रीपबरनकाय ॥ जोरीदावैपेलानेवरजीया, तिणमांहेहो  
 जिणधर्मबताय ॥ ज० ॥ २१ ॥ कहेसेएकपरहोवजावी  
 यो, होणोमतीहोफेरीनगरमेआंण ॥ जिणमोपहेतेधर्मजा  
 णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥ ज०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोममकिती, धर्मविनाहोकिमकर  
सीएकाम ॥ इमकहीकहीनोलालोकने' फंदमेनापेहोसे  
एकरोलेनाम ॥ न० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखआगले,  
आमीमांमोहोमाडेपाचाताण ॥ आपठादेउटकामेलता,  
कुणपालेहोश्रीजिणवरआण ॥ न० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी  
तणोकोईनामले, नरमावेहोअणसमजांअजांण ॥ तेस  
ऊइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताहोएकाअवतारीजाण ॥  
॥ न० ॥ ३५ ॥ तेनोरआयाकोणकतणी, जुधकोयोहो  
तिणसावजजाण ॥ एककोडअसीजापऊपरे, मनरांरा  
होकीयाधमसाण ॥ न० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरहोफे  
रावीयो, ॥ एतोजाणोहोमोटाराजांरीरीत ॥ नगवतन  
सरायोतेहने, तोकिमआवेहोतिणरीपरतीत ॥ न०  
॥ ३७ ॥ परहोफेखोहणोमती, इतरीवेहोसूतरमेंवात ॥  
कोइधरमकहेसेणकतणे, तेतोबोलेहोचोडेफूवमिथ्यात ॥  
न० ॥ ३८ ॥ 'लोकांसुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याहो  
कूडीवकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकलां, साचहुवेतोसू  
त्रमेंदेवैवताय ॥ न० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर  
णिया ॥ उठवादिकहोउरीसीतलाजाण एहवेकारणको  
ईऊपने, श्रेणकराजाहोफेरिनगरमेंआण ॥ न० ॥ ४० ॥  
तेतोरुकीयानहीकमआवता, नहीकटीयाहोतिणराआग

सरधारोन्यायमिलेनही, जबउलटोहोकरकठेजोर ॥ ज०  
 ॥ १४ ॥ जीवमारीजीवरापणा, सूतरमेंहोनहींजगवंतवे  
 ए ॥ ऊंधोपंथकुगुरांचलावियो, शुद्धनसूजेहोफूटाअंतर  
 नेण ॥ ज० ॥ १५ ॥ कोईजीवतामिनपत्रिजचना, हो  
 मकरेहोजुधजीपणसंग्राम ॥ एकतोओपापमोटको, जी  
 धहोम्यांहोदूजोसावजकाम ॥ ज० ॥ १६ ॥ कोईनाह  
 रकसाईनेमारने, मरतारप्याहोघणाजीवअनेक ॥ जोगि  
 णेदोयानेसारपा, त्यारोविगरोहोसरधावातविवेक ॥ ज०  
 ॥ १७ ॥ पहिलांकहतांहोजीववचावणा, तिणलेपेहोवो  
 व्येसुधनकाय ॥ जीववचियारोधर्मणिणेनही, पिणथापे  
 होपिणमेफिरजाय ॥ ज० ॥ १८ ॥ वैवलधजातेहनीपे  
 रे, फिरताबोलेहोनरहेएकणवाम ॥ त्यांनेपापंमीजिणक  
 ह्या, जगरोकव्योहोनहीचरचारोकाम ॥ ज० ॥ १९ ॥  
 जोएकणमेअधर्मकहे दूजामेंहोकहेधर्मनेपाप ॥ एलेपो  
 कीयातोजडपडे, त्याराघटमेहोपोटीसरधारीथाप ॥ ज०  
 ॥ २० ॥ वलेसरणोलेईसेएकतणो, सावजबोलेहोतिण  
 रीपबरनकाय ॥ जोरीदावैपेलांनेवरजीयां, तिणमांहेहो  
 जिणधर्मवताय ॥ ज० ॥ २१ ॥ कहेसेएकपरहोवजावी  
 यो, हीणोमतीहोफेरीनगरमेंआण ॥ जिणमोपहेतेधर्मजा  
 णीयो, एहवोनापेहोमिथ्यावलेमरपादिष्टीअजाण ॥ ज०

॥ ३२ ॥ रायसेणकथोसमकृति, धर्मविनाहोकिमकर  
सीएकाम ॥ इमकहीरुहीनोलालोकने' फदमेंनापेहोसे  
एकरोलेनाम ॥ न० ॥ ३३ ॥ सेणकनेकरेमुखव्यागले,  
आमीमांमोहोमाडेपाचाताण ॥ आपठांदेउटंकामेलता,  
कुणपालेहोश्रीजिणवरआण ॥ न० ॥ ३४ ॥ समदिष्टी  
तणोकोईनामले, जरमावेहोअणसमजाअजाण ॥ तेस  
क्रइंदसमदिष्टीदेवता, जिणनगताहोएकाअवतारीजाण ॥  
॥ न० ॥ ३५ ॥ तेनोरआयाकोणकतणी, छुअकोयोहो  
तिणसावजजाण ॥ एकाकोडयसीजापकपरे, मनपारा  
होकीवाधमसाण ॥ न० ॥ ३६ ॥ सेणकरायपरहोफे  
रावीयो, ॥ एतोजाणोहोमोटाराजांरीरीत ॥ नगवतन  
सरायोतेहने, तोकिमआवेहोतिणरीपरतीत ॥ न०  
॥ ३७ ॥ परहोफेखोहणोमती, इतरीठेहोसूतरमेंवात ॥  
कोइधरमकहेसेणकतणे, तेतोचोलेहोचोडेजुवमिप्यात ॥  
न० ॥ ३८ ॥ लोकासुंमिलतीवातजाणनें, कररह्याहो  
कूडीवकवाय ॥ मिश्रकहेतेपणअटकला, साचहुवेतोसू  
त्रमेंदेवैवताय ॥ न० ॥ ३९ ॥ एतोपुत्रादिकजायापर  
णियां ॥ उठवादिकहोउरीसीतलाजाण एहवेकारणको  
ईऊपने, श्रेणकराजाहोफेरिनगरमेंआण ॥ न० ॥ ४० ॥  
तेतोरुकीयानहीक्रमआवता, नहीकटीयाहोतिणराआग



लाकर्म ॥ बलेनरकजातोरह्योनही, नसीपायोहोजगवत  
 अधर्म ॥ ज० ॥ ४१ ॥ जगवतेमोटामोटाराजवी, प्रति  
 बोध्याहोआएषामारगठाय ॥ साधश्रावकधर्मवतावियो,  
 नसीपायोहोपडहोफेरणोताय ॥ ज० ॥ ४२ ॥ तोसेण  
 कसीप्योकिणआगळे, जगवतनेहोपूठयांसाजैमून ॥ ब  
 लेनजणावेआमना, आग्याविनाहोकरणीजांणोजाबुन ॥  
 ॥ ज० ॥ ४३ ॥ वासुदेवचक्रवर्त्तिमोटका, त्यांरीवरतेहो  
 तीनठपंडमेआण ॥ जोपरहोफेरायांमुगतमिजे, तोकुण  
 काढेहोआयोजिनघमजाण ॥ ज० ॥ ४४ ॥ कैइवि  
 शनवालामिनखने, विसनसातुहोविनामनदेबुडाय ॥  
 जोइणविधजिनधरमनीपजे, तोठपंडमेंहोवरजैआणफिरा  
 य ॥ ज० ॥ ४५ ॥ फलफूलादिकअनंतकायने, हिंस्या  
 दिकहोअगारेपापजाण ॥ जोरीदावैपइलानेमनेकीयो, ध  
 र्मेहुवेतोहोफेरेठपंडमेंआण ॥ ज० ॥ ४६ ॥ बलेतीर्थक  
 रघरमेंथकां, त्यांमेंहुताहोतीनज्ञानवसेपाबलेहालदुकम  
 थोत्यांनफेरोहोपरहोसूतरदेप ॥ ज० ॥ ४७ ॥ बलदेवा  
 दिकमोटाराजवी, घरठोमीहोकीयापापरापचपांण ॥  
 सेणकजिमपरहोनफेरियो, जोरीदावैहोनवरताईआण ॥  
 ज० ॥ ४८ ॥ ब्रमदत्तचत्रव्रततेहने, चितमुनीहोसमजा  
 वणआय ॥ साधश्रावकरोधर्मकह्यो, परहारीहोनकही

आमनाकाय ॥ न० ॥ ४९ ॥ वीसांजेदेरुकेक्रमथावता  
 वारेजेदेहोकटेआगलाकर्म ॥ एमोपरोमारगपाथरो, बो  
 नामेलाहोसगलापापंमधर्म ॥ न० ॥ ५० ॥ दोयवेश्या  
 कसाईवाढेगई, करतादेपीहोजोवारासंधार ॥ दोनूजण्या  
 मतोकरी, मरताराप्याहोजीवदोयहजार ॥ न० ॥ ५१ ॥  
 एकगेहणोदेईथापणो, तिणबुंडायाहोजीवएकहजार ॥  
 दूजीबुडायाइणविधे, एकदोयसुंहोचोथोआश्रवसेवाय ॥  
 न० ॥ ५२ ॥ एरणेपापंमोमिसरकहं, दुजीनेहोपाप  
 किणविधहोय ॥ जीववरोजरवचाविया, फेरपडसीहोते  
 तोपापमेंजोय ॥ न० ॥ ५३ ॥ एकणसेवायोआश्रवपां  
 चमो, तोवणदूजीहोचोथोआश्रवसेवाय ॥ फेरपस्योतो  
 इणपापमें, धर्मदुसीहोतेतोतरीपोथाय ॥ न० ॥ ५४ ॥  
 एकणनेधर्मकहेतांलाजेनहो, दूजीनेहोकहितांथावेसंका॥  
 जबलोकासुंकरेलगावणी, एहवाजांणोहोचोरेकुगरांमंक॥  
 न० ॥ ५५ ॥ एकवेश्यासावजकामोकरी, सेहसनाणो  
 होलेवलीधरमांय ॥ दूजीकृतवकरीआपणो, मरताराप्या  
 होसेहसजीवबुडाय ॥ न० ॥ ५६ ॥ धनआण्योपोटाक  
 तवकरी, तिणरेलागाहोदोनूविधक्रम ॥ तोदूजीबुडाया  
 तेहने, उणलेपेहोदुवोपापनेधर्म ॥ न० ॥ ५७ ॥ पाप  
 गिणेमहीपुनमें, जीववचियाहोतिणरोनागिणोधर्म ॥ पा

तेंसरधारीपवरपातेंनही, तांणतांणहोबांधेनारीकर्म ॥  
 ज० ॥ ५७ ॥ इणपरसणरोजावनऊपजै, चरचा  
 मेंहोअटकेठामठाम ॥ तोपणनिरणोकरेनही, वकऊ  
 ठेहोजीवारोलेनाम ॥ ज० ॥ ५८ ॥ जीवजीवेकालअनादरे,  
 मरेतिणरीहोपरज्यापलटीजाण ॥ संवरनिरजरातोल्या  
 राकह्या, तेलेजावेहोजीवनेनिरवाण ॥ ज० ॥ ५९ ॥  
 पिरथीपाणीअगनवायरो, विनसपतोहोठठीत्रसकाय ॥  
 मोलसुबुढावेतेहने, धर्महुसीहोतेतोसगलामेंथाय ॥ ज०  
 ॥ ६० ॥ तसकायबुढायामेधर्मकहे पांचकायमेंहोवोले  
 नहीनिसंक ॥ नरममेंपाड्यालोकने, त्यालगायाहोमि  
 थ्यातरामंक ॥ ज० ॥ ६१ ॥ त्रिविधेंठकायहणवीनही,  
 एहवीठेहोजगवंतरीवाय ॥ मोललियांधर्मकहेमोपरो,  
 एफंदमाढघोकुगुराकुवधचलाय ॥ ज० ॥ ६२ ॥ देवगुर  
 धरमरतनतीतुं, सूतरमेहोजिणनाप्याअमोल ॥ मोल  
 लोयांनहीनीपजे, साचीसरधाहोआपहीयारीपोल ॥ ज०  
 ॥ ६३ ॥ ज्ञानदरसणचारित्रनेतप, मोपजावाहोमारगठे  
 चार ॥ त्यानेजिनजिनथोलखआदरे, साधपालेहोतेपा  
 मेनवपार ॥ ज० ॥ ६४ ॥ दूहा ॥ अणकंपाएलोकनी,  
 करमतणोबंवहोय ॥ ज्ञानदरशणचारित्रतपविना, धर्मम  
 जाणोकोय ॥ १ ॥ जेअणकंपासाधुकरे, तोनवानबंवके

मे ॥ तिणमाहिलीश्रावककरे, तोतिणनेपिणहोसीधर्म  
 ॥ १ ॥ साधश्रावकदोनांतणी, एकअणकंपाजाण ॥ अ  
 मृतसहुनेसारखो, तिणरीमकरोताण ॥ ३ ॥ वरजीअण  
 कंपासायने, सूतररीवेसाप ॥ चितलगाईसांजलो, श्रीवी  
 रगयावेजाप ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ६ ॥ हवेसांजलजोनरना  
 रण ॥ मांजपुंजादिकनीमोरी ॥ बधीयाकरेहलानेसोरी  
 सीततापकरीनेडुपीया सातावाठेजाणेहुवासुपीया ॥ १ ॥  
 उणरीअणकंपाआणे ॥ ठोढेठोमावेजलोजाणे ॥ जिण  
 नेचोमासीप्रावितआवै ॥ धरमजाणेतोसमकितजावै ॥ १  
 इमबंधेबंधावेहुवेराजी ॥ ज्यारोसंजमजावैनाजी ॥ एतो  
 सावजकारजजाणो ॥ त्यांरासाधकियापचकाणो ॥ ३ ॥  
 जीवणोमरणोनहीचावै ॥ साधुक्यांनेबंधावैबुडावे ॥ त्यां  
 रीजागीमुगतासुंताली ॥ तिकेकिणरीकरेरखवाली ॥ ४ ॥  
 गिरसतरेलागीजायो ॥ घरवारेनीकलीयोनजायो ॥ बलता  
 जीवविलविलवोले साधुजायकिवारनपोले ॥ ५ ॥ दर  
 वेजावेलायलागी ॥ जिणथीकोयकहुवेवैरागी ॥ ऊणरी  
 अणकपाआवै ॥ उपदेसदेईसमजावै ॥ ६ ॥ जनममर  
 णरीजायथीकाढे ॥ उणरोकामसिराडेचाढे ॥ पकरावै  
 ज्ञानादिकदोरी ॥ तिणथीकर्मआवदेतोरी ॥ ७ ॥ अण  
 कंपाकीयामंनआवै ॥ परमारथविरलापावै ॥ निस्तीथरे

तेंसरधारीपबरपोतेंनही, तांणताणहोबांधेनारीकर्म ॥  
 ज० ॥ ५७ ॥ इणपरसणरोजावनऊपजै, चरचा  
 मेंहोश्चटकेठामठाम ॥ तोपणनिरणोकरेनही, बकक  
 ठेहोजीवांरोलेनाम ॥ ज० ॥ ५८ ॥ जीवजीवेकालअनादरे,  
 मरेतिणरीहोपरज्यांपलटीजाण ॥ संवरनिरजरातोत्या  
 राकह्या, तेलेजावेहोजीवनेनिरवाण ॥ ज० ॥ ६० ॥  
 पिरथीपाणीअगनवायरो, विनसपतोहोठवीत्रसकाय ॥  
 मोलसुबुढावेतेहने, धर्महुसीहोतेतोसगलामेंथाय ॥ ज०  
 ॥ ६१ ॥ तसकायबुढायामेंधर्मकहे पांचकायमेंहोबोले  
 नहीनिसंक ॥ जरममेंपाडयालोकने, त्यांलगायाहोमि  
 प्यातरामंक ॥ ज० ॥ ६२ ॥ त्रिविधेंठकायहणवीनही,  
 एहवीठेहोजगवतरीवाय ॥ मोललियांधर्मकहेमोपरो,  
 एफंदमाढयोकुगुराकुबधचलाय ॥ ज० ॥ ६३ ॥ देवगुर  
 धरमरतनतीनुं, सूतरमेंहोजिणजाप्याअमोल ॥ मोल  
 लीयानहीनीपजे, साचीसरधाहोअपहीयारीपोल ॥ ज०  
 ६४ ॥ ज्ञानदरसणचारित्रनेतप, मोपजावाहोमारगठे  
 चार ॥ त्यानेनिननिनअोलखअदरे, साधपालेहोतेपा  
 मेनवपार ॥ ज० ॥ ६५ ॥ दूहा ॥ अणकंपाएलोकनी,  
 करमतणोबंधहोय ॥ ज्ञानदरशणचारित्रतपविना, धर्मम  
 जाणोकोय ॥ १ ॥ जेअणकंपासाधुकरे, तोनवांनबंधेक

मे ॥ तिणमाहिलीश्रावककरे, तोतिणनेपिणहोसीधर्म  
 ॥ २ ॥ साधश्रावकदोनांतणी, एकअणकपाजाण ॥ अ  
 मृतसद्दुनेसारखो, तिणरीमकरोताण ॥ ३ ॥ वरजीअण  
 कंपासाधने, सूतररीदेसाप ॥ चितलगाईसाजलो, श्रीवी  
 रगयाठेजाप ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ६ ॥ हवेसांजलजोनरना  
 राण ॥ मांनपुंजादिकनीमोरी ॥ बधीयाकरेहेलानेसोरी  
 सीततापकरीनेडुधीया सातावाठेजाणेहुवासुपीया ॥ १ ॥  
 उणरीअणकंपाआणे ॥ ठोहेठोमावेनलोजाणे ॥ जिण  
 नेचोमासीप्रावितआवे ॥ धरमजाणेतोसमकितजावे ॥ २  
 इमबंधेबंधावेहुवेराजी ॥ ज्यांरोसंजमजावेजाजी ॥ एतो  
 सावजकारजजाणो ॥ त्यारासाधकियापचकाणो ॥ ३ ॥  
 जीवणोमरणोनहीचावे ॥ साधुक्यानेबंधावैबुडावे ॥ त्यां  
 रीजागीमुगतासुंताली ॥ तिकेकिणरीकरेरखवाली ॥ ४ ॥  
 गिरस्ततरेलागीजायो ॥ घरवारेनीरुलीयोनजायो ॥ बजता  
 जीवविलविलत्रोलें साधुजायकिवारनपोलें ॥ ५ ॥ दर  
 वेनावेलायलागी ॥ जिणथीकोयकहुवेवेरागी ॥ उणरी  
 अणकंपाआवे ॥ उपदेसदेईसमजावे ॥ ६ ॥ जनममर  
 एरीजायथीकाढे ॥ उणरोकामसिराढेचाढे ॥ पकरावै  
 झानादिकदोरी ॥ ति- नीकर्म- ॥ ७ ॥ अण  
 कंपाकीयामंनआवे ॥ ८ ॥ निसीथरे

एकह्याजगवतहो ॥ ज० ॥ क० ॥ ३ ॥ काचापाणीत  
 णामाटाजखा, वणजीवठेअजगणनीरहो ॥ ज० ॥  
 नीजणकूजणआदलटांधणी, तिणमेंअनंतवतायावीरहो  
 ॥ ज० ॥ क० ॥ ४ ॥ पातजीनोऊकरडीजटाधणी, गिमोलाने  
 गधीयजाणहो ॥ ज० ॥ टरवलटरवलकररह्य, यानेकरमा  
 नाप्याआणहो ॥ ज० ॥ क० ॥ ५ ॥ कोईरुजायगामेंऊंद  
 रघणाफिरे, थामानेसामाअथागहो ॥ ज० ॥ थोडोसोपरको  
 सांजले, तोजायदिसोदिसजागहो ॥ ज० ॥ ६ ॥ गुलपांडआ  
 दमिष्टानमें, जीवचिहुंदिसदोखाजायहो ॥ ज० ॥ मापीने  
 मांकाफिररह्या, तेतोडुवकोमाहोहो, ज० ॥ क० ॥ ७ ॥  
 नाडोदेपीनेआवेजेसीया, धानडुकोहैवकरोआयहो ॥ ज०  
 गामेंआयोवलदपाधरो, माटेआयकजीत्रेगायहो ॥ ज० ॥  
 ॥ क० ॥ ८ ॥ पंषीचुगेऊकरडीऊपरे, ऊंदरपासेमिनकीजा  
 यहो, ज० ॥ माखीनेमकोमोपकमले, साधुकिणनेवचा  
 वेढुमायहो ॥ ज० ॥ क० ॥ ९ ॥ नैस्यांहाकल्यानाडामा  
 हिली, तोसघलारेसाताथायहो ॥ ज० ॥ वकरानेंअलगो  
 कियांथका ईडादिकजीववचजायहो ॥ ज० ॥ क० ॥ १० ॥  
 थोडासावलदानेहांकले, तोनमरेअनंतीकायहो ॥ ज० ॥  
 पाणीपुहराकिणविधनमरे, तोनेमीनहिआणदेगायहो  
 ॥ ज० ॥ क० ॥ ११ ॥ लटगीमोलादिककुसलेरहे, तोते

परखीनेदियेउडायहो ॥ ज० ॥ मनकीयांकलऊंदरवचाय  
 ले, तोऊंदरघरसोगनथायहो ॥ ज० ॥ क० ॥ १२ ॥ थो  
 डोसोमोकोआघोपाठोकीयां, मापीनाठीउडजायहो ॥ ज०  
 साधारेंसगलासारखा, तेनपढेविचर्मजायहो ॥ ज० ॥ क०  
 ॥ १३ ॥ मिनकीयांकलऊंदरवचायले, मापीरापेमांकाने  
 धकायहो, ज० ॥ उरमरतादेपरापेनही, यांमेंचूकपडघो  
 तेवतायहो, ज० ॥ क० ॥ १४ ॥ साधुपीयरवाजेठका  
 यरा, ॥ एकठुडावैतसकायहो, ज० ॥ पाचकाथमरतीदे  
 पेरापेनही, तेपीयरफिणविधथायहो, ज० ॥ क० ॥ १५  
 रजोहरणोलेईनेकठीया, जोरीदावैदेवेठुडापहो, ज० ॥  
 ज्ञानदरसणचारिततपमाहिलो, यांरेवधीयोतेमोहवता  
 यहो, ज० ॥ क० ॥ १६ ॥ ज्ञानदरसणचारिततपविना,  
 थोरमुकतरोनहिहेठपायहो, ज० ॥ ठोडामेढ्याउपगार  
 संसाररा, तिणथीसदगतफिणविधथायहो, ॥ ज० ॥ क०  
 ॥ १७ ॥ जितराउपगारसंसाररा, तेतोसगलाहीसावज  
 जाणहो, ॥ ज० ॥ श्रीजिणधर्ममांहिथावैनही, तेकूडी  
 भकरोताणहो, ॥ ज० ॥ क० ॥ १८ ॥ अज्ञानीरोझा  
 नीकियांथका, दुवेनिश्रैपलारोउधारहो ॥ ज० ॥ कीयो  
 मिथ्यातीरोसमकिती, तेतोक्ताखाजवपारहो, ॥ ज० ॥  
 ॥ क० ॥ १९ ॥ कीयोअसंयतीरोसंयती, तेतोमुकत



रादलालहो, तपसीकरपारउतारीओ, तेमेटचासरबहवा  
 लहो, ॥ ज० ॥ क० ॥ १० ॥ ज्ञानदरसनचारिततप  
 तणो, करेकोईउपगारहो, ॥ ज० ॥ आपतिरेपेलाउधरे  
 दोनारोपेवोपारहो, ॥ ज० क० ॥ ११ ॥ एच्यारउपगा  
 रवेमोटकाजी, तिणमेनिश्रेजाणोधर्महो, ॥ ज० ॥ सेष  
 रह्याकामसंसाररा, तिणथीबांधतांजाणोकर्महो, ॥ ज०  
 ॥ क० ॥ १२ ॥ दूहा ॥ जेपधारीनूलायका, त्यारेदया  
 नहीघटमाय ॥ हिंसाधर्मपरुपियो, विनसूतररेन्याय ॥  
 ॥ १ ॥ दयादयामुखसुंकहे, पिणदयारीपबरनकाय ॥  
 जोलानेंपाड्याजरममें, तेहणेजीवठकाय ॥ २ ॥ हिंसा  
 धर्मपरुपता, फिरताबोलैवेण ॥ आपडूवैथनेराडबोव  
 ने, त्याराफूटाथंतरनैण ॥ ३ ॥ हिंसाधर्मपरुपियो, ति  
 णसुंडुवाजीवथनेक ॥ तेषोटीसरधापरगटकलं, समजो  
 आणविवेक ॥ ४ ॥ ढाल ॥ ७ ॥ मी ॥ आवकनेमाहो  
 माहेठकायपुवावे, ओउंहीठकायमारीनेजीमावे ॥ एजी  
 वहिंसारोराहजपोटो, तिणमांहोधर्मअनारजवतावे ॥  
 यांहिंस्याधर्म्यारोनिरणोकोजो ॥ १ ॥ ठकायजीवांरोतो  
 धमसाणकीधो, जीमायकीयोउणनेकर्मासुजारो ॥ दोनुं  
 कान्नीजोयांदीसेदेवालो, तिणमाहेधर्मकहेजेपधारी ॥  
 ॥ या० ॥ १ ॥ ठकायजीवांनेतोपाधापवाया, अरिहंत

गवतपापवतावै ॥ एवचनउथापीनेमिसरपरूपै, तिण  
 टीनेदिलदयाहीनथावै ॥ या० ॥ ३ ॥ रांकानेमारधी  
 नेपोपै, आतोवातदीसैघणीवेरी ॥ इणमाहीडुसटीधर  
 परूपै, तोरांकजीवाराउठयावैरी ॥ या० ॥ ४ ॥ पाठल  
 वपापउपायातिणसुं, हुवाएकंदरीपुनपरवारी ॥ तिण  
 ांकजीवारेउसनउदेसु, लोकासहितलागुठठयानेपधारी  
 ॥ या० ॥ ५ ॥ कुपातरदानपुमेंनपरूपै, तिणसुंलोकह  
 रोजीवानेविशेषो ॥ कुयुरुएहवाचालाचलावै तिकेनिस  
 टहुवाजेईसाधुरोनेपो ॥ या० ॥ ६ ॥ पूठेतोकहैमेइमूनजसा  
 जां, सानीकरजीवमरावणलागा ॥ हेठलोमोवरोपेसथजगा  
 होवै, त्यानेवरतविहूणाकहीजैनागा ॥ यो० ॥ ७ ॥ कोईमाली  
 रेथोडेनूपोआयकनो, गाजरमूलाधपायपपावै ॥ एकंत  
 पापउधारोदीसै, तिणमांहेमूरपधरमवतावै ॥ यो० ॥ ८ ॥ वै  
 गणवालोलादिकअनेकनीजोती, कोईरांयोपोपेपरप्राणी ॥  
 तिणमांहेडुसटीयरमवतावै, तोडुरगतजावाराएहनाणी  
 यो० ॥ ९ ॥ परचआधरणीनेजातवरोठी, अनेकआरज  
 करन्यातजीमावै ॥ एसरवससारतणाकिस्तवठे, तिणमां  
 हेमूरपधरमवतावै ॥ यां० ॥ १० ॥ नेपधारीश्रावकनेसु  
 पातरथापै, तिणनेनेतजीमायाकहैमोपरोधर्मो ॥ उणनें  
 सुतरससतरज्जुंपरगमीया, हिंसादिढायबांधेमूढकर्मो ॥

यां० ॥ ११ ॥ केईवीसपचीगश्रावकनेतरियाधरेजाय,  
 घरकानेबंधेलगावै ॥ कोईमूंगदलेकोईगोहूपीसे, कोईअ  
 गनसिंधुकीनेचूलोधुकावै ॥ यां० ॥ १२ ॥ कोईलूणपा  
 णीघालेआटोगिलोवै, कोईआंदणदेईकरेचोपादालो ॥  
 कोईरोटीतवेनापैपीरांसेके, कोईतरकारीरांधलेवैततका  
 लो ॥ यां० ॥ १३ ॥ ठकायजीवांरीहिंसाकरनें, अनेक  
 चीजारांधीक्रीयोरसालो ॥ पठेदांतणकरावेनेजाणेवेसाणे,  
 बाजोटवेईमेलेकपरथालो ॥ यां० ॥ १४ ॥ पठेनोजन  
 पुरसीनेजेलावेठा, आपआपतणापेटसगलांईजरिया ॥  
 जेपधाखांसहितश्रावकोनेंपूठीजे, थामेंकुणकुणसुवानेकु  
 णकुणतिरिया ॥ यां० ॥ १५ ॥ जदजीमणवालानेतो  
 पापवत्तावै, हिंसाकरनवालानेकहेपापी ॥ जीमावणवा  
 लानेधर्मकहेठे, आसरधानेपधाखांयापी ॥ यां० ॥ १६ ॥  
 जीमणवालारेनेहिंस्यावालारे, पापरीवतपतकिणसुंचा  
 लो ॥ वलेठकायराजीवमूवाल्यांरो, नेतजीमावणवालो  
 दलाली ॥ यां० ॥ १७ ॥ इणपापदलालीमेंधर्मपरूपे,  
 परगयामोहमिथ्यातअंवेरे ॥ तेपतकहिंस्थाधरमीअनार  
 ज. कोईवूमगयाल्यांगुरारेकेरे ॥ यां० ॥ १८ ॥ श्राव  
 कनेनेतजीमावेतिणमें, धरमकहैमूढविनाविचारो ॥ मू  
 पतीआंयीनेमीठाबोलै, पिणजीनवहेजुंतीपीतरवारो ॥

या० ॥ १९ ॥ किणीजीवदह्यात्यानेसंकाश्याव तोतुरत  
 हणोसुणकुगरांरीवाणी ॥ पहिलीहिंस्याकीयांपठेवरमव  
 तावै, तोकुगुरुवाणीजेहवीवेहतीवाणी ॥ या० ॥ २० ॥  
 किणिरांकजिप्पारीनेंदांनउदकीयो, उदकीयोदानश्रावक  
 नेंदिरावे ॥ धनवंतधरमरोलेवणजागा, तोरांकारेहाथेक  
 वासुआये ॥ या० ॥ २१ ॥ लासुपोपरारोकडनाणो, ता  
 नीरुरतांमगरीमेंदिरावै ॥ कुगुरुएहवाचालाचलावे, पेट  
 चव्याजाणोपातरेआवे ॥ या० ॥ २२ ॥ गायसुमीहुवाग  
 रनसुमीव्हे, कूवेपाणीव्हेतोऊवालेआवे ॥ इणदिसटंतेपे  
 टकाजेजेपधारी, थापतणीतामग्रीमेंदरावे ॥ या० ॥ २३ ॥  
 जददेवणवालानेंतोधरमकहेठे, खेणवालानेकहैपापजहो  
 वे ॥ तोधरमकरणनेमूढअज्ञानी, सरवसामग्रीनेकायम  
 बोवे ॥ या० ॥ २४ ॥ सरवसामग्रीमेंपापलगांया, तेपि  
 णहुसीनिश्रेपापांमुंजारी ॥ साचीसरधानेंऊंधाबोलै, तो  
 विकजानेगुरुमिलियांजेपधारी ॥ या० ॥ २५ ॥ धरमक  
 रेओरांपापलगाई, ओधरमकदेमतजाणजोपूरो ॥ नारी  
 करमांलोकारेश्रमुजवडेसुं, जेपधाखांओमतकाढयोकूरो ॥  
 या० ॥ २६ ॥ कुपातरदानरीचरचाकर्ता, पढमाधारी  
 श्रावकनेमुपआणो ॥ जोलालोकांनेनिष्ठकरणे, तेपिण  
 ॥ २७ ॥ पढमाधारीश्राव

कवैहरीनेआणो, तिणनेतोएकांतपापवतावै ॥ दातारने  
 तोधरमकहेपिण, परसणपूठधारांजावनआवे ॥ यां०  
 ॥ २७ ॥ पढमाधारीआचकनेपापलगायो, ॥ तेदातारने  
 धर्मदुशीकिणलेपे ॥ इणइवरतसेवणनेदानदियोठे, ति  
 णकिरतबसाहमोअज्ञानीनदेपे ॥ यां० ॥ २८ ॥ पढमा  
 पढमाकररह्याभूरप, तेपढमातोठेश्रीजिणजीरोधमो ॥ प  
 ढमाआदरताआगाररह्योल्यांसुं, सेवांसेवायांसुंबांधसो  
 मो ॥ यां० ॥ २९ ॥ दूहा ॥ जीवदयारेकपरें, मूलंगा  
 तीनदिसटंत ॥ आगेविसतारकरै जेतो, तेसुणजोमनकरपंत  
 ॥ ढाल ॥ ए ॥ मी ॥ मसहेल्यांहेवांदोरुडासांधुनेएदेशी ॥  
 एकचोरचोरधनपारको, चोरावेहोतेतोदूजोआगेवांण ॥  
 तीजोकोईकरेअणुमोदणा, यांतीनाराहोपोटाकिरतवजो  
 ण ॥ नवजीवातुंमेजिणधर्मओलपो ॥ १ ॥ एकजीवह  
 णेतसकायना, हणावेहोदूजोपरनाप्राण ॥ तीजोपण  
 लोलाणेमारीयां, एतीनुंहीहोजीवहिसकजाण ॥ जं० ॥  
 ॥ २ ॥ एककुसीलसेवेहरप्योथको, सेवावेहोतेतोदूजोकरण  
 जोय ॥ तीजोपणनलोलाणेसेवीयां, यांतीनारेहोकर्मत  
 णोबंधहोय ॥ ज० ॥ ३ ॥ यासगलाईनेसतगुरमित्य,  
 प्रतिवोव्याहोआणामारगताय ॥ हिवेकिणकिणजीवाने  
 सांधाउधास्या, तिणरोसुणजोविवरामुधन्याय ॥ ज० ॥ ४ ॥

चोरहिंसकनेकुसीजीया, यारेताईहोसाधाडियोउपदेस ॥  
 त्यानेसावदरानिरवदकीया, एहवोठेहोजिणटयाधर्मरेश ॥  
 ज० ॥ ५ ॥ ज्ञानवरसणचारित्रतपतणो, साधांकीधोहो  
 तिणथीउपगार ॥ एतोतरणतारणहुवातेहना, उताखा  
 होत्यांनेसंसारथीपार ॥ ज० ॥ ६ ॥ चोरतीनोहीसम  
 ज्यायका, धनरह्योहोधणीरोकुशलेपेम ॥ हिसकतीनुंही  
 प्रतिवोधिया, जीववचीयाहोकीयामारणरानेम ॥ ज०  
 ॥ ७ ॥ सीजथादरीथोतेहनी, असतरीहोपरीकुवामाही  
 जाय ॥ यारोपापधर्मनहीसाधने, रह्यामूवाहोतीनुंश्चर  
 तमाय ॥ ज० ॥ ८ ॥ वनरोधणीराजीहुवोधनरह्यो,  
 जीववचीयाहोतेपिणहरपितयाय ॥ साधूतिरणतारणन  
 हीतेहना, नारीनेपिणहोनहीमवांईथाय ॥ ज० ॥ ९ ॥  
 केईमृढमिथ्यातिडमकहे, जीववचीयाहोधनरह्योतिणरोध  
 र्म ॥ तोठणरीमरथारेलेपे, असतरीहोमुईतिणरालगाकर्म  
 ॥ ज० ॥ १० ॥ जीवजीवतेदयानही, मरेतेहोहिंसाम  
 तिजाण ॥ मारणवालानेंहिसाकही, नहोमारेहोतेतोड  
 यागुणपाण ॥ ज० ॥ ११ ॥ सरइहतलावफोडणत  
 णा, सुसलेईहोमेटघायावताकर्म ॥ सरइहतलावजरियां  
 रह्या, तिणमाहेहोनहीजिणजीरोधर्म ॥ ज० ॥ १२ ॥  
 नीवथांवादिकवृद्धना, फिणहीकीधाहोवाढणरानेम ॥

तोइव्रतघटीतिणजीवरे, वृषउनाहोरह्यातिणरोधर्मकेम  
 ॥ न० ॥ १३ ॥ लाफुषेवरआदएकदाननें, पावाठोडयाहो  
 आतमआणीतिणगाय ॥ तोवैरागवध्योउणजीवरे, ला  
 डूरह्याहोतिणरोधर्मनथाय ॥ न० ॥ १४ ॥ दवदेवोगां  
 वजजायचो, इत्यादिकहोसावजकारजथनेरु ॥ साधुसर  
 वठोडावैसमजायनें, सघजारीहोविधजाणोतुमेएक ॥ न०  
 ॥ १५ ॥ केईरुअज्ञानीइमकहे, ठकायकार्जेहोद्यांठांय  
 र्मउपदेश ॥ एकणजीवनेसमजावीया, मिटजावैहोघणां  
 जीवारोकलेस ॥ न० ॥ १६ ॥ ठकायवरेसाताहुवे, ए  
 हवोनापेहोअणतीरयोधर्म ॥ त्याजेदनपायोजिणधर्मरो,  
 तेतोजूलाहोउदैआयाअगुनकर्म ॥ न० ॥ १७ ॥ हि  
 वेसाधकहेतुमेसांजलो, ठकायरेहोसाताकिणविधथाय ॥  
 सुनअगुनवांथातेजोगवे, नहीपाम्योहोत्यांमुगतउपाय ॥  
 न० ॥ १८ ॥ हणवासुंसकीयाठकायना, तिणरेटलिया  
 होमैलाअगुनकर्मपाप ॥ ज्ञानीजाणेसाताहुईतेहने, मि  
 टगयाहोजनममरणसंताप ॥ न० ॥ १९ ॥ साधुतिर  
 एतारणहुवातेहना, सिद्धगतमेंहोमेल्याअविचलवाम ॥  
 ठकायलारेजिलतीरही, नहीसीज्यांहोत्यांराआतमकाम ॥  
 न० ॥ २० ॥ आगेअरिहंतअनंताहुवा, कहेताकहेता  
 होनहीआवेत्यारोपार ॥ तेआपतिआओरतारिया, ठका

यरेहोसातानदुईलिगार ॥ न० ॥ २१ ॥ एकपोतेवच्यो  
 मरवाथकी, दूजेकीधोहोतिणरोजावणरोउपाय ॥ तीजो  
 पणनजोजाणेजीवीयां, यांतीनांमेहोसिद्धगतकुंणजाय ॥  
 न० ॥ २२ ॥ कुसलैरह्योतिणरेईव्रतघटीनही, तोदूजाने  
 होतुमेजाणजोएम ॥ नजोजाण्योतिणरेविरतननीपनी,  
 एतीनुंहीहोसिधगतजासीकेम ॥ न० ॥ २३ ॥ जीवी  
 यांजीवायांनजोजाणीया, एतीनुंईहोकरणसरीखाजाण ॥  
 केईचतुरहोसीतेसमजसी, थणसमज्याहोकरसीताणा  
 ताण ॥ न० ॥ २४ ॥ ठकायरोवठेमरणोजीविणो,  
 तेतोरहसीहोससारमजार ॥ ज्ञानदरसणचारिततपजजा,  
 थादरोयाहोथादरायांपेवोपार ॥ न० ॥ २५ ॥

इतिथणकपारीढाज नव सपूर्ण

अथ साधराआचारकपरढालां लिख्यते.

॥ दूहा ॥ पहिलांथरिहतनेनमुं, ज्यासाखायातमका  
 म ॥ वळेविसेपेवीरने, तेसांसणनायकसाम ॥ १ ॥ तेणे  
 कारजसाध्यांथापणा, पढुताठेनिरवाण ॥ सिद्धांनेवदणा  
 करुं, ज्यांमेट्याव्याव्याजाण ॥ २ ॥ आचारजसहुसार  
 सा, गुणरतनारीखाण ॥ उपाध्यायनेसरवसाधजी, ए



पांचूंपदवपाण ॥ ३ ॥ चांदीजेंनिततेहने, नीचोसीसन  
 माय ॥ गुणउलखवंदणाकरो, जुंनवनवराडु खजाय  
 ॥ ४ ॥ सुगुरुकुगरदोनंतणी, गुणविनापवरनकाय ॥ प्र  
 थमकुगुरनेउलखो, सुणोसूतररोन्याय ॥ ५ ॥ सूतरसा  
 खदियाविना, लोकनमानेवात ॥ साजलनेनरनारिया  
 ठोडोमूलमिथ्यात ॥ ६ ॥ कुगुरुचरितअनंतणे, तेपूराके  
 मकहाय ॥ थोडासापरगटकहुं, तेसुणजोचितजाय ॥ ७ ॥  
 ढालपहिली ॥ उंधीसरधाकोईमतराधोएदेशी ॥ थोलप  
 णांदोरानवजीवां, कुगुरुचरितअनंतजी ॥ कहेताठेहन  
 थावेतिणरो, इमजाप्योश्रीनगवतजी ॥ साधमतजाणोइ  
 णचलगतसुं ॥ १ ॥ आधाकरमीथानकमेरहे, तोपस्योचारि  
 तमेजेदजी ॥ नसीतरेदसमेकदेसे, चोमासीरोडंडजी ॥ २ ॥  
 थठारेपापठाणाकह्याजूवाजूवा, एकविराधेकोयजी ॥ बा  
 लकह्योश्रीवीरजिणोसर, साधमजाणोसोयजी ॥ सा० ॥ ३ ॥  
 आहारसेज्यानेवसतरपातर, असुबलेवैनहीसंतजी ॥ द  
 सवीकालकठठेअधेने, नीष्टकह्योनगवतजी ॥ सा० ॥ ४ ॥  
 अचितवसतनेमोललिरावै, तोसुमतगुपतहुवेखडजी ॥  
 महावरतपांचूहीनागे, तिणरोचोमासीमंमजी ॥ सा० ॥  
 ॥ ५ ॥ एतोजावनसीतमेचाट्या, उगणीसमेंउदेसजी ॥ सु  
 धसाधुविणकुणसुणावै, सूतरनीकंमीरेशजी ॥ सा० ॥ ६ ॥

पुस्तकपातराउपासरादिक, निवरावेलेलेनामजी ॥ आ  
 ठाजूंडाकहीमोलवतावे, करेग्रिसतरोकामजी ॥ सा० ॥ ७ ॥  
 गराकनेकहेकहोयूंकुर्जे, कुगुरुविचेदलालजी ॥ वेचणवा  
 लोकह्योवाणियो, तीनारोएकहवालजी ॥ सा० ॥ ८ ॥  
 क्रयविक्रयमेवरतेतेतो, महादोपठेएहजी ॥ पेतीसमाउत  
 राधेनमे, साधनकह्योतेहजी ॥ सा० ॥ ९ ॥ नितकोव  
 हिरेएकणधरमें, चारामेएकआहारजी ॥ दसवीकालिक  
 तीजेअधेने, साधुनेकह्योअणचारजी ॥ सा० ॥ १० ॥ जो  
 लावेनितधोवणपाणी, तिणलोप्योसूतररोन्यायजी ॥ व  
 तलायांबोलेनहीसूधा, दूपणदेवेठिपायजी ॥ सा० ॥ ११ ॥  
 नहिकलपेतेवसतुवहिरे, तिणमेमोटीपोडजी ॥ आचारांग  
 पहिलेंसुतपर्वे, कहिवियोनगवतचोरजी ॥ सा० ॥ १२ ॥  
 पहिलोवरततोपूरोपडियो, जबआडाजडेकिवारजी ॥ कां  
 टाआगलहोडाअडकावे, तेनिश्चेनहीअणगारजी ॥ सा० ॥  
 ॥ १३ ॥ पोतेहाथेजडेउघाडे, करेजीवाराज्यानजी ॥ गृह  
 स्थउघाडनेआहारबहिरावे, जदकरेअणहुंताफेनजी ॥  
 सा० ॥ १४ ॥ साधवीयानेजडणोचाव्यो, तिणरीमकरोताण  
 जी ॥ यालारेकोईसाधजडेतो, नागलराएनाणजी ॥ सा०  
 ॥ १५ ॥ मनकरनेजोजरणोवठे, तिणनहीजाणीपरपीरजी ॥  
 पेतीसमाउत्तराधेनमे, वरजगयामहावीरजी ॥ सा० ॥ १६ ॥

परनिंदामेरातामातां, चितमेंनहोसंतोपजी ॥ वीरकह्यो  
 दशमायंगमाहे, तिणमेंतेरेदोपजी ॥ सा० ॥ १३ ॥ क  
 हेदीप्यालेतोमोआगललोजे, ओरकनेदेपालजी ॥ कुयुरुए  
 हवासुहसकरावे, आचोडेकंधीचालजी ॥ सा० ॥ १४ ॥  
 इएवंधायीममतालागे, ग्रहस्तसुनेलपथायजी ॥ नसीतरे  
 चोथेउदेसे, डंमकह्योजिणरायजी ॥ सा० ॥ १५ ॥ जि  
 मणवारमेंवहिरणजावे, आसाधारीनहिरीतजी ॥ वरज्यो  
 आचारगवइतकलपमें, वलेउत्तराधेननसीतजी ॥ सा०  
 ॥ १६ ॥ आलसनहीआरामेजाता, बैठीपांतवितेंपजी ॥  
 सरसआहारल्यावेनरपातरा, ज्यालझाठोडीजेजेपजी ॥  
 ॥ सा० ॥ १७ ॥ चेलाकरणरीचलगतकंधी, चा  
 लाबहोतचलायजी ॥ लियांफिरेग्रहस्तनेसाथे, रोक  
 डदामविरायजी ॥ सा० ॥ १८ ॥ विवेकविकल  
 नेसांगपहेरावे, जेलोकरेआहारजी ॥ सामगिरीमेंजा  
 यवंदावे, फिरफिरदुवेपवारजी ॥ सा० ॥ १९ ॥ अजो  
 गनेदीक्षादीधीते, जगवतनीआझावारजी ॥ नसीतरोमं  
 डमूलनमानै, तेविटलदुवाविकरालजी ॥ सा० ॥ २० ॥  
 विणपरलेह्यांपुस्तकरापे, तोजमेजीवाराजालजी ॥ परेकुं  
 थवाउपजैमाकड, जिणबांधीनागीपालजी ॥ सा० ॥  
 ॥ २१ ॥ जोवैवरसठमासनीकलियां, तोपहिलोवरतदु

वेपंडजी ॥ नितपरलेअणमेलेतिणने, एकमासरोमंमजी ॥  
 ॥ सा० ॥ २६ ॥ ग्रहस्थसाथेकहेसदेसो, तोनेलोदुवेसं  
 जोगजी ॥ तिणनेसाधकिमसरधीजे, लागोजोगनेरोगजी  
 ॥ सा० ॥ २७ ॥ समाचारविवरासुवकहीकही, सानी  
 करग्रहस्तत्राजायजी ॥ कागदलिखावै करीआमना, पर  
 हाथदेवैचजायजी ॥ सा० ॥ २८ ॥ आवणजाव  
 एवेसणऊठणरी, जायगार्देवैवतायजी ॥ इत्यादिकसा  
 धकहेग्रहस्थने, तोवेहुंवरावरथायजी ॥ सा० ॥ २९ ॥  
 ग्रहस्थनेदेवेलोटापातरा, पूठापरतविसेपजी ॥ रजोहर  
 णानेपूजणोदेवे, निष्टहुवाजेईनेपजी ॥ सा० ॥ ३० ॥  
 पूठेतोकहेपरतदीयामें, कूडकपटमनमांहिजी ॥ कामपरे  
 जबजायठरालै, नमिटीअंतरचाहिजी ॥ सा० ॥ ३१ ॥  
 कहैपरतयाग्रहस्थनेदेई, बोलेवलेअन्यायजी ॥ कह्योआ  
 चारागउत्तराधेनमें, साधुपरतेएकंतजायजी ॥ सा० ॥ ३२ ॥  
 करेग्रहस्थसुंसदलोबदलो, पंमितनामधरायजी ॥ पूरीप  
 डीसगजांवरतांरी, नेपलेनूलाजायजी ॥ सा० ॥ ३३ ॥  
 थोरोउपधग्रहस्थनेदीयां, वरतरहेनहीएकजी ॥ चोमा  
 सीडंडनसीतमेंगुंथ्यो, तिणठोडीजिणधर्मटेकजी ॥ सा०  
 ॥ ३४ ॥ विणआकुसजिमहाथीचालै, घोडोविगरलगा  
 मजी ॥ एहवीचालकुगरांरीजाणो, कहेवानेंसाधुनामजी

॥ सा० ॥ ३५ ॥ अणुकंपानहीठहुंपाननी, गुणविणक  
 हेअमेसाधजी ॥ आचरचाअणुजोगडुवारमे, विरलापर  
 मारथलाधजी ॥ सा० ॥ ३६ ॥ कह्योआचारांगउत  
 राधेनमें, साधुकरेचालतावातजी ॥ डंचीत्रीठीदिष्टजोवे  
 तो, हुवेठकायरीघातजी ॥ सा० ॥ ३७ ॥ सरसआहा  
 रलेविनामरजादा, तोवधेदेहीरीलोथजी ॥ काचमणीप  
 रकासकरेजुं, कुगुरुमायाथोथजी ॥ सा० ॥ ३८ ॥  
 ववकदवकउतावलाचाले, तसथावरमाख्याजायजी ॥ ६  
 रज्यासुमतजोयाविणचाले, तेकिमसाधुथायजी ॥ सा० ॥  
 ॥ ३९ ॥ कपटामेलोपीमरजादा, लांबापनालगायजी ॥  
 इधकारापेदोयपुरओमें, वलेबोलेमूसावायजी ॥ सा० ॥  
 ॥ ४० ॥ लष्टपुष्टकरमांसवधारे, करेविगैरापूरजी ॥ माठाप  
 रिणामानाख्यानिरपे, तोसाधपणाथीदूरजी ॥ सा० ॥ ४१ ॥  
 उपग्रहणजोअधिकारापे, तिणमोटोकियोअन्यायजी ॥ न  
 सीतरेसोलमेउदेसे, घोमासीचारित्तजायजी ॥ सा० ॥ ४२ ॥  
 भूरपनेगुरएहवामिलिया, तेलेईमुबसीलारजी ॥ साचोमा  
 रगसाधवतावे, तोलरवानेहुवेत्यारजी ॥ सा० ॥ ४३ ॥ एह  
 वागुरुसाचाकरिमाने, तेअंधअज्ञानीवालजी ॥ फोडापडे  
 उतकष्टातिणमे, तोरुलेअनंतोकालजी ॥ सा० ॥ ४४ ॥  
 हलुकरमीजीवसुणसुणहरपे, करेनारीकर्माधेपजी ॥ सूत

रोन्यायनिदाकरजाने, तोहुवेवलेविसेपजी ॥ सा० ॥ ४५ ॥  
 ॥ दूहा ॥ जेपपहखोजगवानरो, साधुनामधराय ॥  
 आचारमेढीलावणा, तेकह्योकतालगेंजाय ॥ १ ॥ त्या  
 नेवादेगुरजाणने, वलेकूरीकरेपपपात ॥ त्यांजुगनेमा  
 चाकरणखपे, त्यांरेमोटोसालमिथ्यात ॥ २ ॥ कुगरतणा  
 पगवांदने, आगेडूवाजीवअनत ॥ डूवेनेडूवतीवने, त्यां  
 रोकहेतांनआवेअंत ॥ ३ ॥ सावमारगवेतांकडो, निप  
 मेनचालेपोट ॥ आगारनहींत्यांरेपापरो, त्यावरतकीमान  
 वकोट ॥ ४ ॥ जेपधारीजागलवणा, त्यासुंपलेनहीआवा  
 र ॥ कुणकुणअकारजकररह्या, तेसुणजोवितता ॥ ५ ॥  
 ढाल २ जी ॥ आदरजीवपिमागुणआदर, एंती ॥ कु  
 गुरतणीचरिचाकरसुं, सूतरनीदेईसाखजी ॥ सुमनाआ  
 णसुणोनवजीवां, श्रीवीरगयावेजाखजी ॥ मावमजाणो  
 ऽणआचारे ॥ १ ॥ जोथेकुगुरमेठाकराया, तोसुणसु  
 णमकरोधेपजी ॥ साचफूतरोकरोनिर्तो, सूतरसामो  
 देखजी ॥ सा० ॥ २ ॥ जीमणवारमंडींअसत,  
 व्यावेवोवणपाणीमामजी ॥ पवेआपतवेवोआपवहि  
 रावे, तेकरेजेपनेनांमजी ॥ सा० ॥ ३ ॥ जाणजाण  
 साधवहिरे, त्याजो  
 मोआण्योलेवे, त्या  
 तेंप्रत्यक्ष  
 ॥ सा०

एअणचारउधारोसेवे, जेसाहमोअण्योलेआहारजी ॥  
 दसमीकालिकतीजेअधेने, कोईजोवोआंखउधारजी ॥  
 सा० ॥ ५ ॥ सावसाधवीठलेमात्रे, एकणदरवाजेजाय  
 जी ॥ वीरवचनसुंउलटापरिया, चवडेकरेअन्यायजी ॥  
 सा० ॥ ६ ॥ गांवनगरपुरपाटणपाडो, तिणरोहोवेएक  
 निकालजी ॥ तिहासाधसाधवीनहीरहेजेला, आबाधी  
 जगवतपालजी ॥ सा० ॥ ७ ॥ एकणदरवाजेसाधसा  
 धवी, जावेनगरीवारजी ॥ तोअप्रतीतऊठेलोकामे, केई  
 बरतजागेदुवेपवारजी ॥ सा० ॥ ८ ॥ जुडोजुडोनिका  
 लठेतोपिण, केईजावेएकणदरवाजजी ॥ धेठाहटकनमा  
 नेकिणरी, वलेनमानेकिणरीजाजजी ॥ सा० ॥ ९ ॥  
 एकनिकालतिहारहिणोवरज्यो, तोकपुजावेएकणडुवार  
 जी ॥ वेवहतकलपरेपहिलेउदेसे, तेबुधवंतकरजोविचार  
 जी ॥ सा० ॥ १० ॥ असतनेघरेजायगोचरी, जो  
 जमीयोदेपेडुवारजी, तिहांसुवसाधुतोफिरजायपाठा, जा  
 गलजावेपोलाकिंवारजी ॥ सा० ॥ ११ ॥ केईजेपधा  
 खारेएहवीसरधा, जोजमीयोदेपेडुवारजी ॥ तोधणीत  
 णीआगन्यालईने, माहिजावेपोलाकिंवारजी ॥ सा० ॥  
 ॥ १२ ॥ हाथासुंसाधकिंवारउघामे, मांहिजावेवहिर  
 णनेआहारजी ॥ इसमीढीजीकरेपरूपणा तेविटलहु

वायिकरालजी ॥ सा० ॥ १३ ॥ किंवारउवाढीनेआहारव  
 हिरणरो, मूलनसरधेपापजी ॥ कदानगयातोपणगया  
 सारिखा, आखररापीनेथापजी ॥ सा० ॥ १४ ॥ किं  
 वामउवाढीनेवहिरणनेजावे, तोहिसाजीवांरीथायजी ॥  
 तेआवसगसूतरमांहिवरज्यो, चोथाअधेनरेमांयजी ॥  
 ॥ सा० ॥ १५ ॥ गावनगरवारेकतररीयो, फटकस  
 थवारोतांहिजी ॥ जोसाधुरातरहेतिणठामे, तेनहिजिण  
 आझामाहिजी ॥ सा० ॥ १६ ॥ एकरातरहेकटकमेति  
 णमें, चारमासगोठेदजी ॥ एवेतकल्परेतीजेववेसे, तेसु  
 णसुणमकरोयेदजी ॥ सा० ॥ १७ ॥ इतडादोपजाणी  
 नेमेवे, तिणठोडीजिणधर्मरीतजी ॥ एह्वानिष्टआचारी  
 नागज, त्यारीकुणकरसीपरतीतजी ॥ सा० ॥ १८ ॥  
 विणकारणआप्यांमेंअंजण, जोघालेआपमजारजी ॥ त्यां  
 नेसाधवीयाकेमसरधीजे, त्याठोडदीयोआचारजी ॥ सा०  
 ॥ १९ ॥ विणकारणजोअंजणघाले, तोश्रीजिणआझा  
 वारजी ॥ दसमीकाजिकतीजेअधेने, तोक्याडोअनाचार  
 जी ॥ सा० ॥ २० ॥ वस्त्रपात्रपोथीपानादिक, जायय  
 सतरेघरेमेलजी ॥ पठीविहारकरेदोधेणीनलावण, ति  
 णप्रवचनहीवाठेलजी ॥ सा० ॥ २१ ॥ ॐ नमो  
 ॥ १० ॥ ॐ, हिस्तीजीवांरीथायजी ॥ ॥ ॥



सुंग्रसतनेसाधु, दोनुंनारीदुवेतायजी ॥ सा० ॥ ११ ॥  
 नारउपरावेग्रसतथागे, तेकिमसाधुथायजी ॥ नसीतरे  
 वारमेउदेसे, चोमासीचारितजायजी ॥ सा० ॥ १२ ॥  
 वलेविणपडलेहारहेसदा, नितग्रसतराघरमांयजी ॥ थो  
 सायपणोरहिंसीकिमत्यारो, जोवोसूतररोन्यायजी ॥  
 सा० ॥ १३ ॥ जोविणपरलेहारहेएकएदिन, ति  
 एनेमंडकह्योमासीकजी ॥ नसीतरेदसमेउदेसे, तिहां  
 जोयकरोतहतीकजी ॥ सा० ॥ १४ ॥ मातपितादिकस  
 गासनेही, त्यांराघरमाहिदेपेखालजी ॥ त्यांनेपरिगरोसा  
 धदिरावै, आचोडेकुगररीचालजी ॥ सा० ॥ १५ ॥ सा  
 नीकरसाधदिरावेरुपीया, वरतपाचमोनागजी ॥ वलेपू  
 ठ्यांजूठकपटसुंबोले, त्यांपहिरविगाखोसांगजी ॥ सा० ॥  
 १६ ॥ न्यातीजानेदामदिरावे, तिणरेमोहनमिटियो  
 कोयजी ॥ वलेसारसंनारकरावेल्यांरी, तेनिश्रेसाधनहोय  
 जी ॥ सा० ॥ १७ ॥ अनरथरोमूलकह्योपरिगरो, गाणां  
 गतीजेगाणजी ॥ तिणरीसाधकरेदलाजी, तेपूरामूढथ  
 जाणजी ॥ सा० ॥ १८ ॥ रितउन्हालेपाणीगरे, ग्रस  
 तरावाममजारजी ॥ मनमानैजबपाठासूपै, तेश्रीजिण  
 आझावारजी ॥ सा० ॥ १९ ॥ ग्रसतरानाजनमेसाधु,  
 जीमेअसणादिकआहारजी ॥ तिणनेनिष्टकह्योदशमीका

जिकमें, ठठाथधेनमजारजी ॥ सा० ॥ ३१ ॥ केईसाग  
 पहिरसाधवीयांवाज, पिणघटमांहिनहीविवेकजी ॥ था  
 हारकरेजदजडेकिवाढ, बलेदिनमांहिवारथनेकजी ॥ सा०  
 ॥ ३२ ॥ वरदेमातरगोचरीजावे, जवथाढाजरेकिवारजी  
 बलेसाधाकनेजावेतांहीजरने, त्यारोविगरयोथाचारजी ॥  
 सा० ॥ ३३ ॥ साधवीयांनेजडणोचाटयो, तंसीजाद्रिक  
 रापणकाजजी ॥ थोरकामजोजडेसाधवी, तिणठोढोजिण  
 धर्मरीजाजजी ॥ सा० ॥ ३४ ॥ आवसगमांहिहिंसा  
 कहीजडीया.थालोवणपातेतांहिजी ॥ मनकरनेजडणोन  
 हिवठे, उतरावेंनपेतीसमाहिजी ॥ सा० ॥ ३५ ॥ थो  
 पययाददेवहिरीयाणे, कोईवाधीराखेरातजी ॥ तेजाय  
 मेजेयसतरारमें' पठेनितव्यावेपरजातजी ॥ सा० ॥ ३६ ॥  
 आपरोयकोयसतनेसुंपे; थोमोटोदोयपिठाणजी ॥ बले  
 बीजोदोयवासीराप्यांरो, तीजोथजेणारोजाणजी ॥ सा०  
 ॥ ३७ ॥ बलेचोयोदोयपूठयांजूठबोले, वासीगप्योनक  
 हेमूढजी ॥ केईनेयधारीजेणहवाजागल, त्यारेजूठकप  
 टवेगूढजी ॥ सा० ॥ ३८ ॥ थोपदथाददेवासीराप्या,  
 वरतामेंपडेवघारजी ॥ कट्योदसमीकालीकतीजेथधेने,  
 वासीरापेतोथणाचारजी ॥ सा० ॥ ३९ ॥ केईयाधाक  
 रमीपुस्तकवहिरे, बजेतेहिजलीयामोलजी ॥ तेपिणमा

पदारथनवरा, जाबकनावेजावजी ॥ सा० ॥ ५८ ॥ ति  
 पकरणोतोनिपुणबुधवालो, जोवादिकजाणोतांहिजी ॥ न  
 हीतरएकलरहणोटोलांमैं, उतराधेनवतीसमांहिजी ॥  
 ॥सा०॥५९॥केईदडेलीपेहाथासुंथानक, तेपिणढगजियाकू  
 टजी ॥ इसडोकामकरेतिणसाधु, पाढीनेपमांहेफूटजी ॥  
 ॥ सा० ॥ ६० ॥ जोदडेजिंपेथानकनेसाधु, तिणश्रीजि  
 णआज्ञाजांगजी ॥ तीजावरतरीतीजीनावना, तिहांवर  
 ज्योदसमेअंगजी ॥ सा० ॥ ६१ ॥ ठतीसाधवीयांठेटो  
 लामें, वलेकारणनपड्योकोयजी॥तांहिदोयसाधवीयांकरे  
 चोमासो, थोदोपठघाडोजोचजी॥सा०॥६२॥दोयसाधवी  
 करेचोमासो, तेजिणआज्ञामेंनाहिजी ॥ त्यांनेवरज्योठे  
 विहारसूतरमें, पांचमाउदेसामांहजी ॥ ६३ ॥ कारण  
 विनाएकलीसाधवी, असणादिकवैहरणजायजी॥ वलेवर  
 डेपणएकजडीजावे, तेनहिजिणआज्ञामांयजी ॥ सा०  
 ॥ ६४ ॥ वलेएकजडीनेरहणोवरज्यो, इत्यादिकबोलथ  
 नेकजी ॥ वेतकलपरेपांचमेउदेसे, तेसमजोआणविवेक  
 जी ॥ सा० ॥ ६५ ॥ कुगुरुएहवाहीणआचारी, साधा  
 सुदेजिरकायजी ॥ आपतणाकिरतवसुंरता, जिणमार  
 गदियोठिपायजी ॥ सा० ॥ ६६ ॥ इसडाकुगरानेगुरक  
 रमाने, त्यारेअजिंतरमेंअंधकारजी ॥ गुरमेपोटपायअ

ज्ञानी, तेचाव्याजनमन्त्रिगारजी ॥ सा० ॥ ६४ ॥ अमुं  
 नकरमज्यारेउदयदुवाजव, इसडागुरमिलियाआयजी ॥  
 दग्धबीजहोयजावकबूमा, पठेचिदुंगतगोतापायजी ॥  
 सा० ॥ ६५ ॥ इमसांजलोउत्तमनरनारी, ॥ ठोढोकुगुरनो  
 संगजी ॥ सतगुरसेवोमुधआचारी, दिनदिनचढतेरगजी  
 सा० ॥ ६६ ॥ आसजायकरीकुगुरुथोलखावण, सहेर  
 पीपारमजारजी ॥ समतआगारेनेवरसचोतीसे, आसो  
 जसुदसातमबुधवारजी ॥ सा० ॥ ६७ ॥ दूहा ॥ केई  
 नेपधारीजूजायका, कररह्याकंधीताण ॥ इततयतावे  
 साधरे, तेसूतरथरथथजाण ॥ १ ॥ त्यांसाधपणो  
 नह्थिथोलप्यो, जूलानर्मगिवार ॥ सर्वसावजल्याग्योमु  
 खसुंकहे, वलेपापरोकहेथागार ॥ २ ॥ आहारपाणी  
 कपडाकपरें, रह्यासदामुरजाय ॥ एनेपधाखारेइव्रतपरी.  
 पिणसाधारेइव्रतनह्काय ॥ ३ ॥ चारगुणगणाइव्रतस  
 ही, त्यांनहीव्रतलिगार ॥ वेसव्रतगुणगणोपांचमो, आ  
 गेसरवव्रतीथणगार ॥ ४ ॥ जोसांधारेइव्रतदुवे, तोसर्व  
 व्रतीकुणहोय ॥ त्यांरानावजेदप्रगटकुरुं, तेसांजलजोस  
 हुलोय ॥ ५ ॥ ढाल ३ जी आथणकंपाजिणआगन्या  
 मँएदेशी ॥ चोवीशमांश्रीवीरजिणेसर, निरदोपआहार  
 आणीनेपायो, ॥ एणामाचदग्मेंवताखो, ॥

पदारथनचरा, जावकनावेजावजी ॥ सा० ॥ ५८ ॥ सि  
 पकरणोतोनिपुणबुधवालो, जीवादिकजाणोतांहिजी ॥ न  
 हीतरएकजरहणोटोलामें, उतराधेनवतीसमांहिजी ॥  
 ॥सा०॥५९॥केईदडेलीपेहायांसुंथानक, तेपिणढगलियाकू  
 टजी ॥ इतडोकामकरेतिणसाधु, पाडीनेपमांहेफूटजी ॥  
 ॥ सा० ॥ ६० ॥ जोदडेलिंपेथानकनेसाधु, तिणश्रीजि  
 णआज्ञानांगजी ॥ तीजावरतरीतीजीनावना, तिहांवर  
 ज्योदसमेअंगजी ॥ सा० ॥ ६१ ॥ उतीसाधवीयांढेटो  
 लामें, वळेकारणनपडयोकोयजी॥तांहिदोयसाधवीयांकरे  
 चोमासो, ओदोपठघाडोजोयजी॥सा०॥६२॥दोयसाधवी  
 करेचोमासो, तेजिणआज्ञामेनाहिजी ॥ त्यांनेवरज्योढे  
 विहारसूतरमे, पांचमाउदेसामांहजी ॥ ६३ ॥ कारण  
 विनाएकलीसाधवी, असणादिकवैहरणजायजी॥ वळेवर  
 डेपणएकलडीजावे, तेनहिजिणआज्ञामांयजी ॥ सा०  
 ॥ ६४ ॥ वळेएकलडीनेरहणोवरज्यो, इत्यादिकबोलथ्य  
 नेकजी ॥ वेतकलपरेपाचमेउदेसे, तेसमजोआणविवेक  
 जी ॥ सा० ॥ ६५ ॥ कुगुरुएहवाहीणआचारी, साधां  
 सुदेनिरकायजी ॥ आपतणाकिरतवसुमरतां, जिणमार  
 गदियोठिपायजी ॥ सा० ॥ ६६ ॥ इतडाकुगरांनेगुरक  
 रमाने, त्यारेअजिंतरमेंअंधकारजी ॥ गुरमेंषोटपायअ

ज्ञानी, तेचा त्याजनमबिगारजी ॥ सा० ॥ ६४ ॥ अस्तु  
 जकरमज्यारेउदयद्वुवाजब, इतडागुरमिलियाथायजी ॥  
 दग्धबीजहोयजाबकबूमा, पढेचिदुंगतगोतापायजी ॥  
 सा० ॥ ६५ ॥ इमसांजलोउत्तमनरनारी, ॥ ठोढोकुगुरनो  
 संगजी ॥ सतगुरसेवोसुधआचारी, दिनदिनचढतेरगजी  
 सा० ॥ ६६ ॥ आसजायकरीकुगुरुथोलखावण, सहेर  
 पीपारमजारजी ॥ समतआगारेनेवरसचोतीसे, आसो  
 जसुदसातमघुधवारजी ॥ सा० ॥ ६७ ॥ दूहा ॥ केई  
 नेपधारीजूलायका, कररह्याकंधीताण ॥ इव्रतवतावे  
 साधरे, तेसूतरथरथअजाण ॥ १ ॥ त्यांसाधपणो  
 नहिथोजप्यो, जूलाजर्मगिंवार ॥ सर्वसावजल्याग्योसु  
 खसुंकहे, वळेपापरोकहेआगार ॥ २ ॥ आहारपाणी  
 कपडाऊपरे, रह्यासदामुरजाय ॥ एनेपधाखारेइव्रतपरी.  
 पिणसाधारेइव्रतनहिकाय ॥ ३ ॥ चारगुणगणोइव्रतस  
 ही, त्यानहीव्रतलिगार ॥ देसव्रतगुणगणोपांचमो, आ  
 गेसरवव्रतीअणगार ॥ ४ ॥ जोसांधारेइव्रतद्वुवे, तोसर्व  
 व्रतीकुणहोय ॥ त्यांराजावजेदप्रगटकळं, तेसांजजजोस  
 हुजोय ॥ ५ ॥ ढाल ३ जी आअणकंपाजिणआगन्या  
 मॅएदेशी ॥ चोवीशमांश्रीवीरजिणेसर, निरदोषआहार  
 आणीनेपायो ॥ सुधपरिणामावढगंमॅउतासो, तिणमां

हीमूरपपापवतायो ॥ इणंपापंडमेतरोनिरणोकीजो ॥ १ ॥  
 अनंतचोवीशीमुंगंतगईते, आहारव्यायायादोपणटालो ॥  
 तिणमांहिपापवतावेअज्ञानी, त्यांसगलारेशिरदीधोआ  
 लो ॥ ५० ॥ २ ॥ सरवसावजजोगरात्यागकरीने, सरव  
 व्रतीसुधसाधकहावे ॥ तिरणतारणपुरपारेअज्ञानी, इव  
 तरोआगारवतावे ॥ ५० ॥ ३ ॥ गोतमआढवेसाधअनं  
 ता, साधवीयांरोठेहनपारो ॥ सधलारोआहारअधर्ममां  
 हिघाल्यो, तिणआपमीचीनेकीधोअंधारो ॥ ५० ॥ ४ ॥  
 साधुरोजनमहुवोजिणदिनथी, कलपेतेवसतवहेरीनेजा  
 वे ॥ तेपणअरिहंतनीआगन्यासुं, तिणमाहिमूरपपापव  
 तावे ॥ ५० ॥ ५ ॥ वसतरपात्रारजूहरणादिक, साधुरा  
 उपधसूतरमांहेचाव्या ॥ अरिहंतरीआगन्यासुराप्या, अ  
 धर्ममांहेअज्ञानीघाट्या ॥ ५० ॥ ६ ॥ दसमीकालिकवा  
 णाअंगमे, प्रसनव्याकरणठवाईमाह्यो ॥ धरमउपधसाधु  
 रावरतमें, तिणमांहिछुष्टीपापवतायो ॥ ५० ॥ ७ ॥ किणही  
 गृहस्थलीलोतरीनेत्यागी, जीवेज्यांलगआणवेरागो ॥ सा  
 धपणोलेईअतसरधे, तोविवेकविकलपायवाकांईलागो ॥  
 ॥ ५० ॥ ८ ॥ अधर्मजाणेनीलोतरीपाधां, तोपचखा  
 णनागोकिणलेखे ॥ धरमेंथकांजावजीवत्यागीथी, इणसा  
 हमुंमूरपक्युंनहीदेपे ॥ ५० ॥ ९ ॥ किणहीगृहस्थजेजे

वस्तुत्यागीथी, तोअधर्मरोमूलइत्रतजाणो ॥ साधपणोले  
 ईसेववालागो, तेक्युंनपालेजैलैपचस्काणो ॥ ५० ॥ १० ॥  
 इत्रतसरधेनेसुसनपाले, तिणजागलरेठेजारीकर्मो ॥ मा  
 रगठोडनेऊजरपरीया, साधआहारकीयामेसरधेअधर्मो ॥  
 ५० ॥ ११ ॥ करेवैयावच्चचेलागुररी, कर्मतणीकोडतेह  
 पपावै ॥ तीर्थकरगोतबंधेउत्कृष्टो, पिणगुरनेमूरपपाप  
 बतावै ॥ ५० ॥ १२ ॥ दसवीसचेलापरिकमणोकरने,  
 गुररीवेयावचकरवानेआवै ॥ तोगुरनेपापलगायअज्ञानी  
 डुरगतमायकांयपोचावै ॥ ५० ॥ १३ ॥ गुरनेपापलागे  
 वेयावचकरायां, सूतरमाहिकवेहीनचाव्यो ॥ मूढमती  
 जीवजारीरुमा, ओपणघोंचोकुगुरांघाव्यो ॥ ५० ॥ १४ ॥  
 गुरनेपायासुंजेलाकीयांमें, चेजाराकर्मरुटेकिणलेपे ॥ अ  
 न्तिंतरफूटीनेअंधययाते, सूतरसाहमोमूटमूलनवेपै ॥ ५०  
 ॥ १५ ॥ साधमाहोमाहिदेवेनेलेवै, ॥ वसतरपातरआ  
 हारनेपाणी ॥ तेपिणलीयामेपापबतावै, एहवीकुपातर  
 बोलेवाणी ॥ ५० ॥ १६ ॥ दातारनेधर्मसाधानेवहिरा  
 यां, पिणसाधवहिरीदुवापापसुंजारी ॥ दातारतिरियासा  
 धर्मवोई, ओपणसरेधाकहेजेपवारी ॥ ५० ॥ १७ ॥ जो  
 पापलागेसाधुआहारकीयांमें, तिणरेपापरोसाजदियोदा  
 तारो ॥ तिणरीआसाराखेकिणलेपे, नूजारेनूजार्थेमूढगि



वारो ॥ ५० ॥ १७ ॥ साधांतोपापअठारेहील्याग्या, चो  
 पीठेज्यांरोसुमतिनेगुपती ॥ दातारकनेसुधजाचलियांमें,  
 पापकवेसुंलागोरेकुमती ॥ ५० ॥ १८ ॥ गुरदीप्यावेईसि  
 पसिपणीकरेते, निरजराराजेदमांहेचाव्या ॥ मोहमिथ्या  
 तसुंजारीकरमा, एणपरिगरामाएवाव्या ॥ ५० ॥ १९ ॥  
 ठवेगुणवाणेपरमादकहीने, साधारेइव्रतथापेपवारी ॥  
 पूठेतोकहेमेंसरवविरतीठां, ओपणऊठवोलेनेपधारी ॥ ५०  
 ॥ २० ॥ ठवेगुणवाणेपरमादकह्योते, किणहीकवेलाला  
 गतोजाणो ॥ विपेकपायउसनजोगआयां, पिणमूढमती  
 करेकंधीताणो ॥ ५० ॥ २१ ॥ प्रमादेव्रतकहेआहारउ  
 पधसुं, कररह्याकुबुधीकूडीविपवादो ॥ आहारउपधकेव  
 लीपिणआणे, कवीगयोत्यांरोपरमादो ॥ ५० ॥ २२ ॥  
 अप्रमादानीकह्यासातमेगुणवाणे, प्रमादनहीतिणगुणवा  
 णाआगे ॥ आहारउपधउवैपिणजोगवता, त्यांसाधानेप  
 रमादक्युंनहीलागे ॥ ५० ॥ २३ ॥ केवलीआचारेंठदम  
 स्थआचरियो, केवलीत्याग्योतेठदमस्थत्यागे ॥ आहार  
 उपधकेवलीज्युंनोगवीयां, तिणसाधानेपरमादकिणविध  
 लागे ॥ ५० ॥ २४ ॥ साधआहारकरतांचारितसजे, सु  
 धपरिणामासुंकटेआगलाकर्मो ॥ जदवंधमतीकोईअवजो  
 बोलै, घणोपाधांतोघणोहोवैधर्मो ॥ ५० ॥ २५ ॥ पोह

ररातताईसाधकंचेसबदे, धर्मकथाकहैमोटैमंढांणो ॥ उ  
 णउंधमतीरीसरधारेलेपे, थापीरातमेंकरणोवपाणो ॥ ५०  
 ॥ २७ ॥ जैणासुसाधुकरेपरलेहण, काटवाकर्मआतम  
 नेउधरणी ॥ उणउंधमतीरीसरधारेलेपे, थापोहीदिनप  
 रलेहणकरणी ॥ ५० ॥ २८ ॥ मरजादासुंआहारसाधां  
 नेकरणो, मरजादासुंकरणोवखाणो ॥ मरजादासुंपडलेह  
 णकरणी, समजोसमजोर्येमूढअयाणो ॥ ५० ॥ २९ ॥ ठकार  
 णआहारसाधांनेकरणो, घणोघणोपासीकिणलेपे ॥ ठाईस  
 माउत्तराधेनमेंठे, वलेठठोठाणोमूढक्युंनहीदेपै ॥ ५० ॥ ३० ॥  
 कहैधर्महुवेसाधआहारकीधामें, तोक्यानेकरेआहारराप  
 चपाणो ॥ पापजाणीनेत्यागकरेठे, उलटबुधीबोलेएह  
 बीवाणो ॥ ५० ॥ ३१ ॥ साधुकाउसगमेंत्याग्योहाजवो  
 चालवो. वलेमुपसुंनबोलेनिरवदवाणो ॥ उणउलटबुधी  
 रीसरधारेलेपे, एणपापतणापचपाणो ॥ ५० ॥ ३२ ॥  
 कोईसाधबोलणरात्यागकरीमुनसाजै, धर्मकथासांढीनकरे  
 वषाणो, उणउलटबुधीरीसरधारेलेपे, एणपापतणाप  
 चपाणो ॥ ५० ॥ ३३ ॥ कोईसाधसाधांनेआहारदेवण  
 रा, त्यागकरेमनउठरंगआणो ॥ उणउलटबुधीरीसरधा  
 रेलेपे, एणपापतणापचपाणो ॥ ५० ॥ ३४ ॥ केईसा  
 धसाधांरीनकरेवेयावच, त्यागकरेमनउठरंगआणो, उण

उलटबुधोरीसरधारेलेपे, एणपापतणापंचपाणो ॥ ६० ॥  
 ॥ ३५ ॥ साधांमूलगुणमेंसरवसावर्जत्याग्यो, तिणसुंन  
 वापापनलागेजाणो ॥ आगलार्कर्मकाटणसाधारें, उत्तर  
 गुणवेदसविधपचपाणो ॥ आसरंधाश्रीजिनवरनापी ॥  
 एथाकणी ॥ ३६ ॥ कोईवासवेलादिककरेसंथारो, कोईसाध  
 करेनितरोनितआहारो ॥ पापरात्यागदोयारेसरिपा, पण  
 तपतणोवेजेदजन्यारो ॥ आ० ॥ ३७ ॥ जेणासुंचाल्याजे  
 णासुंजना, जेणासुबैगजेणासुसूवंता ॥ जेणानोजनकी,  
 यांजेणासुबोल्यां, तिणसाधनेपापनकह्योनगवता ॥ आ०  
 ॥ ३८ ॥ दसमीकालिकचोथेअधेने, आठमीगाथाअरिहं  
 तनापी ॥ ठबोलसावजेणासुंकीयांमे, पापकह्नीनारीकर  
 माअन्हापी ॥ आ० ॥ ३९ ॥ निरवदगोचरीरिपेसरारी  
 मोपरीसाधननगवतनापी ॥ दसमीकालिकपाचमेअधेने,  
 षाण्मीगाथाबोलेसापी ॥ आ० ॥ ४० ॥ सुधआहार  
 कीयांसाधसदगतजावै, निरदोषदीयांलायेसदगतदार्ता ॥  
 दसमीकालिकपांचमेअधेने, पहिलाउदेसारीवेहलीगाथा  
 आ० ॥ ४१ ॥ सातकर्मसाधुढीलापाडे, सूजतोआहारकरे  
 तिणकालो ॥ जगोतीसूतरपहिलेसुतपंधे, नवमोउदेसो  
 जोय संनालो ॥ आ० ॥ ४२ ॥ आहारकरेगुररीआंगु  
 न्यासुं, तिणसाधुनेवीरकह्नीवेमोपो ॥ अठारमोअधेनगि

नातारोजोई, सांसीकाटोमेटोमनरोधोपो ॥ आ०॥४३॥  
 सबदरूपगंधरसफरसरी साधारेइव्रतमूलनकायो ॥ सुग  
 मार्गअधेनअदारमें, उहंउवाइशुतरमायो ॥ आ०॥४४॥  
 साधारेइव्रतकहेपापंडी, तिणकुमतीरीसंगतदूरनिवारो ॥ इ  
 मसांनजनेउत्तमनरनारी, सरवव्रतीयुरुमाथेधारो ॥ आ०  
 ॥ ४५ ॥ दूहा ॥ समदृष्टिआरेपांचमे, थोरीरिधीअलप  
 भान ॥ मिथ्यादिष्टीजोमेंदुसी, बहुरिधबहुसनमान ॥ १ ॥  
 समणथोडानेमूंढयणा, पाचमेआरेचेन ॥ जेपलईसाधुत  
 णो, करसीकूडाफेन ॥ २ ॥ साधुअलपपूजादुसी, गाणा  
 अंगमेसाप ॥ असाधुमहिमाअतिघणी, श्रीवीरगयाठेना  
 प ॥ ३ ॥ छुटेवकयुरुकुधर्ममें, घणालोक रह्याबंधहोय ॥  
 ओलपनेनिरणोकरे, तेतोविरलाजोय ॥ ४ ॥ साधमारग  
 ठेसाकरो, जोलापवरनकाय ॥ जीमदीवेमरेपतंगीयो, ति  
 मपरेपगांमेजाय ॥ ५ ॥ घणासाधनेसाधवी, आवकआ  
 वकालार ॥ उलटापडेजिणधर्मथी, परसीनरकमजार ॥ ६ ॥  
 महानसीतमेंमेंसुणो, गुणविणधारीजेप ॥ लापाकोडांग  
 मेसावटा, नरकपरतादेष ॥ ७ ॥ लीधावरत्तनपालनी, पो  
 टीदिष्टअयाण ॥ तिणनेकहीठेनारकी, कोईआपमलेज्यो  
 तांण ॥ ८ ॥ आगर्मथीअवलावहे, साधुनामधराय ॥ सुध  
 करणीथीवेगला, तेकह्याकवांलगजाय ॥ ९ ॥ ढालधथी ॥

चंदगुपतराजासुणोएदेशी॥सीधाघरआयोसाधने, वलेथ्रो  
 रकरवेथागेरे ॥ एहवाउपासराजोगवै, त्यानेवजरकिरिया  
 लागेरे ॥ तिणनेसाधुकिमजाणिये ॥ १ ॥ आचारांगदृजेक  
 ह्यो, महाडुष्टदोषणठेतिणमेरे ॥ जोवीरखचनसवलोक  
 रो, तोसाधपणोनहीतिणमेरे ॥ ति० ॥ २ ॥ साधुअर  
 थैकरावेउपासरो, ठायोजिप्योगृहस्थबालरागीरे ॥ तिण  
 थानकमेरहेतेहने, सावजकिरियालागीरे ॥ ति० ॥ ३ ॥  
 तिणनेजावेतोगृहस्थकह्यो, दीयोआचारांगसापीरे ॥ जे  
 पधारीकह्योसिद्धांतमें, तिणरीजगवंतकाणनरापीरे॥ति०  
 ॥ ४ ॥ सिज्यातरपिंमजोगवेवले, कुबुधकेलवेकपटीरे ॥  
 धणीठोडआग्यालेथोररी, सरसआहारादिकरालंपटीरे ॥  
 ति० ॥ ५ ॥ सबलोदोषणलागेतेहने, नसीतमेंडंडजारी  
 रे ॥ अणाचारीकह्योदसवीकालिके, जगवंतरीसीपनधा  
 रीरे ॥ ति० ॥ ६ ॥ अणकंपाआणआवकतणी, इवदि  
 रावणआगेरे ॥ दूजोकरणखंडहुवोव्रतपांचमो, तीजैकर  
 णपांचुहीनागेरे ॥ ति० ॥ ७ ॥ गृहस्थजीमावणरीकरे  
 आमना, जोंकरेसाधदलालीरे ॥ चोमासीमंमकह्योनसी  
 तमें, वरतनागाहुवोपालीरे ॥ ति० ॥ ८ ॥ करेवांसादि  
 कनोवाधवो, वलेकीयांजीजानाचेजारे ॥ ठायोजीप्योते  
 हने, कहीजेंसपरीकर्मसेजारे ॥ ति० ॥ ९ ॥ एहवीवस

तीनोगवे, तेसाधनदीतवसेतोरे ॥ मासिकमंमरुद्धोतेद  
 ने, नसीतरेपाचमेष्ठरेतोरे ॥ ति० ॥ १० ॥ घापेपरदा  
 परेचकनातने, यक्षेपंड्यासिरफीनेताटारे ॥ साधुश्चरधे  
 सराधितेनोगवे, म्पाराज्ञानादिकगुणन्दागारे ॥ ति० ॥  
 ॥ ११ ॥ घापीतोपानननोगवे, स्यापीशमदाप्रतनांगो  
 रे ॥ नारेसाधपणापीरेगला, म्पानेगुणमिणाजापोसांगो  
 रे ॥ ति० ॥ १२ ॥ काचपसमोगम्योतेरापीपो, मनेजा  
 पोनेदोपणपोगेरे ॥ पांचमोउरतपूरोपयो, वझेतिणया  
 गव्यागोरोरे ॥ ति० ॥ १३ ॥ गृहस्पत्यापोरेपीमोट  
 को, दायनासुंदरवतदुगारे ॥ विठावणावरेयामना, ते  
 साधपणापीगारे ॥ ति० ॥ १४ ॥ गृहस्पत्यापोसाध  
 तेदगा, वपदोयद्विगाणजईजावेरे ॥ इणविधवद्विरेतेद  
 मे, शान्तिकिणविधपावेरे ॥ ति० ॥ १५ ॥ साधमोआ  
 पोझेजावतेदियो, एदोपणदोनुईनारीरे ॥ यानेदासेके  
 रापतरीग्ना, मेव्यानदीगाधयागारीरे ॥ ति० ॥ १६ ॥  
 घोवणादिकमेनीनोतरी, जीरांसद्वितकणनीनारे ॥ एद  
 योवेद्वरेसंकेनदी, तेपरनवसुंनदीपीनारे ॥ ति० ॥ १७ ॥  
 एदयोअनपाणीनोगव, म्पानेसाधुकिमयापीनेरे ॥ लो  
 एतरनेसाथोकरो, म्पानेथोगरीरांतमेयापीनेरे ॥ ति० ॥  
 ॥ १८ ॥ गृहस्पनेसनायथोजथोकटा, साधतिपेतोदोष

एलागेरे ॥ लिपायनेअणमीदिंयां, दोयकरणऊपरलाजागे  
 रे ॥ ति० ॥ १९ ॥ पहिलेकरणलिप्यामेंपापठे, ॥ तोलि  
 पायांदोपणउधारोरे ॥ पांचमहाव्रतमूलगा, त्यांसघलां  
 मेंपरियावधारोरे ॥ ति० ॥ २० ॥ उपधनलावैग्रह  
 स्थने, अोनहीसाधआचारोरे ॥ प्रवचनन्यायनमानीयो  
 लीयोमुगतसुमारगन्यारोरे ॥ ति० ॥ २१ ॥ ग्रहस्थउप  
 धरीकरेजावता, कियावरतचकचूरोरे ॥ सेवगहुवासंसा  
 रीया, साधपणाओदूरोरे ॥ ति० ॥ २२ ॥ सातापूठेपू  
 ठावेग्रहस्थरी, इवरतसेवणलागोरे ॥ अणाचारीकह्योद  
 सवीकालिके, वळेपांचूहोमहाव्रतजागारे ॥ ति० ॥ २३ ॥  
 आवकनेवलेआविका, करेमाहोमाहोकारजरे ॥ सातापू  
 ठेविनोवेयावचकरे, तिणमेंधर्मपरूपेअनारजरे ॥ ति० ॥  
 ॥ २४ ॥ अणाचारपूरानहीओलिप्या, नवजांगाकिणवि  
 धंटाजेरे ॥ ग्रहस्थनेसीध्रावैसेवना, लीधावरतनहीसंजा  
 जेरे ॥ ति० ॥ २५ ॥ कारणपरीयांलेणोकहेसाधने, क  
 रेअसुधवैहरणीरीथापोरे ॥ दातारनेरुहैनिर्जराधणी, व  
 लीथोरोवतावैपापोरे ॥ ति० ॥ २६ ॥ एहवीजंधीरुपे  
 रूपणा, घणोलीवानेचलटानापेरे ॥ अणविचारीनाथा  
 बोलता, नारीरुमाजीवनसकेरे ॥ ति० ॥ २७ ॥ जिए  
 आचाररीकरेआपता, कहेकहेदूयमकालोरे ॥ हिवजांअ

चारठेएहवो, धणादोपणरोनहुवेटाजोरे ॥ ति० ॥ १८ ॥  
 एकपोतेतोपालेनही, वंलेपालेतिणसुंधेपोरे ॥ दोयमूरप  
 कह्योतेहने, पहिलोआचारागदेपोरे ॥ ति० ॥ १९ ॥ पाट  
 बाजोटआणोग्रहस्थरा, पाठावेवणरीनहिनीतोरे ॥ मरजा  
 दालोपनेजोगवे, तिणठोडीजिणधर्मरीतोरे ॥ ति० ॥ २० ॥  
 तिणनेमंमरुह्योएकमासनो, नसीतरेउदेसेबीजेरे ॥ न्याय  
 मारगपरूपतां, जारीकरमासुणसुणपीजेरे ॥ ति० ॥ २१ ॥

सवेयो

गुणविनाजेपकोमूलनमानत, जीवश्चजीवकाकीया  
 निवेडा ॥ पुण्यपापकुंनिन्ननिन्नजाणत, आश्रवकर्मकुले  
 तउरेरा ॥ आवताकर्मकुसंवररोक्त, निर्जराकर्मकुदेतवि  
 खेरा ॥ बंधतोजीवकुंवांधकरराखत, सास्वतासुखज्युंमोह  
 मेंदेरा ॥ ऐसाघटप्रगटकियातव, भेटचानवजीवांरामि  
 प्यात्वअंधेरा ॥ निर्मलज्ञानसुंउद्योतकियोतव, एतोपंथ  
 प्रचुतेराइतेरा ॥ १ ॥

समाप्त.



આ પુસ્તક ઠાપી પ્રગટ કરવાને વાસ્તે આગળથી  
મદત આપનાર સાહેબોના નામ.

ધણીનું નામ.

નકલનું આંક

શા. શોનાગચંદ દોલતચંદ.	. . . . .	૫૧
શા નર્ગીનજાઈ તારાચંદ.	. . . . .	૨૧
મારવાડી. સલદારમલ બાંઠીયા ચુરુવાલા.	. . . . .	૧૦
શા. નાગરદાશ નેયાલચંદ.	. . . . .	૧૦
મારવાડી બલદેવ જવેરી જેપુરવાલા.	. . . . .	૫
મારવાડી. હેમરાજ નીમાણી ફલોધીવાલા.	. . . . .	૫
શા ગુલાબચંદ તારાચંદ.	. . . . .	૫
શા. પ્રેમચંદ વમલસી	. . . . .	૫
શા. દેવચંદ જુમકરામ.	. . . . .	૫
શા. ઠાકોરદાસ દેવચંદ.	. . . . .	૨
શા દાયાજાઈ હુનાઈ	. . . . .	૧

## अनुक्रमणिका.

---

ग्रंथोनां नाम.	पृष्ठ.
नीपणजीतुं चरित.	१
नवपदार्थना तेरधार. .. .	३१
स्वामी जीतमलजीरुत चोवीसजिन स्तुति	५३
अणकुंपारी ढाल नव.	७३
साधरा आचार उपर ढालो चार	११५

# शुद्धिपत्रः

पेच.	लेन.	अशुद्ध	शुद्ध.
३३	१	वा	नावा.
३८	११	र	०
६४	७	निबलामे	निबलाने.
६८	६	जीध	जीव.
१०६	७	कुपातरदान पुमेनपरुपे	कुपातरदानमें- पुण्यपरुपे
११०	१७	पतक	प्रत्येक
११२	११	मसहेल्यां	सहेल्यां.

